स्वप्न विचार

''संपादक''
आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज

प्रकाशक:
श्री सत्यार्थी मीडीया
रविन्द्र भवन इन्द्रा नगर टूण्डला चौराहा
फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)

ॐ ह्रीं नमः

प्रथम संस्करण : मई 2014
प्रतियाँ : 3,000

स्वप्न विचार

आचार्य मुनि वसुनंदी

मंगलाशीष:
प.पू. राष्ट्रसंत, सिद्धांत चक्रवर्ती दि. श्वेतपिच्छाचार्य श्री १०८ विद्यानंद जी मुनिराज

श्री सत्यार्थी मीडीया प्रकाशक
रविन्द्र भवन इन्द्रा नगर टूण्डला चौराहा
फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)
मुद्रक :जैन रत्न सचिन जैन ''निकुंज''
मो. 9058017645

प्रस्तुत पुस्तक में मुद्रित समस्त सामग्री, आवरण पृष्ठ, चित्रादि के सम्बन्ध में प्रकाशक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। इसके किसी भी अंश को पूर्व में बिना लिखित अनुमति के मुद्रित करना या करवाना, कॉपीराइट नियमों का उल्लंघन होगा, जिसका सम्पूर्ण दायित्व उन्हीं का होगा और हर्जे – खर्चे के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे ।

रुपये 100/-

''सम्पादकीय''

आचार्य वसुनंदी मुनि

यदि मार्ग में तीर के निशान, मील के पत्थर या सांकेतिक पट्टिका लगी हो तो पथिक को अपने गंतव्य तक पहुँचने में आसानी हो जाती है। प्रस्तुत कृति 'मीठे प्रवचन' प्रवचनांश भी भव्य जीवों को आत्म कल्याण में, मोक्ष मार्ग में सदैव सहयोगी सिद्ध होगी ।

यदि छोटे बालक को चलते समय माँ की अंगुली पकड़ में आ जाये तो वह बालक बार - बार नही गिरता, वह अंदर से स्वकीय साहस को जाग्रत कर आगे चलने लगता है। प्रस्तुत कृति भी भव्य जीवों के धर्मुराग व वैराग्य के पोषण में माँ की ऊँगली की तरह उपयोगी सिद्ध होगी ।

यदि किसी नाविक को नाव खेते समय मार्ग दर्शन देने वाला तथा प्रकाश देने वाला साथी मिल जाये, एवं हवा का रूख व पानी का बहाव भी उसके अनुकूल मिल जाये तो नाविक शीघ्र नदी के पट को प्राप्त कर लेता है। इसी तरह प्रस्तुत कृति भी भव्य जीवों को भवतीर तक पहुँचाने में वरदान सिद्ध होगी ।

यदि किसी नवोढ़ा बहु को वात्सल्य से पूरित सासु माँ का मार्ग दर्शन और सहयोग मिल जाये तो वह नवोढ़ा बहु कुशल गृहणी (पाचिका) बन सकती है। इसी तरह आत्म हितैषी स्वाध्याय प्रेमियों के लिए प्रस्तुत कृति सासु माँ वत् (उसी प्रकार) कुशल मार्ग दर्शिका सिद्ध होगी ।

प्रस्तुत कृति पहाड़ की चोटी पर चढ़ने वाले के लिए सीढ़ियों की तरह से अमूल्य वरदान स्वरूप है। बिना सीढ़ियों के पहाड़ पर चढ़ना दुःसाहस होता है, दुर्गम मार्ग पर हर एक व्यक्ति नहीं चल पाता उसी प्रकार मोक्षमार्ग में हर वैरागी का समीचीनता से चल पाना कठिन है, गुरुदेव के मार्ग दर्शन रूपी सीढ़ियों से मार्ग व मंजिल सहज साध्य हो जाती है।

ये 'मीठे प्रवचन' भव में भ्रमण करते हुए संसारी जीवों को मार्ग दर्शक की तरह है ये 'मीठ प्रवचन' भव तापों से संतप्त प्राणियों को कल्पवृक्ष की शीतल छाँव की तरह से है ये 'मीठे प्रवचन' जन्म जरा - मृत्यु जैसे महारोगों की परमौषधि रूप है, ये 'मीठे प्रवचन' विषय - कषायों की दलदल में आकण्ठ डूबे व्यक्तियों को निकालने के लिए पनडुब्बी के रूप में है, ये 'मीठे प्रवचन' संसार में पुण्य - पाप रुप कर्मो के फलों को भोगने से क्लांत हुए जीवों को चिर विश्राम हेतु आत्मोत्थान की पगदण्डी स्वरुप है, ये 'मीठे प्रवचन' पाप रूपी दिवाकर की संतृप्तमान रश्मियों से झुलसे हुए व्यक्तियों की शीतल सुधांशु की तरह शीतलता करने वाले है, ये 'मीठे प्रवचन' तन के ज्वर का परिहार करने वाले शीतल मलयागिरि के चंदन के लेप की तरह है, ये 'मीठे प्रवचन' संसार की प्रतिकूलता रूपी बदबू से परेशान पुरुषों के लिए पुष्पवाटिका सम है, ये 'मीठे प्रवचन' चिर काल से क्षुधातुर व्यक्तियों के लिए यथेष्ट मिष्ट स्वादिष्ट दिव्य भोजन की तरह है, ये 'मीठे प्रवचन' ग्रीष्मकालीन तृषा से पीड़ित आकुलता से युक्त शुष्क कंठ वाले प्राणियों के लिए अमृतोपमा दिव्य क्षीर सागर के नीर की तरह है, ये 'मीठे प्रवचन' धर्म मार्ग में चलने वाले प्रारम्भिक पथिक (शिशु) बालक के लिए तीन पहियों की गाड़ी की तरह है, ये 'मीठे प्रवचन' किसी विकलांग या अति वृद्ध व्यक्ति रूपी मोक्ष मार्गी के लिए वैसाखी की तरह है ये 'मीठे प्रवचन' ज्ञान निधि से रहित व संयम रूपी साहस से विहीन व्यक्तियों के आत्म ज्ञान रूपी निधि से युक्त है ये 'मीठे प्रवचन' कायर योद्धाओं रूपी अक्षम मोक्षमार्ग के जिज्ञासुओं के लिए तलवार व ढाल की तरह से है, ये 'मीठे प्रवचन' जिनत्व को निजत्व में प्रकट करने हेतु आत्मा की श्रद्धा को सम्यक् बनाने में प्रशस्त कारण भूत है, ये 'मीठे प्रवचन' धर्म की ज्योति से रहित आत्मोपकारी व परहित में निरत रहने की जिज्ञासा से सहित प्राणियों के लिए दिव्य ज्योति की तरह है ये 'मीठे प्रवचन' तीव्र गति से चलने वाले वाहन की तरह से न पढ़कर चूसने वाली गोली की तरह से चिंतन करते हुए पढ़े तभी यह ज्यादा लाभकारी होंगे । कृतिकार ने अपने मौलिक चिंतन को शब्दों की पोषाक पहना कर हमारे सामने प्रस्तुत किया है। भव्य जीव ही इससे समुचित लाभ उठाने में समर्थ होंगे हमारा ऐसा विश्वास है। प्रस्तुत प्रवचनांश रूपी कृति

का संपादन करने का सौभाग्य गुरु की महाकृपा दृष्टि से मुझ अकिंचन को प्राप्त हुआ है, इसमें जो कुछ भी अच्छाईयाँ है वे पूज्य गुरुदेव जिनदेव जिनाम्बे की हैं, त्रुटियाँ सब मेरी ही मानें तथा आगे संशोधन हेतु सुझाव (आप जैसे सुधी महानुभाव) देकर हमें अनुग्रहीत करें । कृति का स्वाध्याय करते समय गुणग्राही दृष्टि से आद्योपांत पढ़ सुकृति, सदाचारी, संयमी, संतोषी, समता स्वभावी, जिनभक्त, संतोषोपासक, विनयशीलव व विवेकी (हित मार्ग ग्राहव व अहित मार्ग परिहारक) बने, ऐसी मेरी शुभ भावना है। प्रस्तुत ग्रंथ के प्रवचनकर्ता परम पूज्य गुरुदेव एलाचार्य श्री वसुनंदी मुनि महाराज जी के चरणों में सिद्ध, श्रुत व आचार्य भक्ति सहित बारम्बार नमोस्तू - नमोस्तू - नमोस्तू, जिनकी कृपा दृष्टि से हमें ये अमृतबिंदु प्राप्त हुए ।

"सर्वे भवंतु सुखिन"

श्री शुभमिति आसोज सुदी ११ शुक्रवार
वीर नि.सं २५३७, ७ अक्टूबर २०११
श्री दि. जैन मंदिर - इमली फाटक
ज्योति नगर जयपुर (राज.)

गुरुचद चरण चंचरीका
संघनायिका - स्वसंघ प्रवर्तिका
आर्यिका गुरूनंदिनी
ज्योति नगर - जयपुर (राज.)

स्वप्न विचार

स्वप्नमाला :– दिवास्वप्न, चिन्ताओं से उत्पन्न, रोग से उत्पन्न **प्रकृति के विकार से उत्पन्न स्वप्नफल के लिए ग्रहण नहीं करना चाहिए । कर्मोदय से उत्पन्न स्वप्न दो प्रकार के होते हैं – शुभ और अशुभ तथा पूर्व संचित कर्मोदय से उत्पन्न तीन प्रकार के होते हैं। जो सफल या निष्फल भाव भवान्तरों में अभ्यस्त हैं, उनके शुभाशुभ फलदायक भावों को यथार्थ रूप से निरूपण करता हूँ।**

जल, जल से उत्पन्न पदार्थ, धान्य, पत्र सहित कमल, मणि, मोती, प्रवाल आदि को स्वप्न में कफ प्रकृति वाला व्यक्ति देखता है। रक्त – पीत पदार्थ, अग्नि संस्कार से उत्पन्न पदार्थ, स्वर्ण के आभूषण – उपकरण आदि को पित्त प्रकृति वाला व्यक्ति स्वप्न में देखता है।

वायु प्रकृति वाला व्यक्ति गिरना, तैरना, सवारी पर चढ़ना, पर्वत के ऊपर, वृक्ष और प्रासाद पर चढ़ना आदि वस्तुओं को स्वप्न में देखता है। जो सिंह, व्याघ्र, गज,गाय, बैल, घोड़ा और मनुष्यों से युक्त होकर रथ पर चढ़कर गमन करते हुए स्वप्न देखता है, वह राजा होता है।

श्रेष्ठ हाथी पर चढ़कर जो महल या समुद्र में प्रवेश करता है,या स्वप्न में देखता है, वह नीच नृप होता है।

जो स्वप्न में श्वेत हाथी पर चढ़कर नदी या नदी तट पर भात का भोजन करता हुआ देखता है, वह शीघ्र ही राजा होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में प्रासाद,भूमि या सवारी पर आरूढ़ हो सोने या चाँदी के बर्तनों में स्नान भोजन – पान आदि की क्रियाऐं करता हुआ देखे, उसे राज्य की प्राप्ति होती है।

जो राजा स्वप्न में श्वेत वर्ण के मल, मूत्र आदि को इधर – उधर खींचता है वह राज्य और राज्य फल को शीघ्र ही प्राप्त करता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में जहाँ – तहाँ स्थित होकर जीभ को नख से खुरचता हुआ देखे अथवा रक्त लाल वर्ण की दीर्घा – झील में स्थित होता हुआ देखे तो वह व्यक्ति नीच होने पर भी राजा होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में वन – पर्वत – अरण्य युक्त पृथ्वी सहित समुद्र के जल को भुजाओं द्वारा पार करता हुआ देखता है, वह राज्य प्राप्त करता है। जो व्यक्ति स्वप्न में सूर्य या चन्द्रमा का स्पर्श करता हुआ देखता है अथवा शत्रु सेनापति को मारकर श्मशान भूमि में निर्भीक घूमता हुआ देखता है, वह व्यक्ति सौभाग्य और धन प्राप्त करता है। लिंगच्छेद होना देखने से पुरुष को स्त्री की प्राप्ति तथा भगच्छेद होना देखने से स्त्री को पुरुष की प्राप्ति होती है।

जो राजा स्वप्न में सिर कटा हुआ देखता है, अथवा तलवार के द्वारा छेदित होता हुआ देखता है, वह सहस्रों का लाभ तथा प्रचुर भोग प्राप्त करता है।

जो राजा स्वप्न में धनुष पर वाण चढ़ना, धनुष का स्फालन करना, प्रत्पंचा को समेटना आदि देखता है, वह अर्थलाभ करता है, युद्ध में जय और शत्रु का बध होता है।

जो स्वप्न में शुक्ल वस्त्र और श्रेष्ठ आभूषणों से अलंकृत होकर हाथी पर चढ़ा हुआ – भयभीत देखता है, वह समृद्धि को प्राप्त होता है। स्वप्न में सन्तोष के साथ देव, साधु, ब्राह्मणों को और प्रेतों को देखने पर विपरीत फल होता है अर्थात स्वप्न में उक्त देव – साधु आदि का क्रोधित होना देखने से विपरीत फल होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में ग्रहद्वार या गृह को विवर्ण देखे या पहिचाने वह शीघ्र ही विपत्ति से छुटकारा प्राप्त करता है।

यदि स्वप्न में शर्बत या जल को पीता हुआ देखे अथवा किसी बँधे हुए व्यक्ति को छोड़ता हुआ देखे, तो इस स्वप्न का फल ब्राह्मण के लिए शुभ और शिष्यो के लिए धनवृद्धिकर होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में नीचे कुएँ के जल को, छिद्र की ओर भयभीत होकर स्थल पर चढ़ता हुआ देखता है,वह धन – धान्य और बुद्धि के द्वारा बृद्धि को प्राप्त होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में शमशान मे सूखे वृक्ष, लता एवं सूखी लकड़ी को देखता है अथवा यज्ञ के खूँटे पर जो अपने को चढ़ता हुआ देखता है, वह विपत्ति को प्राप्त होता है।

जो व्यक्ति स्वप्न में शीशा, राँगा, जस्ता, पीतल, रज्जू,सिक्का तथा मधु का दान

करता हुआ देखता है, उसका मरण निश्चय होता है।
जिस स्वप्न में असमय के फल - फूल या समय पर होने वाले निन्दित फल - फूलों को जिसको देते हुए देखा जाये, वह स्वप्न आयास लक्षण माना जाता है।
स्वप्न में जिस घर में लाक्षारस या रोग अथवा वायु का अभाव देखा जाये, उस घर में या तो आग लगती है या चोरों द्वारा शस्त्रघात होता है।
जो स्वप्न में अलंकार करके, रस पीकर अगम्या गमन - जो स्त्री पूज्य है, उसके साथ रमण करना - देखता है, उसके सौभाग्य की वृद्धि होती है।
स्वप्न में जो वीणा, बल्लकी और विष को ग्रहण करे, पश्चात् जाग्रत हो जाये, तो उसकी स्त्री को सुन्दर रूप गुण युक्त कन्या की प्राप्ति होती है।
जो व्यक्ति स्वप्न में विष भक्षण द्वारा मृत्यु को प्राप्त हो अथवा विष भक्षण करना देखे वह धन - धान्य से युक्त होता है, तथा चिरकाल तक - अधिक समय तक वह किसी प्रकार के बन्धन में बँधा नहीं रहता है।
यदि स्वप्न में कोई व्यक्ति आसव और घृत का पान करता हुआ देखे, अथवा अकिंचन - निस्सहाय होकर अपने को मरता हुआ देखे, तो इस अशुभ स्वप्न की शान्ति के लिए सत्य, वचन बोलना चाहिए, क्योंकि थोड़ा भी असत्य भाषण विकास के लिए हितकारी नहीं होता ।
जो स्वप्न में प्रेतयुद्ध, गर्दभयुक्त रथ में आरूढ़ दक्षिण दिशा की ओर जाता हुआ देखता है, वह मनुष्य शीघ्र की मरण को प्राप्त हो जाता है।
यदि रात्रि के उत्तरार्ध में स्वप्न में कोई शूकर युक्त नारी, किसी की बँधी हुई गर्दन को खींचे तो उसकी किसी पहाड़ पर मृत्यु होती है।
स्वप्न में कोई व्यक्ति खर - गर्दभ, शूकर, ऊँट, भेड़िया सहित रथ से दक्षिण दिशा को जाये तो शीघ्र उस व्यक्ति का मरण होता है।
स्वप्न में यदि कृष्णावास होने पर भी प्रवास को प्राप्त न हो, तो मार्ग में भय प्राप्त होता है, तथा दक्षिण दिशा की ओर गमन दिखलाई पड़े तो मृत्यु भी हो जाती है।
जो व्यक्ति रात्रि के पिछले भाग में स्वप्न में दर्वासा, कृष्ण भस्म, तैल पान

करना आदि देखे, तो उसका कल्याण नहीं होता है।
स्वप्न में अभक्ष्य - भक्षण करना, पूज्य व्यक्तियों का दर्शन करना, सामयिक पुष्प और फलों का दर्शन करना धन प्राप्ति के लिए होता है।
जो व्यक्ति श्रेष्ठ महल के परकोटे पर चढ़ता हुआ देखे, वह श्रेष्ठ लक्ष्मी का त्याग करता है, भयंकर कष्ट उठाता है।
स्वप्न में कच्चा मांस का दर्शन, ग्रहण, भग्न तथा शयन, आसन करना हितकर और प्रशस्त माना गया है।
स्वप्न में पक्व मांस का दर्शन, ग्रहण और भक्षण व्याधि, भय और कष्टोत्पादक माना गया है, ऐसा भद्रबाहु स्वामी का वचन है।
स्वप्न में वमन करते देखने से मरण, विरेचन - दस्त लगना देखने से धन नाश, यान आदि के छत्र को ग्रहण करने से धन - धान्य का अभाव होता है। उसका धन नाश निश्चित होता है, अथवा वह मृत्यु का निर्देश करता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में गाना, नाचना और पढ़ना देखता है, उसे गाना देखने में रोना पड़ता है, और नाचना देखने से वध - बन्धन होता है। हँसना देखने से शोक, पढ़ना देखने से कलह, बन्धन देखने से स्थान प्राप्ति और छूटना देखने से देशान्तर गमन होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में तालाब, नदी, वृक्ष, पर्वत, कलश और गृहों को शोकार्त देखता है उसका शोक बढ़ता है।
शोकयुक्त व्यक्ति यदि स्वप्न में मरुस्थल, वृक्षरहित वन एवं जलरहित नदी को देखता है तो उसके लिए ये स्वप्न शुभ फलप्रद होते हैं।
स्वप्न में जो कोई किसी को आसन, शय्या, सवारी, घर, वस्त्र, आभूषण, दान करता हुआ देखता है, तो वह सुखी होता है, लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
अलंकृत पदार्थ, श्वेत हाथी, घोड़े, बैल आदि का स्वप्न में दर्शन करने से यश की प्राप्ति होती है। पताका, तलवार, लाठी, अथवा सीप, मोती, सोना, दीपक आदि को जो भी स्वप्न में प्राप्त करना चाहता है, वह धन प्राप्त करता है।
जो स्वप्न में पेशाब या खून सहित मल करना देखता है, और स्वप्न देखने के

बाद जी जग जाता है, वह धननाश को प्राप्त होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में साँप, बिच्छू या अन्य कीड़ों द्वारा काटे जाने पर भयभीत नहीं होता और शोक नहीं करता हुआ देखता है, वह धन प्राप्त करता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में बिना घृणा के मल, वमन, मूत्र, वीर्य, रक्त आदि का भक्षण करता हुआ देखता है, वह शोक से छूट जाता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में कालागुरु, चन्दन, रोध्र - तगरकी घिसने से सुगन्धि के कारण प्रशंसा करता है तथा उनका लेप करना और पीसना देखता है, उसके धन की वृद्धि होती है।
स्वप्न में रक्तकमल और नीलकमलों का दर्शन, ग्रहण और त्रोटन - तोड़ना देखने से प्रयाण होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में काले वस्त्र धारण कर काले घोड़े पर सवार होकर खिन्न हो दखिण दिशा की ओर गमन करता है, वह निश्चय से मृत्यु को प्राप्त होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में पुष्पित शाल्मली, केला और देवदारु या नीम के वृक्ष पर बैठना या चढ़ना देखता है, उसे सम्पत्ति प्राप्त होती है।
भयंकर, विकृत रूपवाली, काली स्त्री यदि स्वप्न में उत्तर या दखिण दिशा की ओर खींचे तो, शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त होता है।
जटाधारी, सिरमुण्डित, विरूपाकृति वाली, मलिन एवं मलिन वस्त्र वाली स्त्री को स्वप्न में ग्लानिपूर्वक देखना सामूहित भय का सूचक है।
तपस्वी पुण्डरीक तथा विकल भिक्षु को स्वप्न में देखकर जो जाग जाता है, उसे ग्लानि फल की प्राप्ति होती है।
जो व्यक्ति भूमि पर विकीर्ण - फैल जाना और जल में नाश को प्राप्त हो जाना देखता है, उस व्यक्ति को महान भय होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में अपने शरीर पर लता, गुल्म, वृक्ष, वाल्मीक - बाँबी आदि का होना देखता है, उसके शरीर का विनाश होता है।
स्वप्न में जो व्यक्ति अपने मस्तक पर माला, बाँस, गुल्म, खर्जूर अथवा हरे वृक्षों को उपजते देखता है, उसकी एक सप्ताह में मृत्यु होती है।

यदि हृदय में उक्त वृक्षादिकों का उत्पन्न होना स्वप्न में देखे तो हृदय रोग से उसका विनाश होता है, जिस अंग में उक्त वृक्षादिकों का उत्पन्न होना स्वप्न में दिखलाई पड़ता है, उसी अंग की बीमारी विनष्ट होती है। स्वप्न में लाल माला या लाल सूत्र के द्वारा अंग बांधा जाय, उसी अंग में क्लेश होता है।
जब स्वप्न में कोई मकर या घड़ियाल मनुष्य को खींचता हुआ - सा दिखाई पड़े तो, जो व्यक्ति कारागार आदि मे बद्ध है या मुकदमें फँसा है, उसकी मुक्ति होती है - छूट जाता है।
स्वप्न में यदि किसी व्यक्ति को पीले या लाल फल - फूलों को देता दिखलाई पड़े, तो उसे सोना, चाँदी का लाभ निः सन्देह होता है।
श्वेत माँस, श्वेत आसन, श्वेत सवारी, श्वेत माला का धारण करना तथा अन्य श्वेत द्रव्यों का दर्शन स्वप्न में शुभ होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में श्रेष्ठ बैलों के रथ पर चढ़कर पूर्व या उत्तर की ओर गमन करता हुआ देखता है, वह धन प्राप्त करता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में सिर पर पर्वत, घर, खण्डहर तथा दीप्तिमान् पदार्थो को देखता है, वह स्वस्थ होकर पृथ्वी का उपभोग करता है।
जो स्वप्न में मृत्तिका के हाथी पर सवार होकर सुख से समुद्र को पार करता हुआ देखे तथा उसी स्थिति में जाग जाए तो, वह शीघ्र ही पृथ्वी का स्वामी होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में श्वेत भवनों को तथा पुष्प, फल और शाखाओं से युक्त वृक्षों को देखता है, तो उसकी चेष्टाएँ सफल होती हैं।
जो स्वप्न में शुक्ल और हरे वृक्षों से वेष्टित होकर अपने को देखता है, तथा उसी समय जाग जाता है अथवा अग्नि द्वारा जलता हुआ अपने को देखता है, वह बध्यमान होते हुए भी छोड़ दिया जाता है।
स्वप्न में दूध, तेल, घी का दर्शन शुभ है, भोजन नहीं । विशेष रूप से दूध का दर्शन शुभ माना गया है।
स्वप्न में जिस व्यक्ति की गोद सुन्दर धान्य, फल, पुष्प से भर दी जाय, वह

बहुत धन प्राप्त करता है।
यदि स्वप्न में सुन्दर रूपयुक्त कन्या या आर्या दिखलाई पड़े,तो सुन्दर स्त्री क प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति स्वप्न में शस्त्रों द्वारा शत्रुओं को परास्त कर पृथ्वी और पर्वतों को अपने अधीन कर लेना देखता है अथवा जो शुभ पर्वतों पर अपने को आरोहण करता हुआ देखता है, वह राज्याभिषेक को प्राप्त होता है।
यदि स्वप्न में स्त्री अपने को पुरुष होना पुरुष स्त्री होना देखे तो शीघ्र कुटुम्ब के बन्धन में बंधते हैं।
जो व्यक्ति स्वप्न में रुधिर से अभिषिक्त होकर विवाह करता हुआ देखता है, वह व्यक्ति चिरकाल तक धन - धान्य सम्पदा से युक्त नहीं होता ।
यदि स्वप्न में जिव्हा को शस्त्र से छेदन करता हुआ दिखलाई पड़े तो क्षत्रियों को राज्य की प्राप्ति और अन्य वर्ण वालों को अभ्युदय होता है।
पाप - स्वप्नों की शान्ति के लिए देव, साधुजन बन्धु और द्विजातियों का पूजन और सत्कर्म तथा उपवास करना चाहिए ।
उपर्युक्त यथा अनुसार प्रतिपादित स्वप्न मनुष्यों को प्रायः फल देने वाले हैं, अवशेष स्वप्नों को निमित्त और स्वभावानुसार समझ लेना चाहिए।
जो पवित्रात्मा स्वयं इस स्वप्नाध्याय का अध्ययन करता है, वह राजाओं के द्वारा पूज्य होता है तथा पुण्य प्राप्त करता है।
विवेचन :- स्वप्नशास्त्र में प्रधानतया निम्नलिखित सात प्रकार के स्वप्न बताये गये हैं जो निम्नलिखित है। :-
दृष्टि :- जो कुछ जागृत अवस्था में देखा हो, उसी को स्वप्नावस्था में देखा जाए
श्रुत :- सोने के पहले कभी किसी से सुना हो, उसी को स्वप्नावस्था में देखें
अनुभूत :- जो जागृत अवस्था में किसी भाँति अनुभव किया हो, उसी को स्वप्न में देखें ।
प्रार्थित :- जिसकी जागृतवस्था में प्रार्थना - इच्छा की हो, उसी को स्वप्न में देखें ।

कल्पित :- जिसकी जागृतावस्था में कभी भी कल्पना की गयी हो, उसी को **स्वप्न में देखें ।**

भाविक :- जो कभी न तो देखा गया हो और न सुना गया हो, पर जो भविष्य में घटित होने वाला हो उसे स्वप्न में देखा जाए ।

दोषज :- वात, पित्त और कफ के विकृत हो जाने से जो स्वप्न देखा जाय । इन सात प्रकार के स्वप्नों में से पहले पाँच प्रकार के स्वप्न प्रायः निष्फल होते हैं, वस्तुतः भाविक स्वप्न का फल ही सत्य होता है। रात्रि के प्रहर के अनुसार स्वप्न का फल - रात्रि के पहले प्रहर में देखें गये स्वप्न एक वर्ष में, दूसरे प्रहर में देखे गये स्वप्न आठ महीने में (चन्द्रसेन मुनि के मत से ७ महीने में),तीसरे प्रहर में देखे गये स्वप्न तीन महीने में, चौथे प्रहर में देखे गये स्वप्न एक महीने में (वराहमिहिर के मत से १६ दिन में), ब्रह्म मुहूर्त (ऊषाकाल) में देखे गये स्वप्न दस दिन में और प्रातः काल सूर्योदय से कुछ पूर्व देखे गये स्वप्न अतिशीघ्र फल देते हैं। जब जैनाजैन ज्योतिषशास्त्र के आधार पर कुछ स्वप्नों का फल उद्धत किया जाता है।

अगुरू :- जैनाचार्य भद्रवाहु के मत से - काले रंग का अगुरुदेखने से निःसन्देह अर्थ लाभ होता है। जैनाचार्य चन्द्र सेन मुनि के मत से, सुख मिलता है। वराहमिहिर के मत से, धनलाभ के साथ स्त्रीलाभ भी होता है। वृहस्पति के मत से - इष्ट मित्रों के दर्शन और आचार्य मयूख एवं देवज्ञवर्य गणपति के मति से अर्थलाभ के लिए विदेश - गमन होता है।

अग्नि :- जैनाचार्य चन्द्रसेन मुनि के मत से धूमयुक्त अग्नि देखने से उत्तम कान्ति, वराहमिहिर और मार्कण्डेय के मत से प्रज्वलित अग्नि देखने से कार्यसिद्धि, देवज्ञ गणपति के मत से अग्नि भक्षण करना देखने से भूमिलाभ के साथ स्त्री रत्न की प्राप्ति और बृहस्पति के मत से जाज्वल्यमान अग्नि देखने से कल्याण होता है।

अग्नि - दग्ध :- जो मनुष्य आसन, शय्या, यान और वाहन पर स्वयं स्थित होकर अपने शरीर को अग्नि दग्ध होते हुए देखे तो, मतान्तर से अन्य को

जलता हुआ देखे और तत्क्षण जाग उठे, तो उसे धन - धान्य की प्राप्ति होती है। अग्नि में जलकर मृत्यु देखने से रोगी पुरुष की मृत्यु और स्वस्थ पुरुष बीमार पड़ता है। गृह अथवा दूसरी वस्तु को जलते हुए देखना शुभ है। वराहमिहिर के मत से अग्निलाभ भी शुभ है।

अन्न :- अन्न देखने से अर्थ - लाभ और सन्तान की प्राप्ति होती है। आचार्य चन्द्रसेन के मत से श्वेत अन्न देखने से इष्ट मित्रों की प्राप्ति, लाल अन्न देखने से रोग, पीला अनाज देखने से हर्ष और कृष्ण अन्न देखने से मृत्यु होती है।

अलंकार :- अलंकार देखना शुभ है, परन्तु पहनना कष्टप्रद होता है।

अस्त्र :- अस्त्र देखना शुभ फलप्रद, अस्त्र द्वारा शरीर में साधारण चोट लगना तथा अस्त्र लेकर दूसरे का सामना करना विजयप्रद होता है।

अनुलेपन :- श्वेत रंग की वस्तुओं का अनुलेपन शुभ फल देने वाला होता है। वराहमिहिर के मत से लाल रंग के गन्ध, चन्दन तथा पुष्पमाला आदि के द्वारा अपने को शोभायमान देखे तो शीघ्र मृत्यु होती है।

अन्धकार :- अन्धकारमय स्थानों में अर्थात् वन, भूमि, गुफा, सुरंग आदि स्थानों में प्रवेश होते हुए देखना रोगसूचक है।

आकाश :- भद्रबाहु के मत से निर्मल आकाश देखना शुभ फलप्रद, लाल वर्ण की आभा वाला प्रकाश देखना कष्टप्रद और नील वर्ण का आकाश देखना मनोरथ सिद्ध करने वाला होता है।

आरोहण :- वृष, गाय, हाथी, मन्दिर, वृक्ष, प्रासाद और पर्वत पर स्वयं आरोहण करते हुए देखना या दूसरे को आरोहित देखना अर्थ - लाभ सूचक है।

कपास :- कपास देखने से स्वस्थ व्यक्ति रुग्ण होता है और रोगी की मृत्यु होती है। दूसरे को देते हुए कपास देखना लाभप्रद है।

कबन्ध :- नाचते हुए छिन्न कबन्ध देखने से आधि, व्याधि और धन का नाश होता है। वराहमिहिर के मत से मृत्यु होती है।

कलश :- कलश देखने से धन, आरोग्य और पुत्र की प्राप्ति होती है। कलशी

देखने से गृह में कन्या उत्पन्न होती है।

कलह :- कलह एवं लड़ाई - झगड़े देखने से स्वस्थ व्यक्ति रुग्ण होता है और रोगी की मृत्यु होती है।

काक :- स्वप्न में काक, गिद्ध, उल्लू और कुक्कुर जिसे चारों ओर से घेर कर त्रास उत्पन्न करें तो मृत्यु और अन्य को त्रास उत्पन्न करते हुए देखे तो अन्य की मृत्यु होती है।

कुमारी :- कुमारी कन्या को देखने से अर्थलाभ एवं सन्तान क प्राप्ति होती है। वराहमिहिर के मत से कुमारी कन्या के साथ अलिंगन करना देखने से कष्ट एवं धनक्षय होता है।

कूप :- गन्दे जल या पंक वाले कूप के अन्दर गिरना या डूबना देखने से स्वस्थ व्यक्ति रोगी और रोगी की मृत्यु होती है। तालाब या नदी में प्रवेश करना देखने से रोगी को मरण तुल्य कष्ट होता है।

क्षौर :- नाई के द्वारा स्वयं अपनी या दूसरे की हजामत करते देखने से कष्ट के साथ - साथ धन और पुत्र का नाश होता हैं, गणपति दैवज्ञ के मत से माता - पिता की मृत्यु, मार्कण्डेय के मत से भार्यामरण के साथ माता - पिता की मृत्यु और बृहस्पति के मत से पुत्र मरण होता है।

खेल :- अत्यन्त आनन्द के साथ खेल खेलते हुए दुस्वप्न है। इसका फल बृहस्पति के भत से रोना, शोक करना एवं पश्चाताप करना ब्राह्मवैवर्त पुराण के मत से धन - नाश, ज्येष्ठ पुत्र या कन्या का मरण और भार्या को कष्ट होता है। नारद के मत से सन्तान - नाश और पाराशर के मत से धन - क्षय के साथ अपकीर्ति होती है।

गमन :- दक्षिण दिशा की ओर गमन करना देखने से धन - नाश के साथ कष्ट, पश्चिम दिशा की ओर गमन करना देखने से अपमान, उत्तर दिशा की ओर गमन करना देखने से स्वास्थ्य - लाभ और पूर्व दिशा की ओर गमन करना देखने से धन - प्राप्ति होती है।

गर्त :- उच्च स्थान से अन्धकारमय गर्त में गिर जाना देखने से रोगी की मृत्यु

और स्वस्थ पुरुष रुग्ण होता है। यदि स्वप्न में गर्त में गिर जाय और उठने की प्रयत्न करने पर भी बाहर न आ सके तो उसकी दस दिन में मृत्यु होती है।

गाड़ी :- गाय या बैलों के द्वारा खींची जाने वाली गाड़ी पर बैठे हुए देखने से पृथ्वी के नीचे से चिर संचित धन की प्राप्ति होती है। वराहमिहिर के मत से - पीताम्बर धारण किये स्त्री को एक ही स्थान पर कई दिनों तक देखने से उस स्थान पर धन मिलता है। बृहस्पति के मत से स्वप्न में दाहिने हाथ में साँप को काटता हुआ देखने से लक्ष रुपये की प्राप्ति अति शीघ्र होती है।

गाना :- स्वयं को गाता हुआ देखने से कष्ट होता है। भद्रबाहु स्वामी के मत से स्वयं या दूसरे को मधुर गाना गाते हुए देखने से मुकदमा में विजय, व्यापार में लाभ और यश - प्राप्ति, ब्रहस्पति के मत से अर्थ - लाभ के साथ एवं मार्कण्डेय के मत के अपार कष्ट होता है।

गाय :- दुहने वाले के साथ गाय को देखने से कीर्ति और पुण्य लाभ होता है। गणपति दैवज्ञ के मत से जल पीती गाय देखने से लक्ष्मी के तुल्य गुण वाली कन्या का जन्म और वराहमिहिर के मत से - स्वप्न में गाय का दर्शन मात्र ही सन्तानोत्पादक है।

गिरना :- स्वप्न में लड़खड़ाते हुए गिरना देखने से दुःख चिन्ता एवं मृत्यु होती है।

घास :- कच्चा घास, शस्य (धान), कच्चे गेहूँ एवं चने के पौधे देखने से भार्या को गर्भ रहता है। परन्तु इनके काटने या खाने से गर्भपात होता है।

घृत :- घृत देखने से मन्दाग्नि, अन्य से लेना देखने से यश - प्राप्ति, घृत - पान करना देखने से प्रमेह और शरीर में लगाना देखने से मानसिक चिन्ताओं के साथ शारीरिक कष्ट होता है।

घोटक :- घोड़ा देखने से अर्थ - लाभ, घोड़ा पर चढ़ना देखने से कुटुम्ब - वृद्धि और घोड़ी का प्रसव करना देखने से सन्तान लाभ होता है।

चक्षु :- स्वप्न में अकस्मात चक्षुद्वय का नष्ट होना देखने से मृत्यु और आँख का फूट जाना देखने से कुटुम्ब में किसी की मृत्यु होती है।

चादर :- स्वप्न में शरीर की चादर, चोंगा या कमीज आदि को श्वेत और लाल रंग की देखने से सन्तान हानि होती है।

चिता :- अपने को चिता पर आरूढ़ देखने से बीमार व्यक्ति की मृत्यु होती है और स्वस्थ व्यक्ति बीमार होता है।

जल :- स्वप्न में निर्मल जल देखने से कल्याण, जल द्वारा अभिषेक देखने से भूमि की प्राप्ति, जल में डूबकर विलग होना देखने से मृत्यु, जल को तैरकर पार करना देखने से सुख और जल पीना देखने से कष्ट होता है।

जूता :- स्वप्न में जूता देखने से विदेश यात्रा, जूता प्राप्त कर उपभोग करना देखने से ज्वर, एवं जूता से मार - पीट करना देखने से मृत्यु तुल्य कष्ट होता है।

तिल - तेल :- तिल - तेल और खली की प्राप्ति देखने से मृत्यु तुल्य कष्ट, पीना और भक्षण करना देखने से मृत्यु, मालिश करना देखने से मृत्यु तुल्य कष्ट होता है।

दधि - स्वप्न :- में दही देखने से प्रीति, भक्षण करना देखने से यश - प्राप्ति, भात के साथ भक्षण करना देखने से सन्तान लाभ और दूसरों को देना - लेना देखने से अर्थलाभ होना है।

दाँत :- दाँत कमजोर हो गये है और गिरने के लिए तैयार हो गये है, या गिर रहे हैं ऐसा देखने से धन का नाश और शारीरिक कष्ट होता है। वराहमिहिर के मत से स्वप्न में नख, दाँत और केशों का गिरना देखना मृत्युसूचक है।

दीपक :- स्वप्न में दीपक जला हुआ देखने से अर्थलाभ, अकस्मात् निर्वाण प्राप्त हुआ देखने से मृत्यु और उर्ध्व लौ देखने से यश की प्राप्ति होती है।

देव - प्रतिमा :- स्वप्न में इष्ट देव का दर्शन, पूजन और आह्वान करना देखने से विपुल धन की प्राप्ति के साथ परम्परा से मोक्ष मिलता है। स्वप्न में प्रतिमा का कम्पित होना, गिरना, हिलना, चलना, नाचना और गाते हुए देखने से आधिव्याधि और मृत्यु होती है।

नग्न :- स्वप्न में नग्न होकर मस्तक पर लाल रंग की पुष्पमाला धारण करना

देखने से मृत्यु होती है।

नृत्य :- स्वप्न में स्वयं का नृत्य करना देखने से रोग और दूसरों को नृत्य करता हुआ देखने से अपमान होता है। वराहमिहिर के मत से - नृत्य का किसी भी रूप में देखना अशुभसूचक है।

पक्वान्न :- स्वप्न में पक्वान्न कहीं से प्राप्त कर भक्षण करता हुआ देखे, तो रोगी की मृत्यु होती है। और स्वस्थ व्यक्ति बीमार होता है। स्वप्न में पूड़ी, कचौरी, मालपुआ और मिष्ठान खाना देखने से शीघ्र ही मृत्यु होती है।

फल :- स्वप्न में फल देखने से धन की प्राप्ति, फल खाना देखने से रोग एवं सन्तान नाश, और फल का अपहरण करना देखने से चोरी एवं मृत्यु आदि अनिष्ट फलों की प्राप्ति होती है।

फूल :- स्वप्न में श्वेत पुष्पों का प्राप्त होना देखने से धन - लाभ, रक्तवर्ण के पुष्पों का प्राप्त होना देखने से रोग, पीतवर्ण के पुष्पों का प्राप्त होना देखने से यश एवं धन - लाभ, हरितवर्ण के पुष्पों का प्राप्त होना देखने से इष्ट - मित्रों का मिलना और कृष्ण वर्ण के पुष्प देखने से मृत्यु होती है।

भूकम्प :- भूकम्प होना देखने से रोगी की मृत्यु और स्वस्थ व्यक्ति रुग्ण होता है। चन्द्रसेन मुनि के मत से, स्वप्न में भूकम्प देखने से राजा का मरण होता है। भद्रबाहू स्वामी के मत से, स्वप्न में भूकम्प देखने से राज्य विनाश के साथ - साथ देश में बड़ा भारी उपद्रव होता है।

मल - मूत्र :- स्वप्न में मल - मूत्र का शरीर में लग जाना देखने से धन - प्राप्ति, भक्षण करना देखने से सुख और स्पर्श करना देखने से सम्मान मिलता है।

यव :- स्वप्न में जौ देखने से घर में पूजा और अन्य मांगलिक कार्य होते हैं।

मृत्यु :- स्वप्न में किसी की मृत्यु देखने से शुभ होता है और जिसकी मृत्यु देखते है वह दीर्घजीवी होता है। परन्तु अन्य दुःखद घटनाएँ सुनने को मिलती हैं।

युद्ध :- स्वप्न में युद्ध विजय देखने से शुभ, पराजय देखने से अशुभ और युद्ध

सम्बन्ध वस्तुओं को देखने से चिन्ता होती है।

रूधिर :- स्वप्न में शरीर में से रुधिर निकलता देखने से धन - धान्य की प्राप्ति रुधिर से अभिषेक करता हुआ देखने से सुख स्नान देखने से अर्थ - लाभ और रुधिर पान देखने से विद्या - लाभ एवं अर्थ - लाभ होता है।

लोहा :- स्वप्न में लोहा देखने से अनिष्ट और लोहा या लोहे से निर्मित वस्तुओं के प्राप्त करने से आधि - व्याधि और मृत्यु होती है।

लता :- स्वप्न में कण्टवाली लता देखने से गुल्म रोग, साधारण फल - फूल सहित लता देखने से नृपदर्शन और लता के क्रीड़ा करने से रोग होता है।

वमन :- स्वप्न में वमन और दस्त होना देखने से रोगी की मृत्यु, मल - मूत्र और सोना - चाँदी का वमन करना देखने से निकट मृत्यु, रुधिर वमन करना देखने से छः मास आयु शेष और दूध वमन करना देखने से पुत्र - प्राप्ति होती है।

विवाह :- स्वप्न में अन्य के विवाह या विवाहोत्वस में योग देना देखने से पीड़ा, दुःख या किसी आत्मीय जन की मृत्यु और अपना विवाह देखने से मृत्यु या मृत्यु - तुल्य पीड़ा होती है।

वीणा :- स्वप्न में अपने द्वारा वीणा बजाना देखने से पुत्र - प्राप्ति, दूसरों के द्वारा वीणा बाजाना देखने से मृत्यु या मृत्यु तुल्य पीड़ा होती है।

श्रंग :- स्वप्न में श्रंग और नखवाले पशुओं को मारने के लिए दौड़ना देखने से राज्य भय और मारते हुए देखने से रोगी होता है।

स्त्री :- स्वप्न में श्वेत वस्त्र परिहिता, हाथों में श्वेत पुष्प या माला धारण करने वाली एवं सुन्दर आभूषणों से सुशोभित स्त्री के देखने तथा आलिंगन करने से धन प्राप्ति, रोग मुक्ति होती है। परस्त्रियों का लाभ होना अथवा आलिंगन करना देखने से शुभ फल प्राप्त होता है। पीतवस्त्र परिहिता, पीत पुष्प या पीत माला धारण करने वाली स्त्री को स्वप्न में देखने से कल्याण, समवस्त्र परिहिता, मुक्तकेशी और कृष्ण वर्ण वाली पापिनी आचारविहीना लम्बकेशी लम्बे स्तन वाली और मैले वस्त्र परिहिता स्त्री का दर्शन और आलिंगन करना देखने से

शीघ्र मृत्यु होती है।

तिथियों के अनुसार स्वप्न का फल :-

शुक्लपक्ष की प्रतिपदा :- इस तिथि में स्पप्न देखने पर विलम्ब से फल मिलता है।

शुक्लपक्ष की द्वितीया :- इस तिथि में स्वप्न देखने पर विपरीत फल होता है। अपने लिए देखने से दूसरों को और दूसरों के लिए देखने से अपने को फल मिलता है।

शुक्लपक्ष की तृतीया :- इस तिथि में भी स्वप्न देखने से विपरीत फल मिलता है। पर फल की प्राप्ति विलम्व से होती है।

शुक्लपक्ष की चतुर्थी और पंचमी :- इन तिथियों में स्वप्न देखने से दो महीने से लेकर दो वर्ष तक के भीतर फल मिलता है।

शुक्लपक्ष की षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी और दशमी :- इन तिथियों में स्वप्न देखने से शीघ्र ही फल की प्राप्ति होती है तथा स्वप्न सत्य निकलता है।

शुक्लपक्ष की एकादशी और द्वादशी :- इन तिथियों में स्वप्न देखने से विलम्ब से फल होता है।

शुक्लपक्ष की त्रयोदशी और चतुदर्शी :- इन तिथियों में स्वप्न देखने से स्वप्न का फल नहीं मिलता है तथा स्वप्न मिथ्या होता है।

पूर्णिमा :- इस तिथि के स्वप्न का फल अवश्य मिलता है।

कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा - इस तिथि के स्वप्न का फल नहीं मिलता है।

कृष्ण पक्ष द्वितिया :- इस तिथि के स्वप्न का फल विलम्ब से मिलता है।

कृष्ण पक्ष की तृतीया और चतुर्थी :- इन तिथियों के स्वप्न मिथ्या होते हैं।

कृष्ण पक्ष की पंचमी और षष्ठी :- इन तिथियों के स्वप्न दो महीने के बाद और तीन वर्ष के भीतर फल देने वाले होते हैं।

कृष्ण पक्ष की सप्तमी :- इस तिथि का स्वप्न अवश्य ही फल देता है। कृष्णपक्ष की अष्टमी और नवमी - इन तिथियों के स्वप्न विपरीत फल देने वाले होते हैं। कृष्णपक्ष की दशमी, एकादशी, द्वादशी और त्रयोदशी - इन तिथियों के स्वप्न मिथ्या होते हैं।

कृष्णपक्ष की चतुर्दशी :- इस तिथि का स्वप्न सत्य होता है तथा शीघ्र फल देता

है।

अमावस्या :- इस तिथि का स्वप्न मिथ्या होता है।

धन प्राप्ति सूचक फल :- स्वप्न में हाथी, घोड़ा, बैल, सिंह के ऊपर बैठकर गमन करता हुआ देखे तो शीघ्र ही धन मिलता है। पहाड़, नगर, ग्राम, नदी और समुद्र के देखने से भी अतुल लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। तलवार, धनुष और बन्दूक आदि से शत्रुओं को ध्वंस करता हुआ देखने से अपार धन मिलता है। स्वप्न में हाथी, घोड़ा, बैल, पहाड़, वृक्ष और गृह पर आरोहण करता हुआ, स्वप्न देखने से भूमि के नीचे से धन मिलता है। स्वप्न में नख और रोम से रहित शरीर के देखने से, लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। स्वप्न में दही, चन्दन, देव - पूजन, वीणा और अस्त्र देखने से शीघ्र ही अर्थ - लाभ होता है। यदि स्वप्न में चिड़ियों के पर पकड़ कर उड़ता हुआ देखे तथा आकाश मार्ग में देवताओं की दुन्दुभि की आवाज सुने तो पृथ्वी के नीचे से शीघ्र धन मिलता है।

सन्तानोत्पादक स्वप्न :- स्वप्न में वृषभ, कलश, माला, गन्ध, चन्दन, श्वेत पुष्प, आम, अमरूद, केला, सन्तरा,नीबू और नारियल इनकी प्राप्ति होने से तथा देवमूर्ति, हाथी, सप्तुरुष, सिद्ध, गन्धर्व, गुरु, स्वर्ण, रत्न,जौ, गेंहूँ, सरसों, कन्या, रक्तपान करना, अपनी मृत्यु देखना, केला, कल्पवृक्ष, तीर्थ, तोरण, भूषण, राज्यमार्ग और मट्ठा देखने से शीघ्र ही सन्तान की प्राप्ति होती है। किन्तु फल और पुष्पों का भक्षण करना देखने से सन्तान मरण अथवा गर्भपात होता है।

मरण सूचक स्वप्न :- स्वप्न में तैल मले हुए, नग्न होकर, भैंस, गधे, ऊँट, कृष्ण बैल और काले घोड़े पर चढ़कर दक्षिण दिशा की ओर गमन करना देखने से, रसोई घर में, लाल पुष्पों से परिपूर्ण वन में और सूतिका गृह में अंग - भंग पुरुष का प्रवेश करना देखने से, झूलना,गाना, खेलना, फोड़ना, हँसना, नदी के जल में नीचे चले जाना तथा सूर्य, चन्द्रमा, ध्वजा और ताराओं का गिरना देखने से, भस्म, घी, लोह, लाख, गीदढ़, मुर्गा, बिलाव, गोह, न्योला, बिच्छू, मक्खी, सर्प और विवाह आदि उत्सव देखने से एवं स्वप्न में दाढ़ी, मूँछ और सिर के बाल मुँड़वाना देखने से मृत्यु होती है।

पाश्चात्य विद्वानों के मतानुसार स्वप्नों के फल :- यो तों पाश्चात्य विद्वानों ने

अधिकांश रूप से स्वप्नों को निस्सार बताया है। पर कुछ ऐसे भी दार्शनिक हैं, जो स्वप्नों को सार्थक बतलाते हैं। उनका मत है कि स्वप्न में हमारी कई अतृप्त इच्छाएँ भी चरितार्थ होती हैं। जैसे हमारे मन में कहीं भ्रमण करने की इच्छा होने पर स्वप्न में यह देखना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, कि हम कहीं भ्रमण कर रहे हैं। सम्भव है कि जिस इच्छा ने हमें भ्रमण का स्वप्न दिखाया है वही कालान्तर में हमें भ्रमण कराये । इसलिए स्वप्न में भावी घटनाओं का आभास मिलना साधारण बात है। कुछ विद्वानों ने इस सिद्धान्त का नाम सम्भाव्य गणित रखकर है। इस सिद्धान्त के अनुसार स्वप्न में देखी गई कुछ अतृप्त इच्छाएँ सत्य रूप में चरितार्थ होती हैं, क्योंकि बहुत समय से कई इच्छाएँ अज्ञात होने के कारण स्वप्न में प्रकाशित रहती हैं, ओर ये इच्छाएँ किसी कारण से मन में उदित होकर हमारे तदनुरूप कार्य करा सकती है। मानव अपनी इच्छाएँ किसी कारण से मन में उदित होकर हमारे तदनुरूप कार्य करा सकती है। मानव अपनी इच्छाओं के बल से ही सांसारिक क्षेत्र में उन्नति या अवनति करता है, उसके जीवन में उत्पन्न इच्छाओं में कुछ इच्छाएँ अप्रस्फुटित अवस्था में ही विलीन हो जाती है, लेकिन कुछ इच्छाएँ परिपक्वावस्था तक चलती रहती है। इन इच्छाओं में इतनी विशेषता होती है, कि ये बिना तृप्त हुए लुप्त नहीं हो सकती । सम्भाव्य गणित के सिद्धान्तानुसार, जब स्वप्न में परिवक्वावस्था वाली अतृप्त इच्छाएँ प्रतीकाधार को लिए हुए देखी जाती है, उस समय स्वप्न का भावी फल सत्य निकलता है। अबाधभावानुसंग से हमारे मन के अनेक गुप्त भाव प्रतीकों से ही प्रकट हो जाते हैं,मन की स्वाभाविक धारा स्वप्न में प्रवाहित होती है, जिससे स्वप्न में मन की अनेक चिन्ताएँ गुँथी हुई सी प्रतीत होती हैं। स्वप्न के साथ संश्लिष्ट मन की जिन चिन्ताओं और गुप्त भावों का प्रतीकों से आभास मिलता है, वही स्वप्न का अव्यक्त अंश भावी फल के रूप में प्रकट होता है। अस्तु उपलब्ध सामग्री के आधार पर कुछ स्वप्नों के फल नीचे दिये जाते हैं।

अस्वस्थ :- अपने सिवाय अन्य किसी को अस्वस्थ देखने से कष्ट होता है और स्वयं को अस्वस्थ देखने से प्रसन्नता होती है। जी० एच० मिलर के मत से स्वप्न में स्वयं को अस्वस्थ देखने से कुटुम्बियों के साथ मेलमिलाप बढ़ता है

एवं एक मास के बाद स्वप्नदृष्टा को कुछ शारीरिक कष्ट भी होता है तथा अन्य को अस्वस्थ देखने से दृष्टा शीघ्र रोगी होता है। डॉक्टर सी० जे० हिटवे के मतानुसार, अपने को अस्वस्थ देखने से सुख - शान्ति और दूसरे को अस्वस्थ देखने से विपत्ति होती है। सुकरात के सिद्धान्तानुसार, अपने और दूसरे को अस्वस्थ देखना रोगसूचक है। विवलेनियम और पृथगबोरियन के सिद्धान्तानुसार, अपने को अस्वस्थ देखना निरोगी सूचक और दूसरे को अस्वथ देखना पुत्र - मित्रादि के रोग को प्रकट करने वाला होता है।

आवाज :- स्वप्न में किसी विचित्र आवाज को स्वयं सुनने से अशुभ सन्देश सुनने को मिलता है। यदि स्वप्न की आवाज सुनकर निद्रा भंग हो जाती है तो सारे कार्यो में परिवर्तन होने की सम्भावना होती है। अन्य किसी की आवाज सुनते हुए देखने से पुत्र और स्त्री को कष्ट होता है तथा अपने अति निकट कुटुम्बियों की आबाज सुनते हुए देखने से किसी आत्मीय की मृत्यु प्रकट होती है। डॉ० जी०एच० मिलर के मत से आवाज सुनना भ्रम द्योतक है।

ऊपर :- यदि स्वप्न में कोई चीज अपने ऊपर लटकती हुई दिखाई पड़े और उसके गिरने का सन्देह हो तो शत्रुओं के द्वारा धोखा होता है। ऊपर गिर जाने से धन - नाश होता है, ऊपर न गिरकर पास में गिरती है, तो धन - हानि के साथ स्त्री - पुत्र एवं अन्य कुटुम्बियों को कष्ट होता है। जी०एच० मिलर के मत से किसी भी वस्तु का ऊपर गिरने से तथा गिरकर चोट लगने से मृत्यु तुल्य कष्ट होता है।

कटार :- स्वप्न में कटार के देखने से कष्ट और कटार चलाते हुए देखने से धनहानि तथा निकट कुटुम्बी के दर्शन, एवं पत्नी से प्रेम होता है। किसी - किसी के मत से अपने में स्वयं कटार भोंकते हुए देखने से किसी के रोगी होने का समाचार सुनाई पड़ता है।

कनेर :- स्वप्न में कनेर के फूल वृक्ष का दर्शन करने से मान - प्रतिष्ठा मिलती है। कनेर के वृक्ष से फूल और पत्तों को गिरना देखने से किसी निकट आत्मीय की मृत्यु होती है। कनेर का फल भक्षण करना रोगसूचक है, तथा एक सप्ताह के भीतर अत्यन्त अशान्ति देने वाला होता है। कनेर के वृक्ष के नीचे बैठकर पुस्तक पढ़ता हुआ अपने को देखने से दो वर्ष के बाद साहित्यिक क्षेत्र में यश

की प्राप्ति होती है। एवं नये – नये प्रयोगों का आविष्कर्ता होता है।

किला :– किले की रक्षा के लिए लड़ाई करते हुए देखने से मानहानि एवं चिन्ताएँ, किलेमें भ्रमण करने से शारीरिक कष्ट, किले के दरवाजे पर पहरा लगाने से प्रेमिका से मिलन एवं मित्रों की प्राप्ति और किले के देखने मात्र से परदेशी बन्धु से मिलन होता है।

केला :– स्वप्न में केला का दर्शन शुभफल दायक होता है और केले का भक्षण अनिष्ट फल देने वाला होता है। किसी के हाथ से जबरदस्ती केला लेकर खाने से मृत्यु और केले के पत्तों पर रखकर भोजन करने से कष्ट एवं केले के थम्भे लगाने से घर में मांगलिक कार्य होते हैं।

केश :– किसी सुन्दरी के केशपाश का स्वप्न में चुम्बन करने से प्रेमिका – मिलन और केश के दर्शन से मुकदमे में पराजय एवं दैनिक कार्यो में असफलता मिलती है।

खल :– स्वप्न में किसी दुष्ट के दर्शन करने से मित्रों से अनबन और लड़ाई करने से मित्रों से प्रेम होता है। खल के साथ मित्रता करने से नाना भय और चिन्ताएँ उत्पन्न होती है। खल के साथ भोजन – पान करने से शारीरिक कष्ट, बातचीत करने से रोग और उसके हाथ से दूध लेने से सैकड़ों रुपयों की प्राप्ति होती है। किसी – किसी के मत से खल का दर्शन शुभ माना गया है।

खेल :– स्वप्न में खेलते हुए देखने से स्वास्थ्य वृद्धि और दूसरों को खेलते हुए देखने से ख्याति – लाभ होता है। खेल में अपने को पराजित देखने से कार्य सफल और जय देखने से कार्य – हानि होती है। खेल का मैदान देखने सु युद्ध में भाग लेने का संकेत होता है। खिलाड़ियों का आपस में मल्लयुद्ध करते हुए देखना बड़े भारी रोग का सूचक है।

गाय :– यदि स्वप्न में कोई गाय दुहने की इन्तजार में बैठी हुई दिखाई पड़े तो सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। गाय का दर्शन, जी० एच० मिलर के मत से, प्रेमिका मिलन सूचक बताया गया है। चारा खाते हुए गाय को देखने से अन्न प्राप्ति, बछड़े को पिलाते हुए देखने से पुत्र – प्राप्ति, गोबर करते हुए गाय को देखने से धन – प्राप्ति और पागुर करते हुए देखने से कार्य में सफलता मिलती है।

घड़ी :– स्वप्न में घड़ी देखने से शत्रुभय होता है। घड़ी की आवाज सुनने से दुःखद संवाद सुनते हैं, या किसी मित्र की मृत्यु का समाचार सुनाई पड़ता है। किसी के हाथ से घड़ी गिरते हुए देखने से मृत्युतुल्य कष्ट होता है। अपने हाथ की घड़ी का गिरना देखने से छः महीने के भीतर मृत्यु होती है।

चाय :– स्वप्न में चाय का पीना देखने से शारीरिक कष्ट, प्रेमिका वियोग एवं व्यापार में हानि होती है, मतान्तर से चाय पीना शुभकारक भी है।

जन्म :– यदि स्वप्न में कोई स्त्री बच्चे का जन्म देखे, तो उसकी किसी सखी, सहेली को पुत्र – प्राप्ति होती है तथा उसे उपहार मिलते हैं। यदि पुरुष यही स्वप्न देखे तो यश प्राप्ति होती है।

झाड़ू :– यदि स्वप्न में नया झाड़ू दिखाई पड़े तो शीघ्र ही भाग्योदय होता है। पुराने झाड़ू का दर्शन करने से सट्टे में धन – हानि होती है। स्त्री के इसी स्वप्न को देखने से भविष्य में नाना प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है।

मृत्यु :– मृत्यु देखने से किसी आत्मीय की मृत्यु होती है, किन्तु जिस व्यक्ति की मृत्यु देखी गयी है, उसका कल्याण होता है। मृत्यु का दृश्य देखना, मरते हुए व्यक्ति की छटपटाहट देखना अशुभसूचक होता है। मृत्यु का दृश्य देखना, किसी सवारी से नीचे उतरते ही मृत्यु देखना राजनीति में पराजय का सूचक है। सवारी के ऊपर चढ़कर उठना तथा किसी पहाड़ पर ऊँचा चढ़ना शुभफल सूचक होता है।

युद्ध :– स्वप्न में युद्ध का दृश्य देखना, युद्ध से भयभीत होना, मारकाट में भाग लेना तथा अपने को युद्ध में मृत देखना जीवन में पराजय का सूचक है। इस प्रकार का स्वप्न देखने से सभी क्षेत्रों में असफलता मिलती है। जो व्यक्ति युद्ध में अपनी मृत्यु देखता है, उसे कष्ट सहन करने पड़ते हैं तथा वह प्रेम में असफल होता है। जिससे वह प्रेम करता है उसकी ओर से ठुकराया जाता है। युद्ध में विजय देखना सफल प्रेम का सूचक है। जिस प्रेमिका या प्रेमी को व्यक्ति चाहता है, वह सरलतापूर्वक प्राप्त हो जाता है। नग्न होकर युद्ध करते हुए देखने से नृत्य में सफलता मिलती है, तथा अनेक स्थानों पर भोजन करने का निमन्त्रण मिलता है। यदि कोई व्यक्ति किसी सवारी पर आरूढ़ होकर रणभूमि में जाता हुआ दृष्टिगोचर हो,तो इस प्रकार से स्वप्न के देखने से जीवन में

अनेक तरह की सफलता मिलती है।

सप्तविंशतितमोऽध्यायः

जब बृहस्पति और बुध सूर्य के साथ स्थित होकर स्वराशियों में स्थित ग्रहों के अनुवर्ती हों और मनुष्य, सर्प तथा अन्य जन्तु युद्ध करते हुए स्वप्न में दिखलायी पड़े, तब भयंकर तूफान आता है। यदि शुभ ग्रह मित्रभाव में स्थित न हों, तो वर्षा का अभाव रहता है तथा इन्द्र पर्वतों के मस्तक को वज्र से चूर करता है, पर्वतों पर विद्युत्पात होता है और अवर्षण रहता है। चन्द्रमा के निवृत्ति होने पर पक्षान्त में यदि कोई अशुभ ग्रह हो, तो प्रजा में अनीति - अन्याय और दम्पत्ति वैर होता है।

कृत्तिका नक्षत्र में नवीन वस्त्र या नवीन वस्तु धारण करने से अग्नि जलाती है, रोहिणी में धन - सम्पत्ति की प्राप्ति होती है, मृगशिर में मूषक काटते हैं, और आर्द्रा में प्राणों का संशय उत्पन्न हो जाता है।

स्वप्न में कर भंग (हाथ का टूटना) देखने से चार महीने में मृत्यु, पदभंग देखने से तीन महीने में, जानुभंग देखने से एक वर्ष में और मस्तक भंग देखने से पाँच दिन में मृत्यु होती है। स्वप्न में समस्त जंघा का टूटना देखने से दो वर्ष में मृत्यु, और कन्धे का भंग होना देखने से दो पक्ष में मृत्यु एवं उदर भंग देखने से एक पक्ष में मृत्यु होती है। स्वप्न दर्शक मन्त्र का प्रयोग कर तथा स्वच्छ और शुद्धतापूर्वक जब रात्रि में शयन करता है तभी स्वप्न का उक्त फल घटित होता है। स्वप्न में राजा के छत्र का भंग देखने से राजा के परिवार के किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है। जो व्यक्ति स्वप्न में अपना विलयन तथा गृद्ध और कौओं द्वारा अपना मांस भक्षण देखता है एवं चर्बी का वमन करते हुए देखता है, उसकी दो महीने की आयु होती है।

स्वप्न में घृत और तेल से स्नात व्यक्ति महिष (भैंसा), ऊँट और गधे के ऊपर सवार हो दक्षिण दिशा की ओर जाता हुआ दिखलाई पड़े, तो एक महीने की आयु समझनी चाहिए ।

यदि रात्रि के समय स्वप्न में सूर्य, चन्द्र आदि ग्रहों का विनाश अथवा पृथ्वी पर पतन दिखलाई पड़े तो तीन पक्ष की आयु समझनी चाहिए ।

यदि स्वप्न में कृष्ण वर्ण के भयंकर व्यक्ति घर से खींचकर दक्षिण दिशा की ओर ले जाते हुए दिखलाई पड़े, तो शीघ्र ही मरण होता है।

जो स्वप्न में अपने को किसी अस्त्र से कटा हुआ देखता है, अथवा अस्त्र द्वारा अपनी मृत्यु के दर्शन करता है अथवा अस्त्रों को ही तोड़ देता है उसकी मृत्यु बीस दिन में ही हो जाती है।

जो स्वप्न में मृतक के समान लाल फूलों से सजाया हुआ नृत्य करते हुए दक्षिण दिशा की ओर अपने को बाँधकर ले जाते हुए देखता है, वह एक मास से कुछ अधिक जीवित रहता है।

जो स्वप्न में रुधिर, चर्बी, पीप (पीव), चमड़ा, घी और तेल से भरे गड्ढें में गिरकर डूबता हुआ देखता है उसकी निश्चित १५ दिनों में मृत्यु हो जाती है।

स्वप्न में श्वेत गाय बँधी हुई तथा खूँटे से खुली हुई एवं चलती हुई दिखलाई पड़े तो दुःखी व्यक्ति भी दुःख से मुक्त हो जाता है।

जो स्वप्न में सोना, भोजन - पान, घर, (वस्त्राभूषण) अलंकार, हाथी तथा अन्य वाहन आदि का दर्शन करता है उसे सभी प्रकार के सुख उपलब्ध होते हैं।

यदि स्वप्न में पताका, तलवार, लाठी, पुष्पमाला आदि को स्वर्णदीपक के द्वारा देखता हुआ दिखलाई पड़े तो धन की प्राप्ति होती है।

जो स्वप्न में बिच्छू, साँप अन्य भयकारक जन्तुओं से निर्भय अवस्था को प्राप्त होते हुए देखे उसे धन लाभ होता है।

जो स्वप्न में मल, वमन, मूत्र, रक्त, वीर्य, चर्बी इत्यादि वस्तुओं को घृणा रहित भक्षण करते हुए देखे उसका शोक नष्ट होता है।

जो स्वप्न में बैल, हाथी, महल, पीपल, बड़, पर्वत एवं घोड़े के ऊपर चढ़ता हुआ देखे तो उसकी उन्नति होती है।

जो स्वप्न में राजा, हाथी, गाय, सवारी, धन, लक्ष्मी, कामदेव तथा अलंकार और आभूषणों से युक्त पुरुष का दर्शन करता है उसकी भाग्य की वृद्धि होती है।

जो स्वप्न में अपने को समुद्र पार करते हुए महल के ऊपर भोजन करते हुए तथा किसी अभीष्ट देवता से मन्त्र प्राप्त करते हुए देखता है, उसे ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

जिसे स्वप्न में स्वच्छ वस्त्रों और अलंकारों से युक्त सुन्दर स्त्री आलिंगन करती हुई दिखलाई पड़े, उसे सम्पत्ति प्राप्त होती है।
जो स्वप्न में उदयाचल पर सूर्य और चन्द्रमा को उदित होते हुए देखे उस मनुष्य को धन की प्राप्ति होती है तथा उसका दुःख नष्ट हो जाता है।
जो स्वप्न में अपने हाथ ओर पाँव को बँधा हुआ देखता है, उसे पुत्र की प्राप्ति होती है।
जो व्यक्ति स्वप्न में अपने दाहिनी ओर श्वेत साँप को देखता है, और स्वप्न दर्शन के पश्चात् तत्काल उठ जाता है, उसे अत्यन्त लाभ होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में अगम्या स्त्री के साथ समागम करते हुए देखता है, तथा अपेय वस्तुओं को पीते हुए देखता है, उसे विद्या, विषय सुख और अर्थलाभ होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में चाँदी के बर्तन में स्थित फेन सहित दूध को पीते हुए देखता है, उसे निश्चित ही धन - धान्य आदि सम्पत्ति की प्राप्ति तथा विद्या का लाभ होता है।
जो व्यक्ति स्वप्न में स्वर्ण अथवा स्वर्ण के आभूषणों तथा पीत पुष्प या फल को अन्य किसी व्यक्ति द्वारा ग्रहण करते हुए देखता है, उसे स्वर्ण की,स्वर्णाभूषणों की प्राप्ति होती है। स्वप्न में कृष्ण वर्ण के बैल, हाथी वाहनों का दर्शन, शुभकारक होता है तथा कृष्ण वर्ण की वस्तुओं का दर्शन विद्वानों द्वारा निन्दित कहा गया है।
स्वप्न में दही के दर्शन से सज्जन - प्रेम की प्राप्ति, गेहूँ के दर्शन से सुख की प्राप्ति, जौ के दर्शन से जिन पूजा की प्राप्ति एवं पीली सरसों के देखने से शुभ फल क प्राप्ति होती है।
स्वप्न में शयन, आसन, सवारी स्वांगवाहन और मकान का जलना देखने के उपरान्त शीघ्र ही जाग जाने से अभीष्ट वस्तु की प्राप्ति होती है।
जो स्वप्न में अपने शरीर की नसों से गाँव की वेष्टित करते हुए देखे, वह मण्डलाधिप तथा जो नगर को वेष्टित करते हुए देखे वह पृथ्वी पति - राजा होता है।
जो स्वप्न में तालाब में स्थित हो, बर्तन में रखी हुई खीर को निश्चिन्त होकर

खाते हुए देखता है, वह चक्रवर्ती राजा होता है।
स्वप्न में देव पूजिका, पितर - व्यन्तर आदि की भक्ता, या देव का आलिंगन करने वाली नारियाँ जिस प्रकार का वरदान देती हुई दिखलाई पड़े, उसी प्रकार का फल समझना चाहिए
जो स्वप्न में श्वेत छत्र, श्वेत चन्दन एवं कपूर आदि वस्तुओं को प्राप्त करते हुए देखता है, उसे सभी प्रकार के अभ्युदय प्राप्त होते हैं।
जो स्वप्न में अपने दाँतों को गिरते हुए तथा अपने सिर के बालों को गिरते या झड़ते हुए देखता है, उसके धन और बान्धव नाश को प्राप्त होते हैं और शारीरिक कष्ट भी उसे होता है।
जो स्वप्न में अपने पीछे दाँत वाले और सींग वाले शूकर, बन्दर एवं सिंह आदि प्राणियों को दौड़ते हुए देखता है, उसे महान् भय प्राप्त होता है।
जो स्वप्न में अपने शरीर में घी या तेल की मालिश करते हुए देखता है, तथा स्वप्न दर्शन के पश्चात् उसकी निद्रा खुल जाती है, उसे रोगोत्पत्ति होती है।
जो स्वप्न में रात्रि के समय लाल वर्ण के वस्त्रालंकारों से युक्त नारी का सस्नेह आलिंगन करते हुए देखता है, उसे महती विपत्ती का सामना करना पड़ता है।
जो स्वप्न में पीत वर्ण के पुष्पों द्वारा अलंकृत तथा पीत वर्ण के वस्त्रों से सज्जित नारी द्वारा अपने को छिपाया हुआ देखे वह शीघ्र ही रोगी होता है।
जो स्वप्न में लाल वर्ण का मल करते हुए या लाल वर्ण का मूत्र करते हुए देखे तथा दर्शन के पश्चात् जाग जाय तो उसका धन नाश होता है।
जिस स्वप्न में विष्टा - मल, रोम, अग्नि, कुंकम - रोरी एवं लाल चन्दन दिखलाई पड़े ओर स्वप्न दर्शन के अनन्तर निद्रा टूट जाय, उसके धन का विनाश होता है।
यदि स्वप्न में लाल - लाल तलवार धारण किये हुए वीरपुरुषों के जूते का दर्शन या लाभ हो तो यात्रा की सफलता समझनी चाहिए ।
स्वप्न में कृष्ण सवारी पर आरूढ़, कृष्ण वस्त्रों से विभुषित एवं उद्विग्न होता हुआ दक्षिण दिशा की ओर जाते हुए देखे तो मृत्यु समझनी चाहिए।
स्वप्न में जिस व्यक्ति को काली कलूटी विकृत वर्ण की भयानक नारी दक्षिण दिशा की ओर खींचती हुई दिखलाई पड़े उसकी निश्चित रूप से मृत्यु समझनी

चाहिए ।
जो स्वप्न में मुण्डित, जटिल,रुक्ष, मलिन और नील वस्त्र धारण किये हुए रुष्ट रूप में अपने को देखता है उसे भय की प्राप्ति होती है।
स्वप्न में जो दुर्गन्धयुक्त,पीले एवं भयंकर व्याधियुक्त तपस्वी को देखता है, उसे ग्लानि होती है।
जो स्वप्न में वृक्ष, लता, छोटे - छोटे गुल्म या वाल्मीक - बाँबी को अपनी गोदी में देखता है और स्वप्न दर्शन के पश्चात् जाग जाता है उसके धन का विनाश होता है।
स्वप्न में जिसके मस्तक पर खजूर, अग्नि संयुक्त बाँस लता एवं वृक्ष पैदा हुए दिखायी पड़े उसकी शीघ्र मृत्यु होती है।
जो स्वप्न में वक्षस्थल पर उपर्युक्त खजूर, बाँस आदि को उत्पन्न हुआ देखता है उसकी हृदयरोग से मृत्यु होती है तथा शरीर के शेषांगो में से जिस अंग पर उक्त पदार्थो को उत्पन्न होते हुए देखता है उस - उस अंग का विनाश होता है।
जो स्वप्न में अपने जिस अंग को लालसूत, लालपुष्प, या रक्त लता - तन्तुओं से वेष्टित देखता है, उसके उस अंग का विनाश होता है।
स्वप्न में जिस मनुष्य को जो हाथी, मगर या मनुष्य द्वारा खींचते हुए देखता है, उसकी कारागार से मुक्ति होती है।
स्वप्न में जिसके घर में दिन में मधु - मक्खी का छत्ता प्रवेश होते हुए दिखलाई पड़े, उसका धन - नाश अथवा मरण होता है।
जो स्वप्न में विरेच अर्थात् दस्त लगते हुए देखता है, उसके धन का नाश होता है। वमन करते हुए देखने से मरण होता है। वृक्ष की चोटी पर चढ़ते हुए देखने से घर का नाश होता है।
स्वप्न में गाना गाते हुए देखने से रोना, नाचना देखने से बधबन्धन, हँसना देखने से शोक सन्ताप एवं गमन से कलह आदि फल प्राप्त होते हैं।
स्वप्न में शुभ - श्वेत वस्त्र का देखना उत्तम फलदायक है, किन्तु भस्म, हड्डी, मट्ठा और कपास का देखना अशुभ होता है।
स्वप्न में शुक्ल माला और अलंकार आदि का धारण करना शुभ है। रक्त पीत

एवं नीलादि वस्त्रों का धारण करना शुभ नहीं है।
स्वप्न आठ प्रकार के होते हैं - पाप रहित मन्त्र - साधना द्वारा सम्पन्न मंत्रज्ञ स्वप्न, वातादि दोषों से उत्पन्न दोषज, दृष्ट, श्रुत, अनुभूत, चिन्तात्पन्न, स्वभावज, पुण्य - पाप के ज्ञापक देव । (भाग्य) के जनक इन आठ प्रकार के स्वप्नों में मंत्रज्ञ और देव स्वप्न सत्य होते हैं। शेष छह प्रकार के स्वप्न प्रायः निष्फल होते है।
मल - मूत्र आदि की बाधा से उत्पन्न होने वाले स्वप्न, आधि - व्याधि अर्थात् रोगादि से उत्पन्न स्वप्न, आलस्य इत्यादि से उत्पन्न स्वप्न, दिवा एवं जागृत अवस्था में देखे गये पदार्थो के संस्कार से उत्पन्न स्वप्न प्रायः निष्फल होते हैं।
यदि स्वप्न पूर्व में शुभ पश्चात् अशुभ होते हैं, अथवा पूर्व में अशुभ और बाद में शुभ होते हैं तो बाद पश्चात् अवस्था में देखा गया स्वप्न फलदायक तथा पूर्ववर्ती अवस्था का स्वप्न निष्फल होता है।
अशुभ स्वप्न के आने पर व्यक्ति स्वप्न के पश्चात् जगकर पुनः सो जाय, तो अशुभ स्वप्न का फल नष्ट हो जाता है। यदि अशुभ स्वप्न के अनन्तर पुनः शुभ स्वप्न दिखलाई पड़े तो अशुभ फल नष्ट होकर शुभ फल की प्राप्ति होती है।
अशुभ स्वप्न के दिखलायी पड़ने पर जागकर णमोकार मंत्र का पाठ करना चाहिए । यदि अशुभ स्वप्न के पश्चात् शुभ स्वप्न आये तो दुष्ट स्वप्न की शान्ति का उपाय करने की आवश्यकता नहीं है।
बुद्धिमान व्यक्ति को अपने गुरु के समक्ष शुभ और अशुभ स्वप्नों का कथन करना चाहिए, किन्तु अशुभ को गुरु के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति के समक्ष कभी भी नहीं प्रकाशित करना चाहिए ।
पूर्व शास्त्रों के अनुसार स्वप्न निमित्त का वर्णन किया गया है, अब लिंग के अनुसार इसके इष्टानिष्ट का आगमानुकूल वर्णन करते हैं।
प्रथम लिंग शरीर है और द्वितीय लिंग जलमध्यग है, इनका जिस प्रकार से पहले गौतम स्वामी ने वर्णन किया है वैसा ही मैं वर्णन करता हूँ।
स्नान कर सुगन्धित लेप लगाकर १०८ बार इससे मंत्रित होकर स्वप्न का दर्शन करें। इस प्रकार स्वप्न का देखना ही मंत्रज कहलाता है। "ऊँ ह्रीं लाः पः लक्ष्मीं

भन्वीं कुरु स्वाहा" इस मंत्र का १०८ बार जाप करना चाहिए ।
जिस व्यक्ति के समस्त शरीर पर अकारण ही अधिक मक्खियाँ लगती हों उसकी आयु ज्ञानियों ने छह महीने बतलायी है। यहाँ से प्रत्यक्ष अरिष्टों का वर्णन आचार्य करते हैं। जिसको अकारण ही दिशाएँ हरी, पीली और शुभ रूप में दिखलायी पड़े तथा गन्ध का ज्ञान भी जिसे न हो उसकी मृत्यु निश्चित है।
जिसे सूर्य और चन्द्रमा दिखलायी न पड़े तथा जिसके मुख से श्वास अधिक और तेजी से निकलता हो उसका शीघ्र मरण विद्वानों ने कहा है।
जिसकी जिव्हा पर सर्वदा अधिक मैल रहता हो तथा जिसे किसी भी रस का स्वाद न आता हो और न वस्तुओं के रूप को देख पाता हो, उसकी आयु सात दिन की होती है।

(अ)

आपः पानी बहता हुआ देखना :- जो काम करना चाहते हैं, जो मन में इच्छा है, वह भली प्रकार से पूरी होगी किसी प्रकार की अड़चन नहीं पड़ेगी। अगर किसी से लड़ाई या अदालत में केश चल रहा है, उसमें आप के पक्ष में फैलसला होगा, आपका मान सम्मान बढ़ेगा ।
कुएँ का पानी देखना :- हर प्रकार की परेशानियाँ दूर होंगी, यदि किसी प्रकार की उलझन है तो सुलझ जायेगी। व्यापार में लाभ कम हो रहा है तो अधिक होने लगेगा । कुएँ का पानी सपने में देखने का फल वृद्ध पुरुषों ने बताया है कि हर तरह से खुशी हासिल होती है।
समुद्र का पानी :- यह सपना अशुभ है। समुद्र का पानी नजर आये तो दान करें क्योंकि दुःखों और संकटों की ओर संकेत है। अच्छे कार्यो से संकट टल जाते हैं। समुद्र का पानी देखने की एक धारणा यह भी है कि विदेश की यात्रा का अवसर मिले जिसमें कठियाइयाँ आऐंगी ।
बुलबुला उठता देखना :- अगर कोई सपने में पानी के बुलबुले उठते हुए देखे, तो उसे चाहिए कि वह अपने स्वास्थ्य, अपने धन और व्यापार की ओर से संचेत रहे । क्योंकि इस सपने का फल यह है कि देखने वाले को हानि पहुँचती

है।
स्वच्छ जल देखना :- यह स्वप्न देखने वाला सौभाग्यशाली होता है। आयु में वृद्धि होती है, खुशियों की बहार आती है, सर्व सुविधायें मिलती है, दिल की चिन्ताऐं दूर होती हैं, यदि कोई अपना बीमार हो तो अच्छा हो जाता है,
गन्दा पानी देखना :- यह बुरा स्वप्न है। यदि किसी को गन्दा पानी नजर आए तो समझ ले कि वह दुःखों व परेशानियों में फंसने वाला है। अतः श्री शांति नाथ पाठ करे और संकट टालने के लिए प्रार्थना करे। इसका फल होता है आयु कम होगी, पत्नी बुरी मिलेगी, यदि शादी होने वाली है,तो स्त्री से मिल कर खुशी प्राप्त नहीं होगी ।
आग देखना :- जो व्यक्ति जलती हुई आग के शोले देखता है, उसे खुश होना चाहिए, क्योंकि सपने में आग देखने वाला व्यक्ति कुवाँरा है, तो जीवन साथी मन पसन्द मिलेगा । यदि सूखा पड़ा हुआ है, तो बरसात बहुत होने का संकेत है।
आसमान देखना :- सपने में आसमान देखना बहुत अच्छा है। ऊँची पदवी प्राप्त हो सकती है, समाज में ऊँचा स्थान मिलता है, भाग्यशाली पुत्र उत्पन्न होता है। अगर आसमान में स्वयं को उड़ता हुआ देखे तो यात्रा का अवसर मिलता है। यदि आसमान के निकट स्वयं को सपने में देखे तो माता पिता का स्नेह और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। सुख व शान्ति के साधन मिलते है, हर काम में सफलता प्राप्त होती है। नाम बढ़ता है। यदि आकाश से उड़ते हुए गिरता हुआ देखे तो बेइज्जती होती है, व्यापार में हानि और कई प्रकार के दुःख मिलते है।
सूर्य की रोशनी देखना :- देखने वाले को कई प्रकार के सुख मिलेंगे, तेज बढ़ेगा, शत्रु पराजित होंगे और सरकार, समाज में इज्जत बढ़ेगी और मान मिलेगा, माल - धन - सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी होगी, स्वास्थ्य बढ़ेगा, हर प्रकार का संतोष प्राप्त होगा ।
सूर्य पर बादल या अंधेरा देखना :- गम, दुःख, पीड़ा, चिन्तायें मिलती हैं, व्यापार में हानि होती है। नौकर हो तो मालिक से मन - मुटाव होता है। बेइज्जती, निराशा कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा

देखे तो महामंत्र (णमोकार मंत्र) का जाप करे

आग उठा लेना :- यदि कोई सपने में देखे कि वह जलती हुई आग उठा रहा है तो उसे सावधान रहना चाहिए क्योंकि वह बुरा धन प्राप्त करेगा। खर्च अकारण ही बढ़ेगा। ध्यान रखो ऐसा कोई भी काम न करो जिससे लालच बढ़े।

आग जलाकर भोजन बनाना :- यदि कोई चूल्हे या भट्टी की जलती आग में खाने का कोई सामान बनाते हुए देखे तो उसे बहुत प्रसन्न होना चाहिए। यदि वह व्यापारी है तो बहुत लाभ होगा। नौकर है तो वेतन बढ़ जायेगा, अकारण खर्च नहीं बढ़ेंगे। हर प्रकार का संतोष प्राप्त होगा। यदि सपने में आग जलाते हुए कपड़ा जल जाये तो कई प्रकार के दुःख मिलेंगे, आँखों में किसी प्रकार की पीड़ा या रोग हो सकता है।

आँख देखना :- यदि कोई अपने हाथों की हथेलियों में आँखें देखता है तो उसका फल यह है कि देखने वाले को नकद धन की प्राप्ति होगी, परेशनियाँ, दुःख, बीमारियाँ दूर होंगी और प्रत्येक प्रकार की प्रसन्नता व सुख प्राप्त होगा।

आइना या दर्पण देखना :- सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि मन की सारी अभिलाषाऐं पूर्ण होंगी। जीवन साथी, सेवक या वफादार दोस्त प्राप्त होगा। कोई ऐसा व्यक्ति मिलेगा, जिससे किसी भी प्रकार का लाभ हो सकता है। यदि दर्पण में अपना मुख देखें तो पुत्र की प्राप्ति होगी, लेकिन मुँह देखने का फल एक और यह भी है कि पत्नी से दुःख की प्राप्ति और नौकरी में पदवी घट जायेगी।

आँधी देखना :- इस सपने का फल है कि कई प्रकार के दुःख प्राप्त होंगे। धन - दौलत की हानि, व्यापार में घाटा, नौकरी जाने का खतरा या फिर बीमारी का सकेंत है। आँधी देखने वाले को चाहिए कि वह दान करे, दीन - दुःखियों की सेवा करे और पंच परमेष्ठी की भक्ति करें।

अखरोट देखना :- इसका फल है खूब बढ़िया भरपूर भोजन मिलेगा। व्यापार में लाभ और संतोष मिलेगा अर्थात धन बढ़ेगा।

स्वतंत्र या मुक्त होते देखना :- यदि कोई स्वयं को किसी भी प्रकार बंधनों से मुक्त होते देखे तो फल यह है कि वह कई प्रकार की चिन्ताओं से मुक्त होगा। कुवाँरा या कुँवारी है तो मन पसन्द शादी होगी। मनोकामना पूर्ण होगी।

आवाज सुनना :- यदि सपने में कोई ऐसी आवाज सुने जो अच्छी लगे तो ध्यान

करें कि बाँई ओर से सुनाई देने वाली सपने की आवाज का फल है - लज्जा उठानी पड़ेगी,काम में असफल होंगे। दाँई ओर से सुनें तो - सुख, सम्मान और समृद्धि पाऐंगे। इसी प्रकार सामने से सुनाई देने वाली आवाज का फल भी अच्छा है। यदि पीछे से आवाज आती सुने तो दुःख मिलेगा, लज्जा व निराशा प्राप्त होगी, किसी से लड़ाई हो तो पराजय का सामना करना पड़ेगा।

अन्न सूखा देखना :- इसका फल है कि चिन्ता मिलेगी, दुःख प्राप्त होंगे। बीमारी तथा शारीरिक कष्ट मिलेंगे। अकारण परेशानियाँ बढ़ेंगी।

अशरफी, मुहर, स्वर्णमुद्रा देखना :- यदि सपने में स्वर्ण मुद्राऐं और अशरफी दिखाई दें तो, चरित्रवान पुत्र प्राप्त होगा। धन का लाभ, कार्य में सफलता मिलेंगी, कई प्रकार के सुख मिलेंगे।

अनार खाता देखना :- यदि सपने में अनार खाते देखें तो धन मलेगा। खाते हुए देखें और उसका स्वाद मीठा है तो प्रसन्नता, सुख, स्वास्थ्य व लाभ मिलेगा। खट्टा हो तो दुःख मिलेगा, शरीर को घाव मिलेंगे अथवा किसी और प्रकार का कष्ट होगा।

इमरती खाते देखना :- लाभ होगा, खाने को खूब मिलेगा, धन की प्राप्ति, स्त्री अच्छी मिलेगी।

आबजोश देखना :- कठिनाई आएगी। भगवान को याद करें। जिससे कष्ट के बाद सुख प्राप्त होगा।

अदवान देखना :- इसका फल है दुःख मिलेगा, पायती बैठने के योग्य बनें, अपमानित होंगे।

अफीम खाते देखना :- इसका फल है दुःख मिलेगा, पायती बैठने के योग्य बनें, अपमानित होंगे।

अफीम खाते देखना :- इससे कोई बुरी आदत पड़ सकती है। सपने का फल यह भी है कि आलस्य से बना काम बिगड़ जायेगा।

आईसक्रीम खाना :- इस सपने का फल है सुख और शान्ति मिलेगी, हर प्रकार का सुख मिलेगा।

अल्मारी देखना :- इसका फल यह है कि धन तो मिलेगा किन्तु कठिनाई से प्राप्त होगा। यश प्राप्ति होगी।

आम खाना, देखना :- इसका फल है कि, हर प्रकार का सुख मिलेगा, सभी प्रकार की मनोकामनाऐं पूर्ण होंगी।
अनन्नास खाना :- इस सपने का फल है, कि परेशानी होगी परन्तु बाद में कष्ट सुख में बदल जायेंगे।
आरा - आरी देखना :- इसका फल है कि दोस्तों से दुश्मनी हो सकती है, परेशानियाँ बढेंगी।
अनार खाना :- यह बहुत अच्छा सपना है। हर प्रकार का सुख मिलेगा।
अनार के पत्ते खाना :- इसका फल है कि ऐसा जीवन साथी मिलेगा, जिससे हर प्रकार का सुख मिलेगा।
अन्धा या स्वयं को देखना :- इसमें व्यापारी हो तो लाभ नहीं मिलता। इसके फल से अगर यात्रा में जाते हैं, तो निराश लौटेंगे व कई प्रकार के दुःख मिलेंगे।
अंधेरा देखना :- ऐसा सपना देखने पर गरीबी बढ़ती है। दुःख, संकट में जाने का भय रहता है। ऐसे काम होते हैं जिनसे पाप का भागी बन जाता है।
अँगूठी देखना :- ऐसा देखने से सरकारी दरबार में सम्मान बढ़ता है। पुत्र प्राप्ति होती है, कई प्रकार की खुशियाँ मिलती हैं।
अँगूठी या नगीना का गलना देखें :- तो बहुत दुःख मिलते हैं। कई जगहों पर निराशा व अपमान का सामना करना पड़ता है। समाज में बेइज्जती होती है।
अँगूठी को बीच अँगुली में पहिनते देखे तो पत्नी से मन - मुटाव होने की सम्भावना रहती है। वियोग मं रोना भी पड़ सकता है। बिना नगीने की अँगूठी दिखाई दे तो पुरुष के लिए दुःख व स्त्री के लिए सुख है।
अँगूर देखना :- अँगूर सफेद देखें तो हर प्रकार का लाभ मिलेगा। अँगूर काला देखें तो हानि और दुःख मिलेगा, दोस्तों से खट - पट हो सकती है। अँगूर कर रस निचोड़ते देखें तो सुख व धन मिलेगा। तेज बढ़ेगा, मनोकामना पूर्ण होगी।
आदमी का माँस खाते देखना :- चिन्ता में और दुःख बढ़ेंगे। बुरा धन मिलेगा जो सुख के बजाय अशान्ति व चिन्ता का कारण बनेगा।
अदरक खाते देखना :- इसका फल यह है कि बातचीत, भाषण, गायन आदि

में ख्याति प्राप्त होगी। सम्मान और सुख मिलेगा।
अंजीर खाते देखना :- खूब धन मिलेगा, सुख मिलेगा, सफलता प्राप्त होगी, दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी। तेजस्वी व सुविख्यात बनेंगे।
औलाद देखना :- जो व्यक्ति सपने में अपने बच्चों को देखे उसे किसी प्रकार का रंज नहीं होना चाहिए क्यों कि यह हर प्रकार के संतोष की तरफ संकेत है।
ओले का पानी पीना :- जो व्यक्ति इस स्वप्न को देखता है, उसे अपनी कमाई का धन हाथ में मिलेगा। सुख मिलेगा, इज्जत बढ़ेगी, खुशियाँ मिलेंगी।
अँगुलियाँ देखना :- अगर हाथ की अँगुलियाँ अलग - अलग दिखाई दें तो समझना चाहिए कि गरीबी आएगी दुःख भोगना होगा, चिन्तायें घेर लेंगी। पांव की अँगुलियाँ दिखें तो खुशी मिलेगी,सन्तान की प्राप्ती होगी।
अपने आप का मरते देखना :- इसका फल है कि गुनाहों के काम छूट जायेंगे, सारी मुसीबतें दूर होंगी, बुरी आदतें अपने आप छूट जायेंगी, अच्छाई की तरफ बुद्धि लग जायेगी।
अपने पर दूसरे का हमला देखना :- इससे आयु बढ़ेगी,सफल जीवन का संकेत है।
आम खाते देखना :- खुशी मिलगी, भोजन, संतान, धन का सुख मिलेगा।
अमरूद खाते देखना :- शादी हो तो पहले पुत्र की प्राप्ति होगी, हर तरफ से अच्छा सपना है।
आँक देखना :- आक की झाड़ियाँ गांवों में बहुत होती है। जिनके पत्ते व टहनियों में दूध होता है। कई दवाईयों में आक का नाम आता है, सपने में दिखाई दे तो किसी प्रकार का शारीरिक कष्ट होने की सम्भावना है।
आडू देखना :- आम व अमरूद के समान आडू देखने पर भी खुशी का संकेत मिलता है।
आलू देखना :- भरपूर भोजन मिलेगा लेकिन पूरा परिश्रम करना होगा। सभी घर वाले स्वस्थ रहेंगे, थोड़े बहुत कष्ट हो सकते हैं।
आँवला देखना :- आँवले का पेड़ तो आशायें मन में ही रह जायेगी, पूरी नहीं होगी, आँवले का ढेर दिखाई दे तो मनोकामनायें थोड़ी बहुत पूर्ण होंगी। यदि आँवले को खाते देखे तो सब कुछ प्राप्त होगा, अभिलाषायें भी पूरी होंगी।

औरत युवा देखना :- **खुशी मिलेगी, मालदार बन जायेंगे । यदि उससे बात** करते हुए देखें तो प्यार मिलेगा । यदि उससे सहवास करता हुआ देखें और स्वप्न दोष हो जाये तो कुछ फल नहीं है क्यों कि स्वप्न दोष के सपनों को विद्वानों ने शून्य माना है। यदि औरत को मुस्कराता हुए देखें तो जायदाद जमीन में बहुत लाभ होगा । और कमजोर, बूढ़ी देखने का फल यह है कि दुःख उठायेगा । बुढ़िया औरत से प्यार की बातें करना आयु घटने और हानि का संकेत है। औरत के हाथ बंध देखने वाले को परेशानी का सामना करना पड़ता है, किसी दोस्त से शत्रुता होने की सम्भावना है, रिश्तेदारों से झगड़ा व मुकदता हो सकता है। औरत की बाँहें खुली हुई दिखाई दे तो माल मिलेगा, पत्नी अच्छी मिलेगी, प्रेमिका से मुलाकात हो सकती है। लेकिन दुनिया में बदनामी होगी । कुरुप स्त्री के हाथ देखकर डर जायें,तो फल यह है कि उससे अच्छे लोगों से अच्छाई व बुरे लोगों से बुराई प्राप्त होगी । अतः सज्जन व्यक्तियों की संगति करनी चाहिए । यदि किसी बुढ़िया स्त्री को ठहाके लगाकर हंसता देखे तो संसार का खूब सुख मिलेगा,स्वभाव की खराबी से हानि हो सकती है।

अण्डा देखना :- सुन्दर स्त्री मिलेगी, मित्रों से राहत होगी ।

(इ)

इन्जन चलता देखना :- दुश्मन से भय होना चाहिए, किन्तु हानि नहीं होगी, यात्रा सफल होगी, बिगड़े काम बन जायेंगे ।

इमारत देखना :- धनाढ्य बनेंगे, नगर सेठों में नाम आएगा, इज्जत व सम्मान मिलेगा ।

इमली खाते देखना :- अच्छा सपना है स्त्री देखे तो पुत्र को जन्म देगी। पुरुष देखे तो दुःख पायेगा ।

ईसबगोल देखना :- पेट का रोग होगा किन्तु बाद में चला जायेगा । कष्ट के

बाद राहत

ईटें देखना :- पक्की ईंट देखी है तो दुःख, कच्ची देखी है तो अपार धन ।

ईसामसीह को देखें :- बहुत सुख मिलेगा, नेक काम में दुःख भी मिल सकता है। सम्मान बढ़ेगा ।

इष्ट मित्र को देखना :- मित्र को खुश देखेंगे तो दुःख पायेंगे, दुःखी देखेंगे तो सुख की ओर संकेत ।

इड़ली सांमर खाते देखना :- ऐसा देखने पर परदेसियों से सुख व अपनों से दुःख मिलने का संकेत है।

इकरार करते देखना :- किसी को झूठी दिलासा न दें, सत्य वचन कहें तो ठीक होगा ।

इश्तहार पढ़ना :- अगर स्वप्न में इश्तहार पढ़ते नजर आयें तो कुछ खो सकता है, झूठे व्यापार से हानि होगी, कष्ट मिलेंगे ।

परीक्षा पास करना :- काम पूरा होगा, प्रेमिका मिलेगी, यश व धन का लाभ होगा ।

इतराते फिरना देखना :- हर प्रकार का सुख मिलेगा, किसी अपने की मौत हो सकती है, बड़ा पद प्राप्त हो । कोई अशुभ समाचार पा सकते हैं।

ईधन देखना :- अपराधों में फंस सकते है। व्यापार में हानि होगी ।

इतर लगाना, सूँघना :- अच्छे कामों का पुण्य प्राप्त हो सकता है, मनचाही स्त्री से निकटता होगी, संसार में इज्जत मिलेगी, यश प्राप्ति होगी ।

इन्द्रधनुष देखना :- अन्न सस्ता होगा, देश में खुशहाली फैलेगी। परेशानियाँ/ दुःख दूर होंगे ।

(उ)

ऊन देखना :- ऊन वाली भेड़ या ऊनी कपड़े या ऊन का ढेर देखें तो धन का लाभ होगा । चिन्तायें मिटेंगी व कई प्रकार का सुख भोगने को मिलेगा ।

उजड़ा शहर देखना :- किसी की मृत्यु का समाचार मिलेगा संकट/ परेशानी

आएगी, सूखा पड़ेगा, बाढ़ या भूचाल आएगा, दुःखों का संकेत है। यही हाल उजड़ा हुआ गांव या खेत देखने पर होगा।

उन्नाव देखना :- उन्नाव (बेर) देखने का फल यह है कि बीमारी से मुक्त होगें, मन को खुशी मिलेगी व प्रेमिका से मिलने का अवसर मिलेगा।

उबासी लेना :- सुस्ती से काम बिगड़ेगें। दुःख मिलेगा।

उबकाई लेना :- बुरे कामों से घृणा होगी, लोगों को सीधा मार्ग बताऐं।

उल्टा लटकना :- दुःख मिलेगा। बना काम बिगड़ जाएगा, अपमान मिलेगा।

उस्तरा देखना :- चिन्ता से मुक्ति, जेब कटेगी, बीमारी दूर होगी।

उल्टा कपड़ा पहिनना :- ऐसा काम हो जिससे जग हँसाई होगी, अकारण ही दुःख मिलेगा।

गुरु बनाते देखना :- गुरु सिद्धी प्राप्त होगी, ज्ञान की वृद्धि होगी, विद्या, धन की ओर संकेत है।

उजाला देखना :- बहुत सुख मिलेगा, हर जगह से सफलता प्राप्त मिलेगी।

उजले कपड़े देखना :- इज्जत, सम्मान व धन मिलेगा, अच्छी दुल्हन मिलेगी।

ऊँचे वृक्ष देखना :- उद्देश्य पूर्ति में देर लगेगी, इज्जत व मान प्राप्त होगा।

ऊँचे पहाड़ देखना :- कठिनाइयों के बाद राहत मिलेगी, कोई बड़ा कार्य करेंगे

ऊबड़ - खाबड़ रास्ता देखना :- परेशानी उठानी पड़ेगी, लेकिन अन्त में सफलता प्राप्त होगी।

ऊनी वस्त्र देखना :- बीमारी से बचे, माल बिना मेहनत किये प्राप्त होगा, कोई शुभ समाचार मिलने की सम्भावना है।

उछलना - कूदना देखना :- सफलता व सुख, धन के नशे में पागल हो जाओगे, जिससे जग हंसाई होगी।

उठना व गिरना :- संघर्ष की ओर संकेत है, शीघ्र ही सफलता मिलेगी।

उलझना डोर या बाल :- परेशानी आए, परन्तु बाद में सफलता होगी।

उछलना या किसी वस्तु को देखना :- कोशिश करते हरे, पुत्र बड़ा आदमी बनेगा, नाम कमायेगा।

किसी वस्तु का उगलते हुए देखना :- गुनाहों से नफरत होगी, लाभ मिलेगा,योग्य व्यक्ति बनेंगे।

उदास होना :- खुशी मिलेगी, ऐसा देखें तो सुख प्राप्ति होगी।

ऊद जलाना :- सेवा कार्य, उपासना, शुभ कार्य करे, सुख पाये।

ऊँट देखना :- यदि ऊँट पर स्वयं को सवार पायें तो यात्रा होगी, जिससे कई प्रकार की सफलता मिल सकती है। व्यापार के लिए यात्रा हो तो खूब लाभ होगा। यदि ऊँट किसी भी प्रकारका दिखाई दे तो इतना धन मिलेगा जो गिनने में भी नहीं आयेगा।

उपहार देखना :- उपहार मनपसन्द हो तो पत्नी मनपसन्द व सुन्दर मिलेगी। पहले पुत्र होगा, मनोकामना पूर्ण होगी।

उपवास रखना :- कोई भी कठिनाई आ सकती है, परेशानियों का सामना कर पड़ सकता है, पंचपरमेष्ठी का ध्यान करें।

ऊँट लदा हुआ देखना :- वस्ती में बीमारी फैल सकती है, कोई और तबाही भी आ सकती है। दुश्मन या एजेंट गड़बड़ कराकर लूट - मार कर सकते हैं।

उल्टी करना :- बुरे कामों से छुटकारा पाने का संकेत है, बहुत अच्छा सपना है।

उपदेश देखना :- बुरा काम करता हो तो छोड़ दे,यदि अच्छा आदमी देखे तो संत हो जायेगा, पूज्य कहा जाने लगेगा।

(ए)

ऐनक लगाते देखना :- विद्या मिलेगी, रहस्यों का पता चलेगा, खुशी व चैन मिलेगा, ज्ञान बढ़ेगा, इज्जत बढ़ेगी, यश प्राप्ति होगी।

(क)

कब्र खोदना :- नव निर्माण करें, मकान बनाये, धन पा सकते हैं, खुशहाल बने
कत्ल करना स्वयं को :- अच्छा सपना है, लेकिन बुरे कार्मो से बचे व धर्म - कर्म की ओर ध्यान दें, दुर्जनों की संगति से बचना आवश्यक है।
कद अपना छोटा देखना :- अपमानित का जीवन मिलेगा, अपमान सहना पड़ेगा, परेशानी उठानी पड़ेगी ।
कद अपना बड़ा देखना :- मृत्यु के निकट होने का संकेत है, शुभ कार्य करें, यह भी हो सकता है कि बहुत दुःख उठाना पड़े ।
कदम देखना :- मान सम्मान में बृद्धि होगी बढ़ेगी । धन व विश्वास का पात्र बनेंगे । स्त्री देखें तो पुत्र की प्राप्ति होगी, दुखी देखें तो दुःख से मुक्ति मिलेगी, मालदार देखें तो सुन्दर स्त्री प्राप्त होगी, जिसके साथ आनन्द मिलेगा । बीमार व्यक्ति देखे तो स्वस्थ होगा।
कैंची देखना :- प्रेमी, पत्नी, मित्र से लड़ाई हो सकती है, दुःख पहुँचेगा ।
कसाई को मित्र बनाना :- मृत्यु की निशानी है या बहुत कष्ट आने वाला है।
कसम खाते देखना :- संतान का दुःख भोगना पड़ेगा, कई प्रकार के कष्ट और परेशानी का सामना होने का संकेत है।
किला देखना :- खुशी प्राप्त होगी । दुश्मन से सुरक्षित रहें। शान्ति व सुख का सन्देश है। संसार की हर खुशी प्राप्त होगी, कहीं से शुभ समाचार मिलेगा, जिससे खुशी बढ़ेगी ।
कलम देखना :- विद्या धन की प्राप्ति होगी, सरकार से लाभ, पुत्र की प्राप्ति होगी ।
कलमदान देखना :- स्त्री मन पसन्द मिलेगी, पद ऊँचा मिलेगा, धरोहर हर हाल मिलेगी, सम्मान प्राप्त होगा ।
कैद करते स्वयं को देखना :- यात्रा का विचार हो तो न जायें, धन पायें ।
कन्द के कुल्हड़ पाना :- सुन्दर मन पसन्द पत्नी मिलेगी, समृद्धि प्राप्त होगी, पुत्र की प्राप्ति होगी, परीक्षा में सफलता मिलेगी, प्रेमिका से मिलन होगा, जो भी विचार किया है, उसमें सफलता मिलेगी ।

कान देखना :- सुशील स्त्री से विवाह होगा, वर अच्छा मन पसन्द मिलेगा, शुभ समाचार पाकर मन प्रसन्न होगा ।
कान साफ करना :- अच्छी बातों का ज्ञान होगा, दुनियाँ में सब जगह प्रशंसा होगी ।
कान कट जाना :- लड़की मर जायेगी या पत्नी मायके चली जाएगी, तलाक हो सकता है, कठिनाइयाँ भोगेंगे । वतन से दूर हो सकते हैं। अपनों से वियोग होगा, इसलिए दान आदि करें ।
कपूर देखना :- व्यापार में लाभ, विद्वान से लाभ, नौकरी में उन्नति, यश/कीर्ति मिलेगी, अच्छे काम कर के लोकप्रिय हो जायेंगे ।
कांटा देखना :- बुरे स्वभाव के कारण हर व्यक्ति घृणा करेगा । जनता को उससे दुःख पहुँचेगा अपराध करेगा ।
अपना या दूसरे का बड़ा चौंड़ा कान देखना :- प्रतिष्ठा बढेंगी, धन लाभ होगा, यश कीर्ति मिलेगी ।
कबूतर देखना :- प्रेमिका से मिलन, दुःख दूर होगा, खुशहाली आएगी ।
कबूतरों का झुंड अपनी ओर देखना :- व्यापार करें तो खूब लाभ होगा, आनन्द पाएंगे, बीमार हो तो स्वस्थ हो जाओगे, शुभ समाचार मिलेगा, हर तरह की मुसीबतें दूर होने का संकेत हैं।
कबूतर का माँस खाना :- स्त्री से दुःख मिलेगा, किसी सुन्दर लड़की से प्रेम होगा और वह भी प्रेम का उत्तर प्रेम से देगी । अदनामी प्राप्त होगी ।
कपड़ा बेचते देखना :- व्यापार में लाभ, नौकरी में उन्नति, गम की चिन्तायें दूर होंगी ।
कपड़े में खून के धब्बे देखना :- धोखा हो सकता है, दुनियाँ में व्यर्थ बदनामी होगी ।
कुत्ता झपटता देखना :- हीन भावना पैदा होगी, लेकिन कोई हानि नहीं होगी ।
कुत्ता भौंकता देखना :- बुरे लोगों की बातों से दुःख होगा, लेकिन कोई हानि नहीं होगी ।
कुत्ते का काटना देखना :- शत्रु से सामना होगा, कठिनाई आएगी, लेकिन शीघ्र दूर होगी ।

कुत्ते का आज्ञाकारी होना :- रूठे मित्र से मिलाप होने का संकेत है, रूठी प्रेमिका मानेगी ।

कछुआ देखना :- सिद्ध साधु या पहुँचे हुए फकीर से लाभ उठायें या धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा ।

कुर्त्ता देखना :- यदि कपड़ा पवित्र है तो खुशी मिलेगी, व्यापार से लाभ होगा, अचछे काम कर इज्जत मिलेगी, स्त्री मिलेगी ।

कड़ा पांव का देखना :- संतान की प्राप्ति होगी। आज्ञाकारी सन्तान से सुख मिलेगा, स्त्री देखे तो पति की चिन्ता का कारण है। कैद से छुटकारा प्राप्त होगा ।

कपड़ा हाथ का देखना :- पुरुषों को गरीबी व तंगी घेर लेगी, किनारा देखे तो दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी, पुत्र का जन्म होगा, उच्च पद मिलने की उम्मीद है।

कमर बांधना :- पौरूषशक्ति अधिक होगी, दुश्मन सीधे रहेंगे, नाम मिलेगा, परिश्रम की कमाई खाने का सुख मिलेगा । योजना सफल होगा ।

कुश्ती लड़ाई :- गरीबी आयेगी, तंगी आयेगी, किसी तरह का दुःख भोगना पड़ेगा ।

कश्ती देखना :- यदि कश्ती पर सवार हों तो मेहनत के बाद शान्ति प्राप्त होगी, बड़ा आदमी हो तो राजनैतिक संकट से चिन्ता होगी, कश्ती से पार उतरना देखे तो सफलता या खुशी मिलेगी ।

कश्ती सहित डूबता देखें :- तो माल और जान पर संकट व तबाही का सामना करना पड़ेगा । लेकिन फिर बाद में सुख शान्ति मिल जायेगी ।

काजल लगाना :- आँखों की रोशनी बुढ़ापे तक रहेगी। सन्तान से संतोष मिलेगा, प्रेमिका दयालु होगी, लोगों का स्नेह मिलेगा ।

काई देखना :- बीमारी से स्वस्थ हो जाओगे, पत्नी, रिश्तेदारों व संतान से घृणा होगी, अकारण परेशानी होगी ।

कागज मिलना या देखना :- कोरा कागज देखें तो निराशा होगी, योजना पूरी नहीं होगी, व्यापार में लाभ नहीं होगा, छपा हुआ हो तो लाभ मिलेगा ।

तीर्थ दर्शन करना :- मनोकामना सफल होगी, किसी सिद्ध साधु या फकीर से

लाभ, बीमारी दूर होगी, योजना सफल होगी ।

कफन देखना या पहनना :- चिरायु होना, हर प्रकार की बीमारी से स्वस्थ होना, कोई सगा सम्बन्धी बीमार हो तो अच्छा हो जायेगा ।

कमान बनाना :- पुरुष संयम से रहे । पत्नी गर्भवती हो तो पुत्र जन्मे, स्त्री की सेवा से आनन्द पाए ।

कमान तीर सहित देखना या चलाना :- सफलता व ख्याती मिलेगी,सन्तुष्ट रहो खुशी ही खुशी मिलेगी ।

कूद कर गिरना या काँपना :- साधु संतो से ज्ञान की प्राप्ति होगी, विद्या, धन मिलेगा, परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे । पत्नी सुन्दर मिलेगी व बुद्धिमान मिलेगी ।

कोयला देखना :- राजनीति में अकारण ही उलझ कर चैन खराब होगा, कुछ लाभ न होगा, व्यापार में बहुत कम लाभ होगा, बीमार रहेंगे और चिन्तायें घेरे रहेंगी ।

कोयल देखना :- प्रेम के जाल में फसकर दुःख पायेंगे । लेकिन प्रेयसी से मिलकर सुख पायेंगे । मुसीबत आएगी परन्तु दूर हो जाएगी। धन मिलेगा लेकिन शीघ्र ही खर्च होगा ।

काली घटा देखना :- यदि जंगल में देखें तो खुशहाली और अपने घर में देखें तो दुःख मिलेगा, बिना बरसात देखें तो धन सम्पत्ति मिलते - मिलते रह जायेगी, नौकरी मिलकर भी छूट जायेगी, वियोग में दुःखी होना पड़ेगा, वतन से भी दूरी हो सकती है।

काला कुत्ता देखना :- कार्य में सफलता होगी, बिगड़े काम बनेंगे, दुश्मन दोस्त बनेंगे ।

काली के दर्शन करें :- बुरे कामों से बचे नहीं तो सत्यानाश होगा ।

कूड़े का ढ़ेर देखना :- धन मिलेगा लेकिन कठिनाई के बाद, अभी तो बहुत दिन दुःख भोगना है।

केला देखना, खाना :- भोजन कमाई का पायें खुशी होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।

कुल्हाड़ी देखना :- कठिनाई व परिश्रम का सामना करना होगा लेकिन बाद में राहत मिलेगी ।

कड़वा भोजन करते देखना :- सच्ची बात सहन करना सीखो, यदि कोई उपदेश करे तो बुरा नहीं मानना चाहिए। इसीलिए सपना देखने वाला आज तक दुःखी है। अपने मन को टटोलें और कदम उठायें ।
काले वस्त्र पहिनना :- नगर का कोई बड़ा आदमी संसार से विदा होगा, देखने वाले को राहत मिलेगी ।
कुचला खाते देखना :- हलाल की कमाई का धन मिलेगा, किन्तु बहुत सुख मिलेगा, बुरा काम करके धन कमाने की आशाा छोड़ दे । ये काम लाभप्रद नहीं होगा, नौकरी लग जाये किन्तु परिश्रम बहुत करना पड़ेगा ।
कर्जा देना या लेना :- कर्जा दे रहा है तो खुशहाली आएगी, ले रहा है तो चिन्ता में फंसेगे । व्यापार में लाभ नहीं होगा, दान करें ।
कला कृतियाँ देखना :- विद्या और ज्ञान बढ़ेगा, विख्यात होंगे, कोई ऐसा काम करें, जिससे देश में नाम ऊँचा होगा ।
कबड्डी खेलते देखना :- व्यर्थ में समय गवांए, कोई लाभ न होगा, बहुत दुःख पाओगे, लेकिन अन्त में पाला उसी के हाथ रहेगा, संकट यदि है तो थोड़े ही दिन के हैं।
कोड़ी देखना :- धन का लाभ होगा, परन्तु धीरे - धीरे इतनी गति से प्रगति होगी कि जीवन से तंग आ जायेगा । परन्तु यदि निराशा को निकट न आने दे तो खुश रहेगा, कोई काम रूकेगा नहीं ।
कबाड़ी देखना :- गरीबी व बदहाली का अन्त होगा और अच्छे दिन शुरू होंगे, हर तरह की सुख व शान्ति मिलेगी ।
कुम्हार देखना :- खुशहाली आएगी, शुभ समाचार मिलेगा, दुःख दूर होंगे ।
कपास देखना :- सुख समृद्धि घर आए, सम्पत्ति पाए ।
करघा देखना :- अल्प धन से शान्ति मिलेगी ।
कोठी देखना :- दुःख मिलेगा, दुश्मनों से सुरक्षा करें, कोई मर सकता है।
काउंटर देखना :- लेन - देन में लाभ होगा, खुशी मिलेगी ।
कम्बल देखना :- बीमारी से मुक्ति, मान - सम्मान मिलेगा, साधुओं से लाभ ।
कमल ककड़ी देखना :- सात्विक भोजन से आनन्दखुशी मिलेगी, टमाटर, भिण्डी, घिया, टिण्डा, सीताफल, अन्ननास, फरासीन, बैंगन, तरबूज,

खरबूजा, आलू, बुखारा, अंजीर तथा तमाम फलों तरकारियों का फल एक है।
काली बिल्ली देखना :- शुभ समाचार मिलेगा, बिल्ली केवल पीली देखने से हानि होती है, सफेद हो, चितकबरी या सुरमई हो तो एक बात है। बिल्ली देखने वाला सौभाग्यशाली होता है। पीली बिल्ली देखे तो दुःख होगा पर अधिक नहीं ।
कढ़ी खाना :- विधवा से विवाह हो सकता है, विदुर हो तो कुवारी से शादी हो सकती है।

(ख)

खरबूजे का खेत देखना :- निराशा दूर होगी, साहस व हिम्मत पैदा होगी । जो काम करने का विचार हो उसमें पूर्ण सफलता होगी, संतान की प्राप्ति होगी, संतान आज्ञाकारी होगी व सुख देगी ।
खून देखना :- पुण्य के उदय से धन का लाभ होगा, हर तरह का सुख मिलेगा ।
खुरचना पत्थर या लोहे का देखना :- अकारण ही परिश्रम, कुछ लाभ नहीं होगा, व्यर्थ में परेशानी होगी ।
खुरचन खाते देखना :- शुभ समाचार मिलेगा, धन का लाभ, स्वादिष्ट भोजन मिलेगा ।
खाली पीपा देखना :- निराशा रहेगी, धन बढ़ जाने पर भीतर से दुःखी रहेगा ।
खिल्ली उड़ाना किसी की :- सुख में आनंदित होगा, लोगों में असम्मान व निराशा होगी ।
खटमल देखना :- घर के भेदी से होशियार, कोई अपना दुश्मनी करेगा ।
खिलखिलाकर हंस पड़ना :- अकारण हंसे तो दुःख का कारण है, कारण से हंसे तो भलाई पाएंगे ।
खरबूजा देखना :- दुःख पायेंगे, परिश्रम के बाद भी धन न मिले, दिन कठिनाई से व्यतीत होगा ।
खाट उल्टी देखना :- जिसकी खाट उल्टी हो चिरायु हो, स्वस्थ हो, धन पाये ।

खटखटाना द्वार को :- अच्छाई और ज्ञान का द्वार है। खुल जाए तो सफलता नहीं, खुले तो निराश न हो, फिर मनोकामना पूरी होगी, थोड़ी देर होगी ।
खुशबू लगाना :- केसर, कस्तूरी, चन्दन या गुलाब या सुगन्ध वाली वस्तु हो तो अच्छाई है, दुर्गन्ध हो तो दुःख उठाये, बदहजमी पाये, अपमानित होना पड़ेगा ।
खून लगाना :- स्वस्थ और आराम का जीवन व्यतीत होगा, किन्तु माया - मोह में फंसकर भगवान को न भूलें ।
खून पीना :- बिना मेहनत के लाभ प्राप्त होगा, बुराई न करे, किसी की हत्या न करे या फिर पापों का प्रायश्चित करे व बुरे काम छोड़ दे ।
खून में लोटना :- धन, सम्पत्ति प्राप्त होने का संकेत है।
खरल देखना :- घर में बीमारी आएगी, धन या ज्ञान, खुशी मिलेगी ।
खंजरी खड़ताल बजाना :- सत्संग की ओर रुचि, योग्य काम करे, चिरायु हो ।
खाना परोसते देखना :- सुख शान्ति का आगमन, शादी होगी, पत्नी सुशील मिलेगी ।
खरपतवार देखना :- दुःख, शोक, चिन्तायें, दोस्त से नुकसान, पत्नी से कलह होगी ।
खुर देखना चौपाए का :- शुभ है। शुभ समाचार मिलेगा, धन का लाभ होगा, उपज बहुत होगी, अन्न का व्यापार करें तो ढेर धन मिलेगा ।
खोदना पथरीली धरती को :- कठिन परिश्रम से धन, किसी की मृत्यु हो सकती है। अशुभ खबर से मन हल्का न करें ।
खिलौना देखना :- संतान को जन्म देंगे, आँखों का सुख मिलेगा, पत्नी रहेगी ।
खेलना कोई खेल :- समय खुशी से बीतेगा, पत्नी का सुख मिलेगा, धन की तंगी नहीं रहेगी ।
खोलना वस्त्रों को :- विवाह होगा प्रेमिका राजी होगी, काम - सुख की ओर संकेत है।
खच्चर का माँस खाना :- कंजूस बन जायेंगे । किसी स्त्री का धन मिल जायेगा । लोग अच्छा नहीं कहेंगे ।
खच्चर का दूध पीना :- हर समय चिन्ता में उलझे रहोगे । कोई नया काम नहीं बनेगा, लज्जित व तुच्छ बना रहेगा ।

खजूर देखना :- विद्या मिलेगी, अच्छे कामों से मन को खुशी मिलेगी, अच्छे विषय का ज्ञान प्राप्त होगा, खजूर की गुठली देखे तो दुःख होगा, यात्रा करनी पड़ेगी, खजूर बटोरते देखे तो अच्छी बात सुनेंगे। अच्छे काम करेंगे, बुरे कामों से बचोगे । खजूर अपने बगीचे से लाते देखे तो बड़ों से धन मिलेगा, आशा के विपरीत लाभ होगा । खजूर चीर कर देखे तो मनोकामना पूरी होंगी । पुत्र प्राप्त होगा ।
खुबानी देखना :- बीमारी या दुःख से सामना होगा, किन्तु शीघ्र ही शान्ति मिलेगी ।
खरगोश देखना :- ऐसी स्त्री की संगत होगी जो ईमानदार व साहसी न होगी ।
खशखश देखना :- खशखश पोस्त के बीज को कहते है। को देखे तो योग्यता के काम करे और लोगों में सम्मान पाये भगवान के समान अच्छा बने ।
खाल देखना :- खाल वफादार जानवर की है तो रोजी खूब मिलेगी, अन्य की है तो दुःख व संकटों में फँसेगे, हिरण की खाल हो तो अच्छे काम करे, बहुत नाम पायेंगे, खाल शेर की हो तो शत्रु पर विजय प्राप्त होंगे । साँप की खाल देखे तो भी यही बात है।
खाना गले में पहिनना :- खाने की वस्तुऐं गले में हार बनी देखने वाला जल्दी मर जायेगा या बीमार होगा, हर तरह दुःख है। देखने वाला गुरुओं की वैय्यावृत्ति/ सेवा , आराधना करे, दान इत्यादि पुण्य कार्य करें ।
खान देखना :- धन आशा के विपरीत मिलेगा, ऐसे आदमी से लाभ होगा जिससे पूर्व में पहले जान - पहचान तक न हो, हर तरह का सुख मिलेगा ।
खारा पानी देखना :- रंज मिलेगा, संकट आयेगा, यात्रा से लाभ होगा, योजना बड़ी कठिनाई से पूरी होगी ।
खूँटा देखना या गाड़ना :- दुश्मन भी हार जायेंगे । अपने पराये सभी आदर करेंगे, जायदाद, धन कोई छीनना चाहे तो छीन नहीं सकेगा। मकान बनाये व आराम से रहे ।
खोदी गई धरती का देखना :- पैसा, इज्जत प्राप्त होगा लेकिन कठिन परिश्रम के बाद, किसी अपने की मृत्यु होगी ।
खाली बर्तन देखना :- गरीबी आयेगी, काम में नुकसान होगा, किया गया

विचार पूरा न होगा, दुःख मिलेगा, लेकिन थोड़े दिन, फिर संकट स्वयं टल जायेगा व राहत (शांति) मिलेगी ।

खाट देखना :- यह सपना अशुभ है, देखने वाला भगवान की भक्ति करे, यदि खाट पर बिछौना देखे तो शादी होगी, आराम मिलेगा, काम खूब मिलेगा इतना कि हर समय उसी में खोया रहेगा व सब कुछ भूल जाएगा बीमार पड़ेगा ।

खेत देखना :- विद्या व धन का लाभ होगा, खुशहाली आयेगी, घर भरपूर रहेगा ।

खेत जंगल में देखना :- दुश्मनों की शांति की ओर संकेत है, जिससे भय रहेगा, लेकिन संकट थोड़ा ही है शीघ्र टल जाएगा ।

खेत काटते देखना :- पत्नी से तलाक, किसी की हत्या कर देने से, परेशानी मिलेगी, दुःख भोगना पड़ेगा ।

खेत लहलहाता देखना :- संतान से सुख मिलेगा, धन का लाभ होगा, दुश्मन दोस्त बनेंगे, आशा के विपरीत किसी से लाभ होगा ।

खलियान देखना :- जो योजना है वह पूरी होगी, कोई काम अटकेगा नहीं, हर प्रकार की खुशी मिल सकती है, नाम कमायें, सर्वथा सम्मान मिलेगा जमीन जायदाद से लाभ होगा, मालिक या अधिकारी से दोस्ती होगी जो खुशी का सकेंत है।

कानखजूरा देखना :- दुश्मनों से सावधान,किसी तरह की हानि हो सकती है, बीमारी का दुःख होगा, बुरा समाचार मिलेगा ।

खाई खोदना :- दुःख भोगेंगे, शहर व राज्य पर संकट, शत्रु का खतरा

खटाई खाना :- परेशानी व चिन्तायें घेर लेंगी, पैसे की तंगी हो जाए लेकिन थोड़े दिन का संकट रहेगा, पीछे पीछे किसी की बुराई करने की आदत छोड़ दें ।

खेलते देखना :- बच्चों को देखे तो संतान को सुख मिलेगा, बड़ों को देखें तो मित्रों से लाभ, स्वयं को देखें तो समय बेकार नष्ट करेंगे और पीछे पछतायेंगे, स्त्रियों को देखें तो काम सुख मिलेगा, शादी मन पसन्द होगी ।

खीलें बाँटते देखना :- धन मिलेगा, अच्छे काम होंगे, जिनसे आदर बढ़ेगा ।

खुले किवाड़ देखना :- जो काम किया जायेगा करेगा उसमें सफलता होगी, हर

यात्रा सफल होगी, हर दुश्मन परास्त होगा, कोई चिन्ता नहीं रहेगी, बिगड़ी बन जायेगी, खुशहाली आयेगी, आशा के विपरीत धन मिलेगा, आदर व सम्मान प्राप्त होगा, व्यापार में लाभ होगा, सरकार, दरबार में जाने का अवसर मिलेगा ।

खट्टा मेवा देखना :- शोक व दुःख का सामना होगा, चिन्तायें घेरेंगी, परेशानी आएगी, दान दें, शुभ कार्य करें, कठिनाई दूर होगी ।

खेती करना :- लाभ होगा, धन मिलेगा, पत्नी पवित्र मिलेगी, गर्भवती होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।

(ग)

गाजर देखना :- खेत में देखे तो खूब अन्न होगा, सब्जियाँ आयेगी,यदि बिना मौसम के देखें तो चिन्ता घेर लेगी, कई तरह के कष्ट होंगे ।

गऊ - बैल - बछड़ा देखना :- जितने स्वस्थ पशु दिखेंगे उतना ही लाभ होगा ।

गऊ - बैल बछड़ा पीले रंग के देखना :- बस्ती में महामारी होने का संकेत है, सावधान रहें ।

गधा देखना :- प्रेम व स्नेह का चिन्ह है। यदि लदा हुआ पायें तो लाभ होगा, हर तरह लाभ होगा, हर तरह का सुख मिलेगा, व्यापार में लाभ होगा ।

गधी का दूध पीना :- बीमार हो तो स्वस्थ हो जायेंगे, आज्ञाकारी संतान से सुख मिलेगा, मित्रों व दोस्तों से प्रसन्नता होगी ।

गधे की चीख सुनना :- दुःख होगा, शहर पर विपत्ति आएगी, पत्नी से मन - मुटाव होगा, किसी भी कारण से अदालत हो सकती है, कष्ट होगा ।

गधे की सवारी करना :- सरकारी दरबार में स्थान मिलेगा, व्यापार में लाभ होगा, संकट रहेगा, कोई शुभ समाचार मिलेगा ।

गधे का पेशाब देखना :- किसी भयंकर रोग से स्वस्थ हो जाओगे, कोई ऐसा काम न करें जिससे लज्जित होना पड़ेगा ।

गधे की पीठ पर लादना :- हर तरह का संकट दूर हो जायेगा, सहयोगी सतर्क मिलेंगे, जिससे लाभ होगा ।

गर्म पानी देखना :- बुखार व बीमारी से परेशानी होगी, काफी देर में आराम मिलेगा ।

गर्दन देखना या सिर कटा देखना :- बीमार ठीक होगा, कर्ज अदा हो जायेगा, हर परेशानी दूर होगी, अच्छे कार्य के अवसर मिलेंगे ।

गुलाब देखना :- ऊँचा स्थान मिलेगा, जनता में लोकप्रियता मिलेगी, व्यापार में बहुत लाभ होगा, शुभ समाचार मिलेगा, दोस्तों से स्नेह व दुश्मनों से सन्धि बढ़ेगी, प्रेमिका से मिलन होगा, पत्नी सुशील मिलेगी, पुत्र पैदा होगा, कुल में प्रशंसा होगी, स्त्री देखे तो वर का प्यार मिलेगा,ससुराल वालों की चहेती बनेगी

गंजा अपना सिर देखना :- कर्ज उतरेगा, मुसीबत टलेगी,विद्वान बनोगे, परीक्षा या साक्षात्कार में उत्तीर्ण होंगे, धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा, अपने बराबर वालों में सम्मान बढ़ेगा ।

स्वयं को गूँगा देखना :- दुःख पायेंगे । अज्ञानता के अन्धकार में उलझा रहेगा, हर जगह अपमानित होना पड़ेगा ।

गद्दा देखना :- विवाह होगा, पत्नी से प्रेम व कामसुख ।

गर्भ देखना :- पुत्र का जन्म होगा, यदि स्त्री स्वयं को देखे तो लड़की होगी ।

गिद्ध देखना :- खुशहाली आएगी, बीमार को स्वास्थ्य लाभ होगा, चिन्ता रहेगी, शुभ समाचार मिलने का सन्देश है। विद्वान से लाभ होगा, सरकार आदि में पूछ होगी ।

गन्दगी देखना :- बुरा धन हाथ आएगा जिससे सुख के बजाय दुःख मिलेगा, देखने वाला समझता है, कि इस दुनिया में शायद बेईमानी करके ही बड़े बनते है। यह विचार छोड़ दें व ईमानदारी से कार्य करें । वेश्यागमन का अभ्यस्त होत, तो यह बुरा काम छोड़ दे क्योंकि इससे हानि ही हानि है इससे अंततोगत्वा दुःख भोगना पड़ेगा, सपना देखने वाला किसी ऐसी लड़की पर बुरी दृष्टि रखता है जिसके घर वाले विश्वस्त समझते हैं, उसका विचार छोड़ दे, मन को पवित्र करें तो भलाई होगी ।

गाड़ी देखना :- यात्रा का विचार हो तो, सफलता मिलेगी ।

गेंद देखना :- परेशानी होगी, यात्रा से लाभ नहीं होगा, भाग - दौड़ होगी, किन्तु कुछ हाथ नहीं आएगा ।

गेंदे का फूल देखना :- देते या सूंघते देखें तो बुरी आदतों से बचें, बुरा काम **करेंगे व बदनामी मिलेगी ।**

गली देखना :- यदि सुनसार है तो लाभ होगा, लोगों से भरी है, तो मुहल्ले में किसी की मृत्यु होगी, खुशहाली कठिनाई से आएगी ।

गोभी देखना :- भोजन खूब प्राप्त होगा, किसी बात का दुःख नहीं होगा, शादी होगी, पत्नी मन पसन्द न होगी फिर भी प्रसन्न रहेगी ।

गोली मारना :- दुश्मन पर विजय होगी, कठिनाइयाँ नहीं रहेंगी, बीमारी से छुटकारा मिलेगा ।

गोदी में बिठाना :- प्रेमिका खुश रहेगी, घर वाले स्नेह करेंगे, विवाह होगा, पत्नी मन पसन्द मिलेगी, परिवार का सुख मिलेगा ।

गोंद खाते देखना :- दूसरे की कमाई का भोजन शरीर पर लगेगा, कोई बीमारी नहीं होगी, स्वास्थ्य अच्छा होने से काम खूब करे और उन्नति पायें, पुत्र जन्म का संकेत है।

गोलक देखना :- कंजूस बनेंगे, धन खूब जोड़े पर लाभ स्वयं नहीं उठाएंगे ।

गुड़ खाना :- गुड़, गन्ना, गुडम्बा, गुड़धानी, गुलकन्द अथवा कोई मीठी वस्तु खाने का फल यह है कि मित्रों, घर वालों, प्रेमिका, पत्नी, संतान, मालिक अधिकारी यहाँ तक कि दुश्मनों से भी प्रेम भाव बढ़ेगा, ऐसा भाग्यशाली सफल मनुष्य कहा जाता है।

गोबर देखना :- कुबेर का धन मिलेगा, खेती में अन्न उपजेगा, दूध, घी की कमी न होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।

(घ)

घी देखना :- शुभ सपना है, धन दौलत मिलेगी, तंगी नहीं होगी ।

घास देखना :- शुभ सपना है, लाभ ही लाभ होगा, खुशहाली होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।

घर देखना :- बड़ा घर है तो चिरायु होगी, छोटा है तो अल्पायु होगी, दुःख मिलेगा ।

घर लोहे का देखना :- **बहुत शक्ति धन, यश, तेज सन्तान,पत्नी, प्रमिका, मित्र** सम्बन्धी हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा,शत्रु से कोई हानि न होगी ।
घर में किसी का प्रवेश देखना :- शत्रु पर विजय होगी, बीमारी दूर होगी, खुशहाली आएगी ।
घर में आग देखना :- माल मिलेगा, बीमारी दूर होगी, खेत में उपज होगी, यदि स्वयं को आग में पाए तो कोई ऐसा काम होगा जो अच्छा न होगा ।
घर सोने का देखना :- घर में आग लगने का खतरा है, सब कुछ नष्ट होने का संकेत है।
घोड़ा देखना :- धन विदेशी व्यापार द्वारा प्राप्त होगा, बड़ा धन मिलेगा, सम्मान व आदर प्राप्त होगा, पत्नी सुन्दर मिलेगी, काम - सुख का आनन्द मिलेगा ।
घर धरती पर देखना :- पत्नी सुन्दर मिलेगी, लड़ाई झगड़ों में उलझ जाऐगें आकरण ही दुःख भोगना पड़ेगा ।
घोड़ा चितकबरा देखना :- साहस और वीरता में नाम आएगा, दुश्मनों पर विजय का संकेत है। घोड़ा दौड़ते हुए देखना तो नेता या अधिकारी बनेंगे, घोड़ा पीले रंग का देखे तो दुःख पाओगे ।
घोड़ी देखना :- स्त्री मिलेगी, कुंवारा हो तो शादी की तैयारी करें, पत्नी सुन्दर मिलेगी ।
घोड़ी का दूध पीना :- बीमारी से स्वास्थ्य लाभ होगा, हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा, कोई तंगी नहीं होगी ।
बगीचे में घर देखना :- शान्ति और सुख का संकेत है। हर प्रकार के संकट दूर होगे, सुख व शान्ति से जीवन व्यतीत होगा ।

(ड़)

डाढ़ी देखना :- इज्जत व सम्मान बढ़ेगा,हर तरफ इज्जत होगी, समाज में ऊँचा स्थान प्राप्त होगा, लोग बात को मानेगें और पसन्द करें, ड़ाढ़ी जितनी घनी देखेंगे उतनी ही इज्जत बढ़ेगी ।
ड़ाढ़ी पेट से नीचे तक देखना :- कर्जदार की चिन्ता होगी जो काफी कठिनाई

से दूर होगी ।
स्त्री अपने मुख पर डाढ़ी देखे :- यदि स्त्री गर्भवती हो तो पुत्र को जन्म देगी, वियोग में हो तो उसका पति मिल जायेगा, घर में पति हो तो यात्रा पर चला जायेगा, विधवा हो तो पुर्नविवाह करे, बदचलन हो तो चलनदार बन जाये ।
डाढ़ी काली देखना सफेद देखना :- मान सम्मान बढ़ेगा, कार्य में सफलता मिलेगी, लोग इज्जत करेंगे, सफेद हो तो और बड़ाई मिलेगी, डाढ़ी उखड़ना देखे तो आवश्यक व्यय करे । और हानि उठाये, डाढ़ी हल्की अधिक हो तो चिन्तायें घेर लेगी, डाढ़ी के बाल गिरते देखे तो गरीबी और तंगी घेर लेगी ।
डोली सजते देखना :- मनोकामना पूरी होगी, ऊँचा स्थान मिलेगा, विवाह होगा या नेता चुना जाएगा ।
डली देखना :- धन का लाभ होगा, लोकप्रियता बढ़ेगी, खुशी का समाचार मिलेगा ।
डोल देखना :- खाली देखे तो परेशानी होगी, विचार पूरा न होगा, यदि ड़ोल पानी से भरा है तो मनोकामना पूरी होगी ।
डिबिया देखना :- मन की बात खुल जाने के कारण लज्जित होना पड़ेगा, कोई ऐसी बात हो जाये जिससे अकारण ही उलझन होगी ।
डण्डा देखना :- दुश्मन का पुलिस का भय है, सावधान रहना चाहिए, किसी की बुराई पीठ पीछे न करें, किसी के झगड़े में पाँव न अड़ाये ।
डलाव देखना :- गन्दगी में मन उलझा रहेगा, बुरे काम पसन्द आयेंगे, पापों से बचना आवश्यक है, बुरा काम छोड़ दे तो भलाई है।
डालियाँ टूट कर गिरते देखना :- छोटी हो तो सुख होगा, बड़ी है तो बहुत तबाही होगी, दान देना चाहिए ।
डस लेना बिच्छू या साँप का :- पाप धुल जायेंगे, चिरायु हो, दान आवश्यक है।
डण्डा हाथ से छूट जाना :- तुम जिस पर भरोसा कर रहे हो, वह विश्वास के योग्य नहीं है, उससे बचो अन्यथा बीच मैदान मरवा देगा ।
डुग्गी पीटते देखना :- शुभ समाचार मिलेगा, बदनामी होगी या ख्याति मिलेगी
डाली पर कौआ बैठा देखना :- मेहमान आएंगे, शुभ समाचापर मिलेगा या धन हाथ में आएगा ।

डोली पर कुत्ता सवार हो :- आप के नगर का वैद्य अच्छा नहीं है, उसकी दोस्ती दुश्मनी दोनों में बुराई है, सावधान रहो।

डाकिया,डाकखाना, लैटर बॉक्स देखना :- शुभ सूचना आएगी, चिरायु होगी, किसी बिछुड़े यार का पत्र आएगा या कुशलता प्राप्त होगी।

डालें देखना :- वृक्ष की डालें हवा में झूलती देखे तो लाभ होगा, खुशी का समाचार मिलेगा, पुत्र की प्राप्ति होगी, शादी हो जायेगी, प्रेमिका से भेंट होगी, रूठा मित्र मान जायेगा।

डर कर भागना :- मुसीबतें दूर होगी, मन की अभिलाषा पूरी होगी, कोई दुःख भय न रहेगा, बुरे काम छूट जायेंगे,यदि शराब, जुआ, वैश्यावृत्ति या कोई बुरा काम करने की लत हो तो छोड़ने का प्रयास करें।

डाकू देखना :- दुश्मन से डर है कोशिश करो कि मामला बातचीत से तय हो जाये, कोई ऐसा मित्र भी दुश्मन हो सकता है, जिस पर बहुत भरोसा हो, बेटी, बहिन जवान हो, तो शीघ्र विवाह का प्रयास करना चाहिए, अपनी पत्नी पर नजर रखना आवश्यक है।

डाका मारना :- किसी अन्य के धन से अपमानित होना पड़ेगा।

(च)

चाँद देखना :- बादशाह, प्रधान या प्रधानमंत्री, बन सकते हो, पत्नी सुन्दर मिलेगी, कुबेर का धन प्राप्त होगा।

चाँद को गोदी, घर या धरती पर देखना :- चाँद सा पुत्र प्राप्त होगा, शादी होने वाली है,तो चाँद सी दुल्हन आएगी, लड़की देखे तो चाँद सा वर मिलेगा।

चाँद को धुधंला देखना :- परेशानी, कमजोरी या बदनामी होगी, पत्नी गर्भवती

है तो गर्भपात का भय होगा या कोई और कठिनाई आएगी।

चाँदनी धरती पर देखना :- इस धरती पर रहने वाले सरकार से लाभ उठायें हर प्रकार का चैन जनता को मिलेगा, कोई दुःख न होगा।

चाँदी का टुकड़ा पाना :- सुन्दर प्रेमिका से निकटता प्राप्त होगी, खूब भोग विलास व यश लूटने का अवसर मिलेगा, लेकिन बिना विवाह के प्रेमिका को छूना पाप होगा, अतः चाहिए कि पवित्रता के मार्ग से प्रेमिका को ग्रहण करें।

चर्खा कातना :- इज्जत सरकार में पाये, नेता बने, यदि गरीब भी रहे तो बेईमानी से डरते रहे।

चप्पल पहिनना :- पत्नी आज्ञाकी मिलेगी, पुत्र योग्य होगा, यात्रा होगी।

चटनी खाना :- दुःख होगा, धन की हानि होगी, गरीबी आयेगी।

चटखारे खाना :- स्वादिष्ट भोजन मिलेगा,सुन्दर युवती की संगति प्राप्त होगी।

चाट बारह मसाले की खाना :- खूब भोजन पायें, पत्नी मनोहारी व खुश मिजाज मिलेगी, काम सुख मिलेगा।

चोली अंगिया देखना :- कुँवारी युवती से काम सुख, पत्नी सुशील, योग्य पुत्र मिलेगा।

चोला जोगिया पहिनना :- सन्यास, ले लें नहीं तो दुःख भोगेंगे, ब्रह्मचारी हो जाओ।

चमचा देखना :- खुशामद करने वालों से बचे, ये दुश्मन है, दोस्त बनकर दुःख देते हैं।

चलता पहिया देखना :- कारोबार में उन्नति होगी, धन का लाभ होगा, यात्रा सफल होगी, विवाह शीघ्र होगा, पुत्र होगा।

चाँदी खान से निकालना :- किसी भोली - भाली लड़की को धोखा देकर ठगोगे उसे बरबाद करके बदनामी पाओगे,सावधान रहने की आवश्यकता है।

चाँदी गलाते देखना :- अपने ही लोगों से बैर होगा, चिन्ता, संकट से घिर जायेंगे, कई प्रकार का दुःख पायेंगे।

चाँदी खोदी पाना :- समृद्धि घटेगी, माल दौलत में कमी आयेगी, हानि उठाएगें और जो भी व्यापार करेंगे उसमें लाभ न होगा।

चावल देखना :- बड़ी कठिनाई से धन मिलेगा, अधर्मी से लाभ होगा, सावधान

रहे अपने ही हानि पहुँचा सकते है। सरकारी नेतृत्व, में कठोरता होगी, नौकरी में उन्नति होगी, लोकप्रिय बन जाने की सम्भावना सबल है।
चादर देखना :- पत्नी बफादार व सुशील मिलेगी, कोई बुरा करने की भूल हो जाए जिसके परिणामस्वरूप लज्जित होना पड़ेगा।
चिराग देखना :- आयु बढ़ेगी, यदि झिलमिलाता देखें तो विपरीत,यदि दीवट देखे, तो पत्नी कुरूप मिलेगी।
चन्दन देखना :- मान सम्मान, लोगों में सम्मान होगा, अच्छे कार्यो की प्रेरणा मिलगी।
चश्मा, आँखें देखना :- यदि खुली हुई सुन्दर आँखें देखें, तो खुशी मिलेगी, यदि बन्द आँखें देखे तो दुःख पाए, किसी को देखता हुआ पाए तो प्रेमिका पत्नी बन जाए।
चक्की देखना :- जनता में सम्मान पाए, लोगों को अच्छी सलाह दें। यात्रा होने पर सकुशल वापसी होगी।
चुकन्दर देखना :- धन का लाभ होगा, व्यापार में सफलता मिलेगी, जिस काम को करने की योजना हो वह हो जाएगा, सुविख्यात होंगे।
चक्की देखना बिना आटे की :- व्यर्थ में समय नष्ट करेंगे, इधर - उधर की बातों में बदनाम होकर अपमानित होंगे। यदि चक्की बिना हत्थे के देखें तो किसी की मृत्यु होगी।
चूहा देखना :- स्त्री अयोग्य मिलेगी, जिसके कारण हर समय चिन्ता होगी।
चाय पीना :- स्वास्थ्य ठीक होगा, मित्रों से मेल - मिलाप रहेगा, खुशी का समाचार मिलेगा।
चूहें को कुछ खाते देखना :- जिसकी वस्तु चूहा खाएगा उसे हानि होगी, आयु कम होगी, कई प्रकार कष्ट होंगे।
चाक खड़िया देखना :- अगर लिखता देखे तो कीर्ति प्राप्त होगी, अपने भेद स्वयं खोले।
चील देखना :- बुराई के काम बहुत करेंगे, अकीर्ति होगी, हर जगह अनादर की दृष्टि से देखा जाएगा।
चौखट देखना :- प्रेमिका के लिए बहुत दुःख भोगने पड़ेगे, तत्पश्चात मिलन

का साधन उत्पन्न होगा, किसी मित्र के साथ लाभ हो सकता है।
चाण्डाल देखना :- बुरा है, दान दें, व दीनों की सेवा करें, संकट दूर करने का यही उपाय है।
चूड़ियाँ देखना :- वह घर उजड़ जाएगा, रहने वाले कम हो जाएंगे, दुःख होगा, संकट आयेगा।
चीखना :- दुश्मन से हरदम भय रहेगा, कई प्रकार के रोग होंगे, हानि व घाटे का सामना होगा।
चील देखना :- बुराई के काम बहुत करेंगे, बदनामी होगी, हर जगह अनादर की दृष्टि से देखा जाएगा।
चिरौंजी देखना :- लाभ होगा, खुशी है, कन्या का जन्म होगा।
चाकू देखना :- दुश्मन से हानि, परन्तु अन्त में विजय
चौकी देखना :- खुशी, आराम, धन का लाभ, सम्मान, आदर पाएगें।
चोटी देखना :- दुःख होगा, पुरुष की देखे तो सुख होगा।
चोट देखना :- वीरता, साहस बढ़ेगा, धन बढ़ेगा।
चमड़ा देखना :- दुःख होगा, माल मिलेगा लेकिन कठिनाई से।
चौराहा देखना :- यात्रा सफल होगी, इरादा पूरा होगा।
चूरन खाना :- बीमारी से लाभ होगा।
चूजा देखना :- सुख, समृद्धि व सन्तानोत्पत्ति होगी।
चुड़ैल देखना :- दुःख होगा, कोई मर जाएगा, धन की हानि होगी, बीमारी आएगी।
चौबारा देखना :- नाम व सम्मान मिलेगा।
चाय, पानी, कप देखना :- भारी दोस्ती बढ़ेगी, धन का लाभ होगा।
चीनी का ढेर :- माल मिलेगा, आशा के विपरीत लाभ, पत्नी से प्रेम होगा।
चोकर देखना :- धन की हानि, गरीबी तंगी होगी।
चमार देखना :- परेशानी उठायेगें, जो काम करे वह देर से पूरा होगा।
चबूतरा देखना :- जग में ख्याति व बड़ा स्थान प्राप्त होगा।
चूना देखना, खाना :- दुःख भोगना पड़ेगा।
चार वस्तुऐं देखना :- काम बनेगा, दोस्ती बढ़ेगी, प्रेम भाव होगा।

चार दीवारी देखना :- जान - माल के लिए खतरा नहीं होगा ।
चित्र देखना :- ऐसी सूरत की तमन्ना करे जिससे मिलने से सन्देह हो, स्त्री गर्भवती हो तो कन्या होगी, हर चित्र का फल यही है ।
चौखट देखना :- खुशी आयेगी, प्यार मिलेगा, शुभ समाचार व धन मिलेगा ।

(छ)

छाल वुक्ष की खाना :- मित्रों से दुःख मिलेगा, सूखा पड़ेगा, अकाल होगा, गरीबी या बेरोजगारी से दुःख होगा ।
छींकना :- कोई ऐसी भावना जो मन में है जो पूरी नहीं हो रही है, वह पूरी हो जायेगी, शुभ स्वप्न है।
छछूंदर देखना :- व्यापार और स्वास्थ्य की हानि, नौकरी हो तो, मालिक या आफिसर से झगड़ा होगा, घर में मन - मुटाव होगा ।
छाछ पीना :- कार्य में सफलता, धन का लाभ और व्यापार में उन्नति होगी, कोई अच्छा समाचार मिलेगा ।
छलनी देखना :- जो काम करे उसी में हानि होगी, व्यापार करें तो पूँजी से भी हाथ धोयेंगे, किसी पर उपकार करेंगे तो बदले में बुराई मिलेगी ।
छुरा देखना :- दुश्मन से भय है, हर समय सावधान रहें, वैसे दुश्मन कुछ बिगाड़ नहीं सकेगा ।
छज्जा गिरता हुआ देखना :- मित्र को हानि पहुँचेगी, सहारे समाप्त होंगे, दुःख भोगना पड़ेगा ।
छालें पाँवों में देखना :- संघर्ष के दिन समाप्त हो गये है, अब सुख का स्थान निकट है।
छाल वृक्ष की देखना :- बीमारी से मुक्ति होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।
छैनी देखना :- बनायी गई योजना पूर्ण हो सकती है। पत्नी के साथ काम सुख मिलेगा ।
छिपकली देखना :- बीमारी आयेगी, तंगी होगी, दुश्मन से कष्ट होगा ।
छैल छबीली नार देखना :- जान पहचान की है तो विवाह होगा, अंजान है तो

वेश्यागमन होगा ।
छुहारा खाना :- पुरुष खाये तो धन मिलेगा, स्त्री खाये तो पुत्र लाभ होगा, सुख मिलेगा ।
छतरी लगाकर चलना :- हर तरह की मुसीबतों से बचाव होगा,सुख, खुशहाली प्राप्त होगी ।
छत देखना :- राज दरबार में बड़ा सम्मान मिलेगा, बड़ी उन्नति के संकेत है।
छै वस्तुयें देखना :- व्यापार में लाभ, खेती में अच्छी उपज होगी पत्नी पुत्र को जन्म देगी ।
छानते आटा देखना :- न्याय प्रिय बने,बुरी बातों से बचे,चरित्रवान हो,सुखी रहेंगे ।
छल्ला पहिनना :- कुँवारा या कुँवारी देखे तो शीघ्र सगाई होगी, किसी गुरु की शिक्षा मिलेगी, किसी मित्र हितैषी की अच्छी सलाह मिलेगी ।
छप्पर देखना :- सुख व शान्ति मिलेगी, घर बन जायेगा, बेसहारा हो तो आसारा मिल जायेगा, बेकार को नौकरी व शादी हो जायेगी ।
छापाखाना देखना :- विद्वान होगा, धन का लाभ कम होगा, यश - कीर्ति बढ़ेगी, उन्नति मिलेगी किन्तु देर से ।
छत देखना :- छप्पर के समान ही छत देखने का भी फल है। यदि छत से गिरता या पानी टपकते देखे तो दुःख अवश्य मिलेगा ।
छोटे बच्चे देखना :- संतान का सुख प्राप्त होगा, घर में अमन, चैन का संकेत है, सन्तान हीन पत्नी के लिए सन्तानोत्पत्ति की आशा है।
छेड़ना किसी सुन्दरी को :- यदि वह हंस दे तो व्यभिचार करे, काम सुख भोगे किन्तु बदनामी मिलेगी, गुस्सा हो तो अपमानित व निराश होना पड़ेगा ।
छोले खाना :- धन मिलेगा, गरीबी भागेगी, खुशी का समाचार मिलेगा ।
छेद करना पत्थर या लकड़ी में :- पत्नी हाथ आयेगी, गड़ा हुआ धन मिलेगा, खुशी की वर्षा होगी ।
छेद करना बालू या कीचड़ में :- समय व्यर्थ गवायेंगे, पत्नी मिलेगी पर चलन ठीक न होगा ।
छात्र - छात्राओं का समूह देखना :- सन्तान को विद्या धन मिलेगा, स्वयं पढ़ता

हो तो, पास होगा, मनोकामना सिद्ध होगी ।
छीटें पानी की पड़ना :- दुःख दूर होगा, धन मिलेगा, पत्नी प्रेमिका का प्यार मिलेगा ।
छड़ी देखना :- दोस्त या रिश्तेदार का सहारा मिलेगा, संतान से लाभ, शत्रु का नाश ।
छै उंगलिया देखना :- लोगों का प्रेम प्राप्त होगा, हर तरह का सुख प्राप्त होगा, धन हाथ आएगा, सफलता मिलेगी ।
छींलना किसी फल का :- केला, संतरा, मौसमी, आम आदि को छीलते देखें तो सुख पाये ।
छींट का कपड़ा देखना :- विवाह होगा, पत्नी सुन्दर मिलेगी, खुशहाली आएगी
छातियाँ देखना :- पत्नी मिलेगी, संतान की प्राप्ति होगी, हर प्रकार का सुख मिलेगा ।

(ज)

जाम देखना :- हर काम में सफलता होगी, बुद्धि बढ़ेगी व कई प्रकार की ऐसी विशेषताएं प्राप्त होगी, जिनसे मनुष्य लोकप्रिय होता है।
जेल देखना :- बदनामी होगी, बदनामी के काम करंगे, जेल से बाहर आता देखें तो उद्देश्य सफल होगा ।
जहाज देखना :- क्रोध से मुक्ति होगी, माल का व्यय बहुत होगा, किन्तु मन को संतोष रहेगा किसी प्रकार की चिन्ता है तो वह दूर हो जायेगी ।
जल्लाद देखना :- कोई बुरा काम करेंगे, दुख मिलेगा, दुश्मन का भय रहेगा किन्तु आयु बढ़ेगी ।
जंगल देखना :- कोई कष्ट चल रहा है तो शीघ्र दूर होगा, आराम ओर खुशी का सन्देश है, यदि जंगल में सूखे पड़े हैं,तो दुःख बीमारी का भी संकेत है।
जनाजा अर्थी देखना :- अपनी अर्थी या जनाजा देखने का फल यह है कि जिस कार्य को कर रहा है उससे सफलता मिलेगी, दुश्मन परास्त होगा ।
जालिम को देखना :- बुरे कार्यो में फसेंगे, दुःखों का सामना करना पड़ेगा,

बहुत दुःख पायेंगे, दान करें तो संकट टलेगा ।
जटायें देखना :- हर प्रकार का लाभ, थोड़ा कष्ट होगा ।
जावित्री देखना :- दुःखों का अन्त, लेकिन स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ी ।
जूस पीना :- लाभ, धन, स्वास्थ्य, इज्जत बढ़ेगी, रूपया हाथ में आयेगा ।
जूता देखना :- पत्नी सुशील व सुन्दर प्राप्त होगी, पत्नी इतना सुख देगी कि देखने वाले अन्य सारे दुःखों को भूल जायेंगे, यात्रा का भी संकेत है, सुरक्षित वापस आयेगा, यदि व्यापारी है तो लाभ उठायेगा ।
जलसा देखना :- अगर जलसे मे लोगों को प्रसन्न देखें, तो सुख मिलेगा यदि दुःखी देखें तो अपने किसी निकटवर्ती के विषय में अशुभ समाचार सुने ।
जग देखना :- हर प्रकार की चिन्ता से मुक्ति होगी, धन मिलेगा, उद्देश्य सफल हो, अर्थात भोजन मिले ।
जलेवी खाना :- सुन्दर स्त्री से काम सुख,आराम करे दुनिया को भूल जाए ।
जलूस देखना :- नेता बनेंगे, मान सम्मान पाये,सरकारी नौकरी में उन्नति मिलेगी ।
जलता हुआ घर देखना :- बीमारी, दुःख, तंगी व परेशानी में जिन्दगी, दान करें ।
जलता हुआ मुर्दा देखना :- शुभ है, लाभ होगा, समाचार शुभ मिलेगा, चिरायु हो ।
जोगी देखना :- संसार में मन फिर जायेगा, सन्यासी बनेंगे या पूजा - पाठ में मन रहेगा ।
जोगिन देखना :- प्रेमिका से वियोग होगा, मिले तो सदैव के लिए बिछुड़े, तो सदा के लिए
जलजीरा पीना :- सुख मिलेगा, खुशी होगी ।
जीव्हा सूख जाना :- परेशानी व दुःख मिलेगा ।
जेट विमान देखना :- सफलता शीघ्र मिलेगी।
जोकर देखना :- समय बरबाद होगा, निराशा हाथ आयेगी ।
जाल देखना :- मुसीबतों में फंस जायेंगे, बड़ी कठिनाई से संकट टलेगा ।
जादू देखना :- चिरायु होना, बड़े लोगों की संगति होगी, दुश्मन पराजित होगा,

कोई शुभ समाचार आयेगा ।
जूता देखना :- यात्रा होगी, पत्नी मनपसन्द व आज्ञाकारी मिलेगी, संतान सुख मिलेगा ।
जाप करना :- शुभ कार्य करें, कठिनाई दूर होगी, घर में खुशहाली आएगी और शहर में आदर सत्कार होगा, लोग उसे सम्मान देंगे, कहीं से शुभ समाचार मिलेगा ।

(त)

तांबा देखना :- सरकार या धनाढ्य से लाभ पहुँचेगा, मान - सम्मान मिलेगा, कार्य में सफलता होगी ।
तरबूज देखना :- अपनों में सम्मान मिलेगी, खाना अच्छा मिलेगा, लाभ होगा ।
तीतर देखना :- बफादार पत्नी मिलेगी, सुन्दर प्रेमिका से काम सुख, पापों से लज्जा पाऐंगे, मंहगाई बढ़ेगी ।
तैरना तालाब या नदी में :- स्वास्थ्य लाभ होगा, सफलता मिलेगी, डूबता देखें तो दुःख और परेशानी होगी, कर्ज बढ़ेगा ।
तबला बजाना :- संसारिक सुख इतना मिलेगा, कि कर्त्तव्य याद नहीं रहेगा ।
ताशा बजाना :- सफलता का चिन्ह है, गांव में सुख, नगर में उल्लास रहेगा ।
तरबूज खाना :- धन और भोजन की कमी पूर्ण होगी और इरादा पूरा होगा ।
तीन वस्तुएं खाना या देखना :- दुःख का लक्षण, व्यापार में हानि, लड़ाई किसी प्रिय से होगी ।
तान उड़ाना :- खुशी मिलेगी, सुख अपार मिलेगी, बीमारी से बचना चाहिए ।
तकिया देखना :- तेजवान बने, कार्य में सफलता मिलेगी, सरकारी दरबार में यश व कीर्ति पाऐंगे ।
तलवार देखना :- शत्रु पर विजय प्राप्त होगी, तीर कमान और अन्य हथियारों के विषय में भी यही फल बताया है।
तबूंरा देखना :- स्त्री से संतोष होगा लेकिन चिन्ताओं के कारण पूरा आराम (सुख) प्राप्त न होगा, स्वभाव को नर्म रखना चाहिए अन्यथा हानि हो सकती

है।
तीर निशाने पर मारना :- उद्देश्य प्राप्त करेंगे, राहत पाएंगे लेकिन छिपा न सकेगें और दुःख मिलेगा, मन की बात छिपाना आवश्यक है।
तपस्वी को देखना :- पापों और बुरी आदतों से छुटकारा मिलेगा, मन शान्त होगा ।
तिकोना देखना :- गलत मार्ग पर चलेंगे लोगों से लड़ाई होगी, कोई ऐसा काम करेंगे जिससे हानि होगी ।
तिरंगा झण्डा देखना :- सरकार की सफलता बढ़ेगी, चाहे लोगों को कितना ही कष्ट हो, यश कीर्ति होगी, नेता की जय - जय कार होगी, झण्डा नीचा देखें तो कोई नेता मर जाएगा ।
तालाब में नहाना :- हर तरह की बुराइयों से पवित्र होने का अवसर मिलेगा, मन स्वच्छ होगा, कोई बुरी आदत है,तो छूट जायेगी ।
तार देखना :- जीवन समृद्ध होगा, प्रेमी से लाभ, दुश्मन हार जाऐंगे, अपनों से मैत्री, प्रेम बढ़ेगा तार टूटता देखें तो किसी अपने की मृत्यु का समाचार मिलेगा या किसी से लड़ाई होगी ।
ताड़ का पेड़ देखना :- सम्मान पाना, बिगड़े काम बनेंगे,जो निश्चय किया है वह देर में पूरा होगा, मन की आशा पूर्ण होने में देर लेगेगी ।
ताला देखना :- सफलता और विजय के चिन्ह उत्पन्न होंगे, बिगड़े काम बनेंगे, मनोकामना पूर्ण होगी, प्रमिका से मिलन होगा ।
तोलना किसी वस्तु का देखना :- वह वस्तु मंहगी होगी, अन्न तोले तो अकाल का डर सोना तोले तो दुःखदायी ।
तौलिया सफेद देखना :- निशानी हे स्वास्थ्य की, चाल - चलन गलत है तो ठीक होगा ।
तिल देखना :- बहुत खुशी होगी, धन का काम, व्यापार की उन्नति है।
तिल किसी की आँखों में देखना :- दूसरों की बुराइयाँ खोजने की आदत छोड़े, इसमें दुश्मनी के शिवाय कुछ हाथ नहीं आता ।
तसला देखना :- भरा है तो सुख, खाली है तो संघर्ष करके सफलता मिलेगी ।
तुतलाकर बोलते देखना :- मूर्खता पूर्ण काम होगा जिन्हें संसार के लोग बुरा

समझेंगे ।
तला हुआ पकवान खाना :- शुभ समाचार आएगा, खुशी मिलेगी, पेट के रोग से कष्ट होगा ।
तला जूते का फटा देखना :- यात्रा में असफलता होगी, राह में कष्ट होगा ।
ताली बजाना :- सुख की निशानी है, खुशी मिलेंगी, कोई काम गलत होगा।
ताना - बाना जुलाहे का देखना :- कठिनाई से जीविका चलेगी, हलाल धन से सुख होगा ।
तालमखाना देखना :- धन की प्राप्ति, किन्तु जल्दी कार्य हो जाएगा, खुशी का समाचार मिलेगा, किन्तु शीघ्र ही रंज में बदल जाएगा, बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है।
तागा देखना :- हर प्रकार का सुख मिलेगा, मित्रों से सावधान कर्ज बढ़ सकता है। मकान का झगड़ा या जायदाद की उलझन हो सकती है। लेकिन सब कुछ ठीक हो जायेगा ।
तोरी खाते देखना :- भोजन अच्छा मिलेगा, सुख शान्ति रहेगी, बीमार अच्छा हो जावेगा, किसी ओर से शुभ समाचार मिलेगा ।
तोप देखना :- दुश्मन परास्त होंगे, संसार में ख्याति बढ़ेगी, जलने वाले लज्जित होंगे ।
तेल व तेली देखना :- मनहूस स्वपन है, दान देना चाहिए, किसी भी प्रकार की हानि हो सकती है, यदि केवल तेल देखे तो तेल दान देना चाहिए, परेशानी बढ़ेगी, लेकिन दूर होगी ।
तख्त देखना :- राजा का तख्त या सिंहासन देखे तो इत्मीनान और संतोष मिलेगा, दिल की परेशानी दूर होगी, मनोकामना पूरी होगी।
तलाक देना पत्नी को :- अमीरी बढ़ जायेगी, गरीबी घटेगी, बदी से बचेगें ।
तोते देखना :- अच्छा सपना है, खुशी मिलेगी, चिन्तामुक्त होंगे ।
तबेला देखना :- यदि घोड़ों व पशुओं से भरा देखे तो धन मिलेगा, खाली देखे तो दुःख मिलेगा ।
तमाचा मारना :- दुश्मन पर विजय होगी, कोई देखने वाले को मारे तो पराजय और निराशा होगी ।

तबला देखना :- अफवाहों से बचा रहे, इधर - उधर की बातें दुःख पहुँचाएंगी
तमन्चा देखना :- शत्रु हारेगा, कोई हानि पहुँचाना चाहेगा पर निराश होगा ।
तुर्रा लटकता देखना :- इज्जत बढ़ेगी,विद्या - धन मिलेगा, मुखिया या नेता बनेगें ।
तखता गिरा हुआ या टूटा हुआ देखना :- कई तरह के संकट पड़ेगें, परेशानी होगी और बनी बात बिगड़ जायेगी, नौकरी से जवाब मिलेगा व्यापार में घाटा होगा, दान दें और भगवान की उपासना करे, किसी दीन दुःखी की सेवा कर संकट टलने का उपाय करें ।
तंबू देखना :- बादशाह, सरकारी अधिकारियों, मन्त्रियों की निकटता होगी, कुवारी प्रेमिका से मिलन होगा, जादाद खरीदें या पायें, काफी ख्याति अर्जित करेंगे ।

(थ)

थूकना किसी पर देखना :- जिस पर थूकना उस पर दुःख पहुँचेगा, यदि दुश्मन पर थूके तो दुश्मन परास्त होगा, थूक जिस पर गिरेगा वह मर जायेगा या फिर अपमानित होंगे ।
थाली देखना :- सेवा करने वाली पत्नी मिलेगी,दुःख यदि होगा तो डर हो जायेगा, चैन शान्ति से जीवन निर्वाह होगा ।

(द)

अपना दाँत गिरते देखना :- आयु लम्बी होगी,अपनों -बेगानों में आदर का पात्र बनोगे,सफलता चरण चूमेगी ।
दाँत अपना उखाड़ना :- माल जमा होगा, लोगों के साथ निर्दयता का व्यवहार करेगें, तुम्हें सावधान रहना चाहिए ।
दाँत अपना सोने का देखना :- बीमार होंगे, दुःख होगा, कोई ऐसा काम करे

जिसके परिणाम स्वरूप अपमानित होना पड़ेगा, दांत चांदी की देखे तो माल की बरबादी होगी, व्यापार में घाटा होगा, दोस्तों से मन मुटाव बढ़ेगा, तकलीफ व कष्ट भोगना पड़ेगा।

दाँत लकड़ी का या मोम का देखना :- क्रूरता और दानवता क प्रवृति बन जायेगी। जीवों से घृणा होगी, दुश्मन चारों ओर उत्पन्न होंगे, शीघ्र मर जायेंगे या फिर कड़ी बीमारी फैलेगी, देखने वाला अच्छा काम करे।

दायें हाथ में मेंहदी लगाना :- पुरुष देखे तो किसी का खून करेगा,स्त्री देखे तो सुख भोगेगी, वियोग में बदल जायेगा।

दूध दही देखना :- उन्नति हो, खुशहाली आयेगी, मनोकामना सिद्ध होगी, संतान की खुशी होगी, धन मिलेगा, संसार में मान सम्मान मिलेगा।

दाल चीनी देखना :- पुत्री का जन्म होगा, पत्नी का प्यार मिलेगा।

दलिया खाते देखना :- बीमारी, कमजोरी आयेगी, लेकिन शीघ्र स्वस्थ हो जाओगे, धन मिलेगा।

दरबार देखना :- मृत्यु का मृत्यु समान दुःख पायेंगे, जिवित रहे तो बहुत ऊँचा स्थान मिलेगा, बहुत धन यश और ख्याति मिलेगी।

दस की गिनती देखना :- मनोकामना सिद्ध होगी, दस हजार का लाभ होगा या दस लाख का या दस सौ या केवल दस का होगा अवश्य ही।

देवी देवताओं को देखना :- क्रोधित रूप में देखें तो दुःख खुशी में देखें सुख।

दिवालिया देखना :- शुभ कार्य कर के, दान कर के संकट दूर करने का उपाय करें।

दीपावली या दीपमाला देखना :- खुशहाली होगी, शुभ समाचार मिलेगा, विवाह होगा, या किसी भी तरह का सुख मिलेगा।

द्वारबन्द देखना :- तंगी व गरीबी का संकेत है, चिन्तायें बढ़ेगी, कष्ट हो सकता है, बीमारी या बुरा समाचार मिलेगा।

दुश्मन से भागते देखना :- यदि दुश्मन से डरकर भागे तो दुश्मन पराजित होगा, मनोकामना पूरी होगी, लड़ते हुए भागे दुश्मन मर जायेगा या परास्त होगा।

दातुन करना :- पाप धुल जायेंगे, रोग दूर हो जायेंगे, खुशी मिलेगी।

दियासलाई जलाना :- दुश्मनी होगी, पराजय होगी, किसी को हानि पहुँचेगी, **पत्नी से कलह रहेगी, धन की हानि होगी।**

दीमक देखना :- बहुत बड़ाई मिलेगी, धन का लाभ होगा,सम्मान होगा।

दानव देखना :- डर जाये तो हानि, न डरे तो लाभ, मार भगाए, तो बहुत लाभ होगा, दुश्मनों का संकेत है।

दादी - दादा को देखना :- जीवित हो तो दुःख मिलेगा, मृत हो तो लाभ होगा उनकी चिरायु होगी।

दाद हो गई देखना :- पाप हो गया है उसका त्याग करें, प्रायश्चित करें, आगे न करने का संकल्प लें तो भलाई होगी।

दहला ताश का देखना :- धन का लाभ होगा लेकिन जुआ खेलने से, जुआ खेलना पाप है और यह बेईमानी की कमाई है, इसमें सुख नहीं है।

दुग्गी पुरानी देखना :- मंहगाई बढ़ेगी, तंगी आएगी, मेहनत से भाग्य जागेगा।

दलाल देखना :- कोई उपदेशक मिलेगा जो जीवन की काया पलट देगा, ऐसी स्त्री मिलेगी जो सीधा मार्ग बतायेगी, स्वयं लोगों का मार्ग दर्शन करे और नाम पाये।

द्वार देखना :- पत्नी सुशील मिलेगी या किसी पुरुष से दोस्ती होगी जो बड़ा आदमी हो, कोई नेता या बड़ा अधिकारी दोस्त बन सकता है।

द्वार बहुत बड़ा देखना :- यदि स्त्री अपनी है तो प्यार बढ़ेगा, दूसरे की है तो कष्ट होगा।

दुशाला देखना :- किसी बड़े आदमी की बातों से खुशी होगी, दीक्षा मिलेगी, विद्या की प्राप्ति होगी, विद्यार्थी देखें तो परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे।

दवाई पीना या खाना :- बुरे काम त्याग दें और सीधा रास्ता अपनायें, पापों का प्रायश्चित करें, अच्छे आदमी बन जायेंगे।

दूध गऊ का दुहना :- अपार धन मिलेगा, घर खुशहाल होगा, बिगड़े काम बन जायेंगे, किसी बात की चिन्ता है तो दूर होगी, शुभ समाचार मिलेगा।

दूध ऊँटनी का दुहना :- कमजोरी हो तो दूर होगी, बीमारी हो तो स्वस्थ होंगे, पत्नी मिलेगी तो खूब दहेज भी लाएगी, किसी भी स्त्री से धन लाभ हो सकता है।

दूध भेड़ का पीना :- बीमार पड़ेगा, लेकिन शीघ्र ही ठीक हो जायेगा, अकारण ही चिन्तायें घेंरेगी लेकिन हानि नहीं होगी, सुस्ती व आलस्य के कारण काम बनने में देर लगेगी।

दूध मांसाहारी जानवरों का पीना :- माँसाहारी जानवर जैसे कुत्ता, बिल्ली, शेर चीता, भेड़िया, सुअर आदि का दूध पीना हानि और बुराई है, बीमारी होगी, दुःखी होना पड़ेगा, धन का विघटन होगा या अकारण ही परेशानी होगी

दुकान पर बैठना :- अपना व जनता का आदर मिलेगा, प्रतिष्ठा बढ़ेगी, धन का लाभ होगा, शुभ समाचार की प्रतीक्षा करें।

दौलत देखना :- पत्नी गर्भवती होगी, किसी स्त्री से लाभ होगा, संतान की प्राप्ति होगी, व्यापार में लाभ होगा, खुशी ही खुशी प्राप्त होगी।

दो टुकड़े स्वयं के करते देखना :- ऐसी लड़की से प्यार होगा जो कभी मानेगी नहीं, ऐसे प्यार में दुःख ही दुःख भोगना स्वाभाविक है, यदि किसी का विचार दिल में है तो उसे भुला देना चाहिए, वह कभी हाथ न आएगी।

दही देखना या खाना :- खुशी व सफलता मिलेगी, धन का लाभ होगा।

दो नाकें अपनी देखना :- अपनों से बैर बढ़ेगा, बीमारी आएगी, दुःख मिलेगा, चिन्तायें घेर लेंगी, अकारण की बातों से हानि पहुँचेगी, व्यापार का विचार थोड़े दिन को छोड़ दें, नौकरी से जवाब मिल जाने का भय है।

देव देखना :- यदि लम्बा कद है तो तेज बढ़ेगा, खुशी मिलेगी, ठिगना है तो प्रगति देर से मिलेगी,सुन्दर है तो दुःख कटेंगे, कुरुप है तो बहुत दुःख पायेंगे व संकटों में फँस जायेंगे।

दलदल देखना :- हर प्रकार की परेशानी होने का संकेत है। चिन्तायें घेरे रहेंगी

दीवार देखना :- जिसको दिखे वह मालदार हो जायेगा, दुनियाँ में नाम होगा, आशा के विपरीत धन प्राप्त होगा, बड़े तेजवान बनेंगे, शुभ समाचार मिलेगा, दीवारों के घेरे में देखें तो इतना बड़ा स्थान पाये कि लोग उसका सम्मान करेंगे।

दान देना या लेना :- यदि लेता देखे तो भिखारी बनोगे,देता देखे तो साहूकार और प्रतिष्ठित व्यक्ति बने।

दोज का चन्द्रमा देखना :- बड़ी पट्टी पाए, पुत्र प्राप्त होगा, कई प्रकार के शुभ समाचार मिलेंगे, मन को चैन मिलेगी।

दांत कुरेदना देखना :- अपनों से दुश्मनी होगी या कोई ऐसा काम करे जिससे **उसे अपने व पराये व्यक्तियों के सामने अपमानित होना पड़ेगा।**

(ध)

धूआँ देखना :- दुःख, कष्ट, परेशानी मिलेंगी, शहर में दंगा, फसाद होगा, देश में युद्ध होगा, मित्रों से बुराई होगी, दान करे व शुभ कार्यों और अच्छी संगत में समय लगाये।

धुंध देखना :- शुभ स्वप्न है, अच्छा समाचार मिलेगा,थोड़े कष्ट के बाद शान्ति का संदेश है।

धुरी देखना :- कोई ऐसा काम करेगा जिससे बहुतों को लाभ होगा, यश कीर्ति मिलेगी, कई प्रकार का सुख मिल सकता है, निश्चय अटल होगा, सफलता चरण चूमेगी।

धूल देखना रास्ते की :- यात्रा करनी होगी, काफी कष्ट भोगकर ही सफलता मिलेगी, वैसे कोई हानि नहीं होगी, नए मित्र बनेगें।

धूम - धाम देखना :- कोई मृत्यु को प्राप्त होगा या किसी का विवाह होगा, देखने वालों से उसका कोई सम्बन्ध नहीं है, यह सपना बस्ती के लिए है।

धोवी देखना :- काम सफल होगा, बुरी आदतों का मैल जीवन से धुल जाएगा

धानी रंग का कपड़ा पहनना :- प्रेमिका से मिलाप होगा, मन को प्रसन्नता होगी

धमाका सुनना :- दुश्मन का खतरा है, परेशानी आयेगी या राज्य पर संकट रहेगा जो शीघ्र दूर न होगा।

(न)

नाव देखना :- काम सुख प्राप्त होगा,यदि स्त्री देखे तो पुरुष मन पसन्द मिलेगा,हर प्रकार का सुख मिलेगा।

नाखून काटना :- धनवान देखे तो गरीब होगा, गरीब देखे तो उसके दुःख दूर

होगे, बड़े - बड़े नाखून देखों तो दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी,प्रेम का भेद खुल जाने पर लज्जा होगी, लेकिन मनोकामना पूरी होगी, नाखून काटते देखें तो बीमारी से स्वस्थ होंगे और कर्जा से छुटकारा प्राप्त हो जायेगा ।

नाक बहुत बड़ी देखना :- स्थान बड़ा मिलेगा, समाज में नाम होगा और धन - दौलत खूब कमायेंगे, नाम ऊँचा होगा, पत्नी अच्छी मिलेगी, कुल का मान बढ़ेगा ।

नर्गिस का फूल देखना :- पत्नी नाजुक, लाजवन्ती मिलेगी, जीवन सुख से बीतेगा, जो योजना है वह थोड़े दिन बाद पूरा होगी, नर्गिस का फूल घर में देखे तो पत्नी गर्भवती होगी व पुत्र की आशा है।

नशे में स्वयं को देखना :- अमीरी व आराम का संकेत है इतना धन मिलेगा कि स्वयं के कर्त्तव्य भूल जायेंगे और शराब के नशे में कुछ याद नहीं रहता ।

नगीना देखना :- पुत्र की प्राप्ति होगी, सरकार से स्थान मिलेगा, कारोबार में उन्नति होगी, प्रेमिका से मिलन होगा, शुभ समाचार आ सकता है, परीक्षा में सफलता होगी बिगड़े काम बनेगें ।

नाक से खून बहते देखना :- अनीति की दौलत हाथ आएगी जिसके कारण दुःख और अशान्ति का शिकार हो जाओगे । कोई बड़ा आदमी देखे तो पाप से बचें, क्योंकि उसकी बुराई उसे ले डूबेगी ।

नगाड़ा देखना :- नेता बनेगें या जनता की सेवा कर के सुख व ख्याति मिलेगी, नगाड़ा देखने वाले को हर प्रकार की सुख का संकेत है, बजता देखे तो शीघ्र ही भिखारी से नगर सेठ बनेगा ।

नसीहत सुनना :- बुरा काम करता हो तो छोड़ दे यह भगवान की ओर से अवसर मिला है, यदि अच्छा आदमी देखे तो संत होगा पूज्य कहा जाने लगेगा

नमक सफेद देखना :- बीमारी दूर होगी, धन का लाभ होगा, व्यापार में वृद्धि व दोस्तों की संख्या बढ़ेगी, दुश्मन घटेगें, कोई कष्ट नहीं होगा, जीवन में खुशहाली आने वाली है।

नमकदानी देखना :- पत्नी मनपसन्द मिलेगी, ।

नदी - नाले में गिरते पड़ते देखना :- कई प्रकार के संकट घेर लेगें, किन्तू अन्त में दुःख दूर होंगे व खुशहाली आएगी, दान देकर संकट दूर होंगे ।

नेजा भाला देखना :- यात्रा या शादी होगी, पुत्र प्राप्त होगा, बड़ा स्थान मिलेगा, धन का लाभ होगा, स्थान सम्मान और तेज बढ़ेगा,जो विचार किया है वह पूरा होगा, दुःख के दिन समाप्त हुए अब खुशहाली की प्रतीक्षा करो ।

नृत्य देखना :- शादी होगी, आनन्द, सुख मिलेगा लेकिन अच्छे कामों से रूचि कम होगी ।

नौ की गिनती देखना :- लाभ होगा, व्यापार बढ़ेगा, नौकरी में बेतन बढ़ेगा, शादी हो जायेगी, लड़की का जन्म होगा, नव्वे की गिनती देखे तो लड़का होगा, हर प्रकार का सुख होगा ।

नाटक या नौटंकी देखना :- समय व्यर्थ में न गंवाय, बाद में निराशा होगी, समय को पहचाने व अपने कार्य में मन लगायें सपना कमजोर है, परिस्थितियाऋ पलट सकती है।

नाईलोन रेशम देखना :- लाभ होगा, वस्त्र बढ़िया मिलेगें, व्यापार में लाभ होगा पर मान सम्मान के हिसाब से आज आय कम होगी ।

नथुनी देखना :- सुशील पत्नी मिलेगी,काम सुख मिलेगा, वेश्या गमन न करे अन्यथा बदनाम होकर अपमानित होना पड़ेगा ।

नारियल देखना :- शुभ सपना है, भोजन की अधिकता, धन का लाभ होगा ।

निवाड़ का पलंग :- शादी मन पसन्द होगी, काम सुख व शान्तिपूर्ण जीवन मिलेगा ।

नारद की के दर्शन करना :- इधर - उधर की बातों से बचें वरना दोस्तों से लड़ाई होगी और परेशान होना पड़ेगा, पैसे धन का लाभ, संतान का सुख और मन पसन्द विवाह का संकेत है।

नाभि के नीचे बाल देखना :- पापों का प्रायश्चित करना आवश्यक है। बड़े दुःख की बात है आप का ध्यान विषय सेवन की ओर रहता है। अपना ध्यान बांटिये, अच्छे लोगों की संगति लाभ पहुँचायेगी ।

नोकदार जूता देखना :- शान और सम्मान की पहचान है। हर स्थान पर आदर व सम्मान होगा बहुत सुख मिलेगा ।

नया कपड़ा देखना :- कपड़े के विषय में जो फल पूर्व में लिखा है, उनको देखकर फल प्राप्त करें ।

नीम का वृक्ष देखना :- बीमारी दूर होगी, दुश्मन की बुराई से सुरक्षित रहने का संकेत है।

नीलम देखना :- हर प्रकार के रत्न देखने का फल यह है कि मनोकामना पूरी होगी, दुश्कन परास्त होंगे, प्रेमिका से मिलन होगा, खुशहाली आयेगी, शुभ समाचार मिलेगा।

नल देखना :- बन्द हो तो उद्देश्य कठिनाई से प्राप्त होगा, यदि खुला है तो तुरन्त काम बनेगा, बहती पानी की धार देखना शुभ है।

नाड़ी अपनी चिरते देखना :- चौड़ाई से चीरे तो शुभ समाचार मिलेगा, लम्बाई में चीरे तो कोई सगा सम्बन्धी मर जायेगा, उल्टा भी हो सकता है।

नर्क से स्वयं को निकलते देखना :- पूजा भक्ति व दान में मन लगायें। अपनाएं शुभ कार्य करें और या फिर कठिन यात्रा से लौट कर शान्ति मिलेगी, प्रेमिका से भेंट हो जायेगी, मिलाप का सुख भोगोगे, नर्क की यात्नाओं में फंसा देखा तो समझ लो कि वह माया - मोह में फंसकर अपने कर्त्तव्यों को भूल जाएगा, शुभ कार्य करे तो भलाई होगी।

नदी देखना :- नेता या बड़े अधिकारी से दोस्ती का लाभ होगा, धन बहुत आएगा, जिस व्यापार में हाथ लगेगा घाटा नहीं होगा, जो विचार करें पूरा हो जायेगा, खुशी का समाचार मिलेगा, डूबता देखे तो हानि, तैरता देखे तो सफलता मिलेगी।

(प)

पाँव देखना :- प्रगति, उन्नति का संकेत है, यात्रा हो सकती है, लेकिन सही उद्देश्य से यात्रा की जायेगी, तो वह सफल होगा, स्त्री के पाँव देखे तो मन की अभिलाषा पूरी होगी, प्रेमिका से मिलन होगा।

पानी, सरोबर, तालाब देखना :- यदि सपना देखने वाला सरोवर, नदी या तालाब का पानी देखें तो उसे सुख मिलेगा, पानी पीता देखें तो आशा के विपरीत धन व सफलता मिलेगी, पानी बरतन या चुल्लू में भरता देखें तो सरकार से लाभ उठायेगा, सफलता मिलेगी लेकिन परिश्रम करना होगा।

पालदार नौका देखना :- मनचाहा जीवन साथी मिलेगा, दुःखों व कष्टों का बेड़ा किनारे लग जायेगा।

पालिश करना :- अयोग्य काम से जीविका चलेगी, सेवा कार्य करें तो इनाम पाये।

पलस्तर करना दीवार का :- अपने व्यक्तित्व को शुभ कार्यो से चमकायेंगे।

पान का वृक्ष देखें :- पुत्र होनहार होगा, धन व ऊँचा स्थान मिलेगा।

पाला गिरता देखना :- आशा का बिरवा सूख जायेगा, दुःख, कष्ट, मंहगाई बढ़ेगी।

पागल देखना किसी को :- देखने वाला दान दे, शुभ कार्य करे, गुनाहों से बचे

पद्मावती आदि के दर्शन करना :- मनोकामना सिद्ध होगी, कन्या सुशील होगी, पत्नी योग्य मिलेगी।

पान, पानदान देखना :- शुभ है, आशायें पूरी होंगी, मित्रों से प्यार बढ़ेगा।

पाउडर लगाते देखना :- मान व सम्मान का संकेत है, भेद छिपा रहेगा।

पांसा फेंकते देखना :- भाग्य से संघर्ष हो रहा है, अभी थोड़ा समय है, सफलता में।

पाया टूटता देखना :- किसी भाई, मित्र की मृत्यु या लड़ाई होगी।

पारा हाथ पर देखना :- देखने वालों को दुनियां में झूठा और खिलाफ समझा जायेगा, दूर - दूर तक अयश होगा। पारा धरती से उठाते देखों तो मित्रों से सुख मिलेगा। अपने शरीर के बनाव श्रृगांर में लगे रहने का हर समय आदत हो जायेगी।

परी सुन्दरी देखना :- पदवी बढ़ेगी, ख्याति समृद्धि बढ़ेगी, सुख शान्ति प्राप्त होगी। बीमार हो तो स्वास्थ्य लाभ होगा। कई तरह की सफलता का संकेत है। अभियान से सकुशल वापसी होगी, बिगड़े काम बन जाने का शुभ समाचार मिलेगा, परिश्रम करते जायें।

पाखाना पेशाब करना :- विद्या धन मिलेगा। अच्छे कार्यो से दूरी होगी, दुःख मिलेगा। कपड़ों में मलमूत्र करते देखें तो पत्नी से दुःख मिलेगा, कई तरह से अपमानित होना पड़ेगा, दान देकर प्रभू भक्ति करें तो बचने की सम्भावना है।

पंजा हाथ का कटा हुआ देखना :- कष्ट व दुःखों का संकेत है, किसी प्रकार की

हानि का संकेत है सावधान रहें ।

पसुली देखना :- यदि शक्तिशाली व बड़े आकार की है तो लाभ, स्वास्थ्य और सुख है, कमजोर, छोटी हो तो दुःख होगा ।

पल्लू देखना :- मनचाही स्त्री से निकटता मिलेगी, पानी सुन्दर मिलेगी,कई प्रकार की खुशी प्राप्त होगी ।

पसली टूटी हुई देखना :- चिन्तायें घेर लेगी, व्यापार में हानि होगी, दुश्मन से कष्ट मिलेगा ।

पहाड़ देखना :- बादशाह या अधिकारी या दुश्मन से मुकाबले में विजय प्राप्त होगी । परेशानी होगी । चढ़ता हुआ देखें तो तेजवान हो । उतरता देखें तो आय घटेगी, तेज में कमी होगी, दुश्मन से पराजय होगी ।

पंतगा देखना :- अपने आप से किसी प्रकार का दुःख पाऐंगे । परेशानी होगी, कोई संबंधी खो जाये उसकी खोज करनी पड़ेगी, दुःख होगा ।

प्याले में दूध और शरबत को देखना :- पत्नी सुशील व संतान अच्छी मिलेगी । सुःख होगा ।

पेट आंतो से खाली देखना :- सगे संबंधियों में से किसी को दुःख होगा । यात्रा करनी पड़ेगी, देश छोड़ना पड़ेगा, अपनो से वियोग होगा ।

पीठ देखना :- आशा के विपरीत कोई सहायक मिल लेंगे, मित्रों से लाभ होगा

पैसा पाना :- विलासिता की निशानी है, परन्तु बेईमानी का माल मिलेगा और जैसे पाये वैसे ही खर्च हो जायेगा । सावधान रहना चाहिये ।

पत्थर देखना :- झूठ से अपमानित होंगे कठिनाईयां भोगनी पड़ेगी, कई प्रकार की परेशानी हो सकती है।

पेशाव करते समय किसी स्त्री को देखना :- रूठी प्रेमिका मान जायेगी, पौरुष शक्ति बढ़ेगी, काम क्रीड़ा का सुख मिलेगा ।

पेशाव करना और उससे धुआं उठना :- यदि धुआं इतना उठे कि अंधेरा छा जाये तो बहुत बड़ी पदवी व अन्तर्राष्ट्रीय कीर्ति मिलेगी । यदि पेशाव करते हुये किसी प्राचीन इमारत में देखें तो उसका तेजवान पुत्र होगा या फिर पुत्र गलत राह में पड़ जायेगा । खून का पेशाब करता देखें तो व्याभिचार या किसी से कुकर्म करेगा ।

पेट साफ स्वच्छ देखना :- धन मिलेगा, आशा के विपरीत लाभ होगा, पुत्र प्राप्ति होगी, परिवार और कुल में समृद्धि होगी ।

प्यासा स्वयं को देखना :- अच्छे कार्यो में विघटन पड़ेगा किन्तु संसार में मान खूब मिलेगा, खुशी मिलेगी ।

पैगम्बरों, पीरों, साधु संतो को देखना :- ऊंचा सम्मान बढ़ेगा व धन मिलेगा, अच्छे कार्यो से तेज बढ़ेगा, जीवन सुख और शांति से व्यतीत होगा ।

पंतग देखना :- परेशानी होगी, किसी अधिकारी या मालिक से दुःख पहुंचेगा ।

पजावा देखना :- जलता हुआ देंखे तो दुःख होगा, ठण्डा और लाल ईटें देखें तो सुख मिलेगा, मनोकामना सिद्ध होगी ।

परॉव, पुलाव, पूरी देखना :- कोई शादी या दुःख का समाचार मिलेगा । वैसे सुख शान्ति का भोजन मिलेगा । यदि पूरी व पंराठा सिर पर रखा देखें तो किसी की मृत्यु होगी ।

पपीता देखना :- पपीते का वृक्ष या फल देखना या खाना सुख व सफलता का संकेत है। धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा ।

पंखा देखना :- अच्छा स्वप्न है, मनोकामना पूरी होगी, सुख, संतोष मिलेगा ।

पंख मोर का देखना :- शुभ कार्य करेगा, यशकीर्ति बढ़ेगी व बड़ा सुख मिलेगा

परिक्रमा करते देखना :- किसी पवित्र स्थान की परिक्रमा का मतलब है कि देखने वाला आगे चलकर, ईश्वर भक्ति में लीन होकर बहुत मानसिक सुख पाऐगा । सच्चाई पर उसका जीवन चलकर, ईश्वर भक्ति में लीन होकर बहुत मानसिक सुख पाऐगा । सच्चाई पर उसका जीवन निर्वाह होगा, दुनियां में इज्जत बढ़ेगी ।

पीतल के बर्तन देखना :- धन का अपार लाभ होगा, जो भी व्यापार करेगा उसमें लाभ होगा ।

पन्ना पुखराज देखना :- अपनों से लाभ होगा, पराये लोगों से सुख और लाभ, पत्नी मनपसन्द मिलेगी, प्रेमिका से निकटता मिलेगी । दुःख दूर होगें ।

पर्देदार मकान देखना :- स्त्री, सुशील, गुणवान मिलेगी, पति योग्य, संतान योग्य एवं अनुकूल होगा, अपनों में इज्जत बढ़ेगी ।

पैराशूट देखना :- दुश्मन से विजय पाये, धन हाथ आएगा, किन्तु संघर्ष होगा ।

परदेसी देखना :- शीघ्र मनोकामना पूरी होगी, जिसे देखें उसे दुःख होगा ।
पेटी बांधना :- सफलता के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा, साहसी, तेजस्वी बनेंगे ।
पेटीकोट पहने स्त्री को देखना :- प्रेमिका दयालु होगी, निकटता होगी, काम सुख, संतानोत्पात्ति, अथवा विवाह होगा ।
पुल देखना :- यात्रा सफल होगी, सुख पाएगें ।
बटुआ देखना :- साज सज्जा बढ़ेगी, स्वर्ण धन मिलेगा, विवाह होगा ।
पटका बाधंना :- मन में जो अभिलाषा है शीघ्र पूरी होगी, ऊंचा स्थान मिलेगा ।
पिटारी, पिटारा देखना :- धन का लाभ होगा, हर प्रकार सुरक्षित से रहेंगे, खुशी मिलेगी ।
पटाखा छूटते देखना :- पटाखा, आतिशबाजी छूटती देखें तो खुशी होगी, धन का लाभ होगा, विवाह होगा, पुत्र का जन्म होगा ।
पेट स्त्री का देखना :- साफ गौरा व सपाट देखें तो खुशी, मैला फूला देखें तो दुःख मिलेगा ।
पैन पैन्सिल देखना :- विद्या में लाभ, बड़ा स्थान मिलेगा, परीक्षा में उत्तीर्ण होगें
पंलग देखना :- दुनियां में झूठा बनकर अपमानित होगा, लोग विश्वास नहीं करेंगे, अत्यन्त नीच समझा जायेगा, सावधान रहेगा ।
पसीना शरीर पर देखना :- मनोकामना सिद्ध होगी, काम में सफलता प्राप्त होगी, कष्ट, बीमारी से छुटकारा मिलेगा । मन में शांति मिलेगी ।
पगड़ी सिर पर बंधी देखना :- सरकार दरबार में यश और सुख मिलेगा, शीघ्र शादी होगी, दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी, समाज में प्रतिष्ठा व सम्मान बढ़ेगा ।
पत्र पढ़ना :- शुभ समाचार मिलेगा, पैत्रिक धन मिलेगा, माल जमा करने की चिन्ता रहेगी । पत्र या पुस्तक पढ़ते देखें तो ऐसे कार्य में लगे जिसमें सहायक की आवश्यकता होगी । उलझने बढ़ेगी लेकिन बाद में शांति मिलेगी ।
पेड़ कांटेदार देखना :- बीमारी और दुःख परेशानियां भोगेंगे व्यापार शुरू करने की इच्छा हो तो न करें क्योंकि घाटा होगा ।
पक्की ईट देखना :- मौत आयेगी या बीमारी या कष्ट भोगना पड़ेगा, दान करना चाहिये शुद्ध हृदय से गुरु की उपासना करें ।

पीला आलू देखना :- बीमारी या दुःख होगा । किसी प्रकार की पीली वस्तु या **पीला रंग देखने का यही फल है । पीले फूलों का फल शुभ है।**
प्रकाश देखना :- सब तरह की खुशी मिलेगी । जीवन चैन से बीतेगा । ज्ञान प्राप्त होगा ।

(फ)

फूल देखना :- सपने में सफेद या रंगीन फूल दिखाई दे तो पुत्र की प्राप्ति होगी, धन का लाभ होगा, शांति मिलेगी । फूल काले हों तो दुःख मिलेगा । फूल के पास कंटीली झाड़ियाँ देखें तो मुसीबतों के बाद चैन मिलेगा ।
फावड़ा देखना :- कठिन परिश्रम के बाद सुख मिलेगा । मेहनत की कमाई खाऐंगे । हर प्रकार की शान्ति रहेगी, किन्तु धन की कमी रहेगी ।
फलाहार करना :- सपने में फल खाना या देखना हर प्रकार से अच्छा व शुभ स्वप्न है। घर में समृद्धि होगी ।
फटे कपड़े देखना :- चिन्तओं में घिर जाना पड़ेगा । दुःख मिलेगा, धन की हानि । यही फल फटे पुराने जूते देखने का है। दान करें, गुरु की उपासना करें
फोड़े - फुन्सी शरीर पर देखना :- चिन्तायें, परेशानियां व संकटों के आने का संकेत है।
फकीर देखना :- दुनियाँ व दीन में भलाई होगी । मनोकामना पूरी होगी । साधु संतों की संगति मिलेगी व जीवन सफल होगा ।
फुव्वारा देखना :- हर प्रकार का दुःख दूर होगा,साथी मन पसन्द होगा ।
फरिश्तों को देखना :- खुशी मिलेगी धन का लाभ होगा, अच्छे काम करें, उड़ता हुआ आये तो ऊंचा दर्जा मिलेगा, से लड़ता हुआ देखे तो मौत आयेगी व मुसीबत घेर लेगी, हर प्रकार का दुःख भोगना पड़ेगा ।
फुन्दना गोपी यार गिरेवान का देखना :- यश बढ़ेगा,विवाह होगा, कोई चिन्ता नहीं रहेगी ।
फुल्का खाते देखना :- धन व भोजन की चिन्ता समाप्त, किसी सम्बन्धी का शोक समाचार मिलेगा ।

फुलवारी देखना :- पुत्र लाभ, विवाह मन पसन्द, किया गया विचार, पूरा होगा, खुशी मिलेगी ।

फूलदान देखना :- विद्या व धन का लाभ, ऊँचा स्थान, मनोकामना पूरी होगी, खाली है तो हानि व दुःख भोगने पड़ेगें ।

फूटा घड़ा या बरतन देखना :- बने काम बिगड़ेगे, गरीबी, शोक समाचार मिलेगा ।

फूट, ककड़ी को देखना :- मौसम में देखे तो लाभ, गैर मौसम में देखें तो कष्ट

फूँक मारना :- लोगों को लाभ पहुँचेगा, केवल सम्मान मिलेगा, फूँक मारकर दिया बुझता देखे तो किसी की मृत्यु का समाचार मिलेगा ।

फुदकना देखे किसी जीव का :- संकट में पड़ेगे हर उपाय बेकार, अपमान मिलेगा ।

फंकी मारकर कुछ खाना :- धन आशा के विपरीत पाये, सुखी हो, चिरायु हो, दुःख न होगा ।

फटी आँख देखना :- यह अशुभ सपना है, दान दे, गुरु उपासना करे ।

फुहार पड़ते देखना :- सुख ही सुख प्राप्त होगा, कई प्रकार के दुःख, बीमारी टल जाएगी ।

फेनी खाते देखना :- बहुत लाभ होगा, पुण्य की कमाई का धन मिलेगा ।

फिरकी नचाये :- मूर्खता के कारण जग हंसाई होगी, अपमानित होनि पड़ेगा ।

फुलझड़ी घूमती देखना :- किसी का विवाह होगा, लाभ होगा, पुत्र की प्राप्ति होगी ।

फिटकरी देखना :- सफेद हो तो धन का लाभ, लाल हो तो व्यापार मन्दा होगा, कन्या का जन्म होगा ।

फल जलते देखना :- किसी प्रियतम की मृत्यु का संदेश मिलेगा, विचार असफल होगा ।

फूल खिलते देखना :- सफलता शीघ्र ही चरण चूमेगी, खुशी होगी, पुत्र का जन्म होगा ।

फूंस की झोंपड़ी देखना :- साधु - संत की संगति प्राप्त होगी, अच्छाई की ओर प्रेरणा मिलेगी, चैन व आराम मिलेगा ।

फर्श बिछा हुआ देखना :- किसी की शादी या मृत्यु का समाचार मिलेगा, **सरकार या राज दरबार में सम्मान बढ़ेगा ।**

फफोला देखना :- यदि शरीर के किसी भाग में फफोला पड़ा देखे तो दुःख, बीमारी, कष्ट तंगी होगी । श्री जिनेन्द्र भगवान की पूजा भक्ति व स्तुति करें ।

(ब)

बादाम देखना :- धन, व्यापार, काम में उन्नति होगी, नौकरी में ऊँची पदवी मिलेगी, हर तरह का सुख मिलेगा, स्त्री से सुख मिलेगा ।

बादशाह देखना :- कुबेर धन के प्राप्त होने की आशा है, ऊँची पदवी मिलेगी, चुनाव में जीत होगी, मुकदमे में सफलता होगी,परीक्षा में पास होंगे, मनोकामना सिद्ध होगी, नेता या उच्चधिकारी को प्रसन्न देखे तो संकट दूर होंगे, गुस्से में या परेशान देखे तो परेशानी होगी, दान देना चाहिए इससे संकट टलता है, यदि नेता, अधिकारी को मरा देखे तो जनता को शांति पहुँचाने वाला कानून बनेगा, भोजन को गलत जगह पर देखें तो समझ ले कि मुसीबते आऐंगी, खेती नष्ट होगी, व्यापार में घाटा होगा ।

बरसात देखना :- यदि पूरी बस्ती में पानी बरसता देखे तो खुशहाली व सुख है केवल अपने घर में देखें तो दुःख होगा, बरसाती या छतरी लगाकर बरसात में चलता देखें तो दुःख होंगे ।

बाज का शिकार करना :- दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी, सरकारी राज दरबार में सुख व सरदारी प्राप्त होगी ।

बाग, फुलवारी देखना :- हरा - भरा देखें तो सुख, सूखा देखे तो दुःख मिलेगा

बाँह या बाजू देखना :- यदि सपने में देखें कि अपनी कट गई है,तो अपने भाई या निकटवर्ती सम्बन्धसी की मृत्यु का समाचार सुनेगें, बाँया बाजु देखें तो पत्नी या बहन से भेंट होगी, दायाँ देखे तो भाई व पुत्र सुख मिलेगा ।

बाल देखना :- नाभि के नीचे या बगल के बाल देखें तो लज्जित होना पड़ेगा । यदि सिर के बाल देखे तो पुरुष कर्जे से मुक्ति पायेगा, लेन - देन की उलझन न

रहेगी । पुत्र की प्राप्ति होगी, यदि अपने सिर के बाल काले देखे तो अधिकारी बन जाओगे, धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा, सम्मान मिलेगा, सफेद बाल देखे तो राज - दरबार व समाज में बड़ा बनेगे, बाल बढ़े देखे तो जवान स्त्री - पुरुष की आयु व स्वास्थ्य में वृद्धि का संकेत है। बूढ़े को संसार से जाने का खतरा है, बाल काटते देखे तो स्त्री - पुरुष में तलाक (परित्याग) का संकेत है, हथेली ा तलुवों में बाल देखे तो कर्ज में फँस जायेंगे ।

बातें बहुत करना :- बड़ा स्थान मिलेगा, वकील, नेता बनेंगे, कीर्ति मिलेगी ।

बिच्छु देखना :- दुश्मनों से कष्ट, हानि होगी, सावधान रहना आवश्यक है।

बिछौना बिछाते देखना :- आयु लम्बी होगी, धन का लाभ होगा, उसके द्वारा पुरुष का काम होगा जग में नाम व सम्मान बढ़ेगा ।

बर्फ खाते देखना :- दिल को खुशी होगी, चिन्तायें दूर होंगी, बर्फ गिरती देखने का फल यह है कि खुशी व समृद्धि मिलेगी ।

बाजार देखना :- धन में उन्नति, व्यवसाय में उन्नति, यश की प्राप्ती होगी ।

बुलन्दी से उतरना चढ़ना :- यदि सपना देखने वाला किसी ऊँचे स्थान पर चढ़ना देखे तो खुशी होगी, ऊँचा स्थान मिलेगा, ऊपर से नीचे उतरते देखें तो गरीबी आएगी, प्राप्त स्थान घटेगा, बीमारी आएगी, पत्नी गर्भवती हो तो लड़की का जन्म होगा, किसी न किसी काम पर अपमानित होना पड़ेगा ।

बकरी चुराना या खो देना, बिल्ली देखना :- चोर या शत्रु के आमने - सामने की लड़ाई होने का संकेत है। बिल्ली का मांस या उसका शिकार छीनकर खाते हुये देखे तो खोई वस्तु मिलेगी आशा के विपरीत धन प्राप्त होगा ।

बिल्ली या बन्दर का काटना, पंजा मारना :- बीमार होने का संकेत है। जीविका में तंगी हो सकती है। कष्ट होने की सम्भावना है।

बूढ़ा देखना स्वयं को :- यात्रा सकुशल होगी, पाप धुलेगें, बुराइयों से मन फिर जाएगा । अपने आप को बहरा देखे तो अशुभ समाचार मिलेगा, परेशानी होगी

बजपात से मकान ढहना :- राजा या नेता की पत्नी मरेगी, स्वयं बीमारी और दुःख पाऐंगे । कई प्रकार की तंगी व संकटो का संकेत है।

बैल देखना :- बैल को यदि स्वस्थ व उछलता देखें तो अन्न खूब उपजेगा, बर्षा खूब होगी व हर प्रकार का सुख मिलेगा । दुबला मरियल बैल देखे तो सूखा

पड़ेगा, अकाल की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मन चिन्ताओं से घिरा रहेगा ।

बीमार देखना स्वयं को :- दुःख का समाचार मिलेगा, योजना पूरा न होगी, व्यापार में हानि होगी । किसी नेक काम का विचार होगा लेकिन पूरा नहीं होगा, भक्ति व पूजा - पाठ में मन नहीं लगेगा, लज्जित, पराजित व अपमानित होना पड़ेगा ।

बीमार या मृतकों को निकट देखना :- स्वास्थ्य, धन व सम्मान का लाभ मिलेगा, आयु बढ़ेगी, हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा ।

बुलबुल देखना :- सुख मिलेगा, पत्नी सुन्दर मिलेगी, प्रेमिका मिल जायेगी, वेश्यागमन आदि की कुसंगति होगी । सावधान रहना चाहिए ।

बैंगन खाना या देखना :- यदि बैंगन का मौसम है तो हानिप्रद है, यदि मौसम नहीं है तो लाभ होगा ।

बकरी देखना :- सुख मिलेगा ।

बगले बजाते देखना :- खुशी से आनंदित हो जाना ।

बर्फ मलाई देखना :- धन पाये, खाये तो अघाये ।

बनिये को द्वार पर देखना :- कर्जदार, संकट से ग्रस्त हो जाएगा ।

बाल्टी देखना :- बाल्टी भरी देखे तो सुख, खाली देखे तो दुःख होंगे ।

बटेर देखना :- धन प्राप्त होगा, बीमारी से स्वस्थ होगें ।

बनियान देखना :- पहने तो सुख, उतरे तो निराशा होगी ।

बगुला देखना :- सफेद बगुला देखें, मछली खाता तो लाभ, काला बगुला हो तो हानि ।

बेंच देखना :- समाज में सम्मान प्राप्त होगा ।

बैण्ड - बाजा देखना :- पुत्र उत्पन्न होगा, विवाह होगा, या कोई मृत्यु को प्राप्त होगा ।

बाँध देखना :- धन जमा होगा, मालदार होकर सुख पाए ।

बीमा कराना :- चिरायु हो, बीमारी या चोट का भय ।

बोतल देखना :- बुरी आदत पड़ेगी, गुनाह में फॅसेंगे ।

बिलेड़ देखना :- यार से लड़ाई होगी, उधार देंगे मिलेगा नहीं ।

बूट पहिनना :- सुख - शान्ति से यात्रा तय होगी ।

बूटा देखना :- मनोकामना सिद्ध होगी ।
बुलड़ाग देखना :- मित्र योग्य मिलेगा, पत्नी अनुकूल होगी ।
बुरादा जलाना :- प्रगति होगी, लेकिन ठोस खुशी होगी ।
बुरका पहनना :- लड़की होगी, गुनाह से अपमान होगा ।
बादल देखना :- यदि आकाश पर छाये बादल सपने में दिखाई पड़े तो समझ लेना चाहिए कि राजा या उच्चाधिकारी का स्नेह प्राप्त होगा, तेज बढ़ेगा, विद्या धन की प्राप्ति होगी ।
बादल को पकड़ लेना :- अगर सपने में बादल का टुकड़ा पकड़ते हुए देखे तो विद्वान बनकर प्रसिद्धि होगी, यदि बादल को खाता देखे तो राजा बनेगें। सरकार से लाभ होगा, यदि बादल को आकाश पर छाया देखे तो कई प्रकार के दुःखों की ओर संकेत है।
बाज देखना :- बाज को पकड़ते या देखने से अत्यन्त भय होगा, जो काम करे उसे में कष्ट होगा, स्वयं बेईमानी करे, बेईमानी से कष्ट होगा ।
बेर देखना :- बेर देखने का फल है कि बीमारी से मुक्त होंगे । मन को खुशी होगी, प्रेमिका से मिलन का अवसर मिलेगा ।
बाँग होते देखना :- अगर असमय अर्थात् जब बाँग का समय न हो तब बाँग सुनने का मतलब है कि दुःख मिलेगा, व्यापार में घाटा होगा, कई प्रकार के दुःख होगें । यदि समय और ठीक है तब बाँग कहता या किसी से कहते सुने तो बहुत माल मिलेगा । भगवान की भक्ति का अवसर मिलेगा और कई सुख मिलेंगे ।
बिगुल बाजा पाना या बजते देखना :- बिगुल बाजा सपने में पायें या बजते देखे तो राष्ट्र व देश में बड़ा सम्मान मिलेगा, बड़ा अधिकारी बन जायेगा या फिर किसी बड़े आदमी का सलाहकार बनकर सम्मान प्राप्त होगा ।
बाँसुरी देखना :- मृत्यु निकट है या फिर बहुत दुःखदायी बीमारी का सामना करना पड़ेगा, दान दें, शुभ कार्य करें ।
बर्फ देखना :- यह कष्ट मिलने का संकेत है परन्तु यदि पानी शीतल पीते देखे तो खुशी होगी, दोस्तों, सम्बन्धियों से लाभ, मनोकामना सिद्ध होगी ।
बलि देखना :- दुःख व कष्ट होगा,चिन्तायें घेरेंगी । बुरा समाचार मिलेगा ।

(भ)

भेड़िया देखना :- मित्रों को जाँचना चाहिए, क्योंकि देखने वाले को अपने किसी इष्ट मित्र से अविश्वास का भय है। सरकार या दुश्मन से भी कष्ट हो सकता है।
भाई को देखना :- भाई चिरायु होगा ।
भाभी को देखना :- आप को दुःख होगा, भतीजा जन्मेगा ।
भारी स्वयं को देखना :- पाप होगा, धन मिलेगा बेईमानी की कमाई का ।
भण्डार देखना :- धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा ।
भागते देखना :- दुःख टलेगा, जीवन में सुख शांति आएगी ।
भीगते देखना :- भगवान की कृपा रहेगी । सुख मिलेगा ।
भूखा स्वयं को देखना :- निराशा और गरीबी आएगी ।
भुट्टा मकई का देखना :- चेचक से दुःख होगा, भोजन मिलगा ।
भंगी - भंगन देखना :- चेचक का भय है दान दें ।
भुंगा देखना :- तंगी आएगी, आँख का रोग मिलेगा ।
भड़भूंजा देखना :- पीड़ा, भोगनी पड़ेगी ।
भडुआ देखना :- बुरा काम करेगं, दुःख मिलेगा ।
भिण्डी देखना :- बुरा काम करेगें, खुशी, सुख प्राप्त नहीं होगा ।
भिखारी देखना :- कोई अच्छा कार्य करेंगे, दुःखों से शांति मिलेगी ।
भैंस देखना :- सुख, धन, भोजन की प्राप्ति ।
भैंसा देखना :- दुःख, कष्ट, संघर्ष के बाद सफलता मिलेगी ।
भूसा देखना :- पशु धन में लाभ, व्यापार में घाटा
भू - चाल देखना :- राजा पर संकट आएगा ।
भाषण करना :- सरकार में पदवी बढ़ेगी, चुनाव में जीत जनता में लोक प्रिय होगा, धन मिलेगा, ख्याति बढ़ेगी, घर में सुख- चैन होगा, हर जगह यश प्राप्ति होगी ।
भोजन की थैली या खाना :- सुख शान्ति व आराम का संकेत है, लेकिन कठिन

परिश्रम के बाद ।
भगवान को देखना :- प्रसन्न मुद्रा में दर्शन करे तो लाभ होगा, अप्रसन्न मुद्रा में देखें तो कष्ट उठाना पड़ेगा ।

(म)

माता - पिता को देखना :- यदि स्वप्न में देखे कि उनका प्रिय मर गया है तो घर का कलेश दूर होगा, खुशहाली आएगी, व्यापार में लाभ होगा, यात्रा हो तो सकुशल घर आएगें । पुत्र चिरायु होगा ।
मार डालते देखना :- यदि सपना देखने वाला किसी को मार डाल रहा है तो देखने वाले का कर्ज अदा हो जायेगा, बीमार हो तो स्वस्थ होगा, किसी के साथ उपकार करे, योग्य काम करे सम्मान मिलेगा ।
मूंग, उड़द, मसूर या मोठ देखना :- सपना देखने वाले की सारी परेशानियाँ दूर होगी, अन्न या दलहन का दान करे तो लाभ होगा ।
मातम करना देखना :- खुशी होगी, खुशहाली होगी ।
मिठाई बहुत देखना :- सुख पाये, दोस्ती बढ़ेगी, प्रेम व स्नेह बढ़ेगा, प्रेमिका से मिलन होगा, पत्नी मनपसन्द होगी, बिगड़े काम बनेंगे ।
मच्छर बहुत देखना :- पुरुष देखे तो बदनाम होगा, अपमानित होगा, तंगी आएगी जीवन कम है परन्तु दुश्मन पर विजय पाए, लोग डरेंगे ।
मछली देखना :- एक या देखे तो सुन्दर कन्या से विवाह होगा, बड़ी हो तो खूब धन मिलेगा, और छोटी हो तो गरीबी व तंगी का सामना करना पड़ेगा ।
मछली के पेट से कुछ पाना :- धन - दौलत खूब मिलेगा, ऊँचा स्थान पाए । सरकार राज दरबार से बुलावा आयेगा, ऐसे काम करे जिससे लोक प्रियता बढ़ेगी, एकबार धन पा जाए तो जीवन भर तंगी न आयेगी ।
मुर्दा शरीर से आवाज सुनना :- उस उद्देश्य की प्राप्ति होगी जिसको पाने के बाद भी निराशा ही हाथ लगेगी, लाभ न होगा, होगा तो काम न आएगा ।
मुर्दा उठाकर ले जाते देखना :- बदनामी का माल हाथ आएगा जिसका लाभ दूसरे उठायेंगे शांति नहीं मिलेगी, ऐसा माल न मिलने की भावना मांगे जो

मुसीबतों में उलझा दे ।
मुर्दे की पुकार सुनना :- यदि सपने में कोई मुर्दा सपने देखने वाले को बुलाता है और वह बुलाने पर उसकी ओर जाये तो आयु समाप्त है अब चलने का संकेत है।
मुर्दो का समूह देखना :- बुरे कार्यो में घिर जाने का संकेत है, दान दे सत्संग में मन लगावे, अच्छों की संगति में बैठे ।
मुर्दे को नहलाते देखना :- किसी अज्ञानी को उपदेश दे जो सीधा रास्ता अपनाएगा, किसी पर बड़ा उपकार करे ।
मुर्दे को जिन्दे से कुछ माँगना :- यह सपना अशुभ है, दान दें, देर न करें, योग्य काम करे व पैदा करने वालों से अपने दुष्कर्मो की माफी माँगे ।
मुर्दे को नंगा सोता देखना :- यह सुख - शांति की निशानी है, गुनाहों से छुटकारा मिलेगा ।
मुर्दे के पीछे किसी वृद्ध के मकान पर जाना :- भीतर ही रह जाए तो मृत्यु घेर लेगी, बाहर आ जाए तो दुःख से छुटकारा मिलेगा ।
मुर्दे को कुछ देना :- तंगी दूर होगी, परेशानियाँ समाप्त होगी, शुभ समाचार मिलेगा ।
मुर्दे के साथ जाना :- संसार में भी सुख पायेंगे, दुःख दूर होंगे ।
भूत के साथ अनैनित सम्बन्ध देखना :- अपने काम में निराशा होगी, व अपमान सहना पड़ेगा या भौतिक सुख मिलेगा कि अपने कर्त्तव्य को भूल जाएंगे ।
मुर्दे के साथ मोहब्बत करना देखना :- मुर्दे के रिश्तेदारों से धन का लाभ होगा, आराम से जीवन व्यतीत हो जायेगा ।
अपने आप को मरा हुआ देखना :- यात्रा पर जाना पड़ेगा, यात्रा पर हो तो घर आ जाए, बीमार हो तो स्वस्थ होंगे । कैद में हो तो मुक्ति होगी ।
युवा देखना :- दुश्मन कठोर उत्पन्न होगा, किसी प्रकार का दुःख हो सकता है, जवान पुरुष स्वयं को बूढ़ा देखे तो खुशहाली आएगी, यदि जवान स्वयं को अवस्यक देखे तो वह जो भी काम करेगा तो अपमानित होना पड़ेगा, इज्जत गंवानी पड़ेगी ।

मुर्गा देखना :- विदेशी से लाभ उठाए, पत्नी गर्भवती होगी, मुर्गी दिखाई दे तो पत्नी मिलेगी या मित्र मिल जाएगा, सुख होगा, मुर्गी जीवित देखे तो रति सुख मिलेगा, इज्जत व मान सम्मान बना रहेगा ।

मोती देखना :- यदि छोटा हो तो लड़की भाग्यशाली जन्म लेगी । बड़ा हो तो धन का लाभ होगा या किसी सुन्दर युवती पर आसक्त होगा ।

मोती बेचना :- लोगों को ज्ञान का लाभ पहुँचाये, मार्ग - दर्शक बनकर तेजस्वी बने ।

मोती बींधना :- विद्वान होंगे, दुनियॉ में उसके इल्म का लाभ होगा, लोग अच्छा कहेंगे, किसी की निकटता मिलेगी ।

मुहुर देखना :- राज्य में बड़ा स्थान मिलेगा, जनता में प्रसिद्धि और प्रसिद्धि प्राप्त होगी, मुहुर गिरती देखे तो फंसेगे ।

मोती की लड़ी देखना :- धर्म - कर्म में रूचि बढ़ेगी, पुत्र प्राप्ति का खुला संकेत है। जिससे कुल का नाम बढ़ेगा ।

मुरगावी को पकड़ते देखना :- देखने वाला सरकार में बड़ा स्थान प्राप्त करेगा, ज्ञान और विद्या - धन मिलेगा, बड़ा आदमी बनेगा ।

मक्खी देखना :- बदनसीबी की निशानी है, बहुत कष्ट होगा ।

मन्दिर छोटा या बड़ा देखना :- यदि बनाते देखे तो मनोकामना पूरी होगी, केवल मन्दिर देखे तो भी शांति मिलेगी, कहीं से शुभ समाचार मिलेगा ।

मेज पर चढ़ना :- बड़ा स्थान मिलने का संकेत है, शान - शौकत बढ़ेगी ।

मुँह से कुछ निकलते देखना :- आशा के विपरीत कुछ मिलने का संकेत है, धन का लाभ होगा ।

मिट्टी बदन पर या कपड़े पर देखना :- पुत्र का जन्म होगा, धन का लाभ, खेती में उपज बढ़ेगी, व्यापार में बढ़ावा होना आवश्यक है।

मोजा पहिनना :- पति - पत्नी में प्रेम बढ़ेगा, आराम से जीवन व्यतीत होगा, जो मोजा उतारता देखे तो पत्नी से मन - मुटाव होगा ।

मेंह बरसता देखना :- खेतों में बरसात देखे तो खुशहाली होगी, घर में देखे तो तबाही होगी ।

मकड़ी रंगीन देखना :- धन मिलेगा लेकिन खूब मेहनत के बाद शांति व

खुशहाली का संकेत है। दुश्मन से सुरक्षा होगी, बुरा चाहने वालों को मुंह बन्द होगा, समाचार कहीं से आना चाहिए ।

मकान बनते देखना :- किसी की मौत होगी, खुशहाली आएगी, ऐसे कर्मो में रुचि होगी जिनसे प्रसिद्धि बढ़ेगी ।

मंत्र शास्त्र देखना :- ज्ञान में वृद्धि होगी, मनोकामना पूरी होगी, प्रेमिका मिल जायेगी, जो विचार है वह शीघ्र ही पूरा होगा ।

माली देखना :- शीघ्र ही शादी हो चुकी है तो पुत्र का जन्म होगा, घर में खुशी के फूल खिलेंगे ।

मिर्च खाना :- लड़ाई होगी, लेकिन मित्रता हो जायेगी, परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे, कोई बात सहन न होगी ।

मलाई खाना :- धन का लाभ होगा, बिना मेहनत के दौलत मिलेगी, प्रेमिका से मिलन आशा के विपरीत होगा, खोया हुआ मिल जायेगा, जीवन में शान्ति व आराम मिलेगा ।

मोल - भाव करते देखना :- व्यापार में हानि, खेती जायेगी, दान दे संकट कटेगा ।

मुरझाये फूल पौधे देखना :- दुःख होगा, अशान्ति बढ़ेगी, संतान की हानि, पत्नी से वियोग होगा ।

मोटर - गाड़ी देखना :- ट्रक, बस, टैक्सी, देखने का अर्थ है कि देखने वाला यात्रा करेगा, मशीनरी का व्यापार शुभ होगा, धन का बहुत लाभ होगा ।

मोम देखना :- लाभ हर तरह का पवित्र साधन से धन मिलेगा ।

मोमबत्ती देखना :- विद्वान बने, खुशी पाये, पुत्र पाये, सुन्दर पत्नी से विवाह होगा ।

मकई का भुट्ठा देखना :- घर में किसी को चेचक निकलेगी, धन लाभ होगा ।

मिट्टी का तेल देखना :- पैट्रोल, डीजल, स्प्रिट, तेजाव सब का एक ही फल है देखने वाला वर्तमान साधनों से सुख पायेगा ।

मूसल देखना :- कठिन कार्य करके ही जीविका पायेगा ।

मल - मूत्र देखना :- लज्जा के काम करेंगे, महावारी के कपड़े, खून के धब्बे देखे तो भी ऐसा ही होगा, जग हंसाई होगी, पाप कमायेंगे, दान दे, सज्जन

पुरुषों की संगति करे तो काफी लाभ होगा यह सपना अच्छा नहीं है।
मन्दिर देखना :- शुभ परिणाम निकलेंगे । मनोकामना पूरी होगी, जो चाहो वहीं होगा ।
माथा ऊँचा देखना :- पुत्र धन होगा, प्रसिद्धि बढ़ेगी, तेजस्वी, बलवान बनोगे, दुश्मन नीचा देखेगा, अपनों का स्नेह प्राप्त होगा ।
मांस कच्चा देखना :- भाई से दुःख मिलेगा, बेईमानी का माल हाथ में आएगा और वही दुःखों का कारण बनेगा ।

(ठ)

टोड़ी अपनी देखना :- अपने कुल का मुखिया बने, कोई बड़ा स्थान मिलेगा, नौकरी में तरक्की मिलेगी, आशा के विपरीत शुभ समाचार मिलेगा ।
ठठोल करते दुखना :- धर्म के विरुद्ध काम, हर जगह अपमानित होना पड़ेगा, बना बनाया काम बिगड़ जायेगा ।
घड़ा देखना :- भरी हो तो खुशी, खाली हो तो दुःख हानि, पत्नी अच्छी मिलेगी, नौकर या नौकरानी का सुख मिलेगा ।
ठण्ड में ठिठुरना :- बहुत सुख पायेंगे किन्तु दुःख उठाने के बाद, अगर देखने वाला बहुत दिनों से दुःखी हो तो शीघ्र ही राहत मिलेगी ।
ठोकर मारना :- बड़ा स्थान मिलेगा, शत्रु पर विजय होगी, स्त्री सुन्दर मिलेगी,संतान की प्राप्ति होगी, धन - दौलत का सुख मिलेगा ।
ठाट - बाट अपना देखना :- दुःख पाएगा,संकट में फंसेगा, बीमार हो सकता है, दान करे, बचने के लिए भगवान से प्रार्थना करे, ईश्वर की उपासना अपने ढ़ंग से करे ।
ढीकरा देखना :- गरीबी व दीनता आने का संकेत है, अच्छे कार्यो से संकट टलेगा ।
ठेला देखना :- परिश्रम करना पड़ेगा लेकिन जो इरादा है वह देर से पूरा होगा, अपने कार्य में मन लगाएं, आगे बढ़ता जाए, सारी अड़चने एकदम समाप्त होगी ।

ठण्डाई देखना :- माल, दौलत बढ़ेगा, अपनों, बेगानों से लाभ व मन शांत होगा ।
ठग देखना :- ठगा जाए तो हानि, न ठगे तो धन में वृद्धि होगी ।
ठीक करना कल को देखना :- बिगड़ा काम बुद्धि के वल पर बन जाएगा, इरादा शीघ्र पूरा होने वाला है।
ठोंकना कील या खूँटी का :- अपने व्यक्तिव का लोहा सब जगह में बनवाए, इरादा अटल होंगे, तेजस्वी बने, सुख पाए ।
ठूँसना कपड़ा किसी रोशनदान में :- अपने ऐव दुनियाँ से छिपाने में सफलता, बुराई से बचे, कोई विपत्ति आने वाली हो तो बचें।
ठर्रा शराब पीना :- किसी निकटवर्ती से लाभ होगा, इतना माल मिलेगा कि खुशी में सब कुछ भूल जायेंगे ।
ठहाका लगाना सुनना :- किसी बात पर लगाए तो लाभ, अकारण लगाए तो लोग मूर्ख कहेंगे तो दुःख पाएंगे । कोई स्त्री लगाए तो वेश्या बन जाएगी ।

(य)

यासमीन का फूल देखना :- खुशी और खुशहाली का घोतक है, मनोकामना सिद्ध होगी, जीवन में राहत के फूल खिलेंगे ।
याक देखना :- यदि माल से लदा हो तो खुशहाली होगी, अन्यथा दुःख का संकेत है, बंध हुआ देखे तो कोई मुसीबत न आयेगी ।
यार देखना :- सपने में मित्र, प्रेमी या प्रेमिका को देखने से मिलन शीघ्र होगा, चाहे बिछड़े हुए मुद्दत बीत गई हो ।

(र)

राह सीधी देखना :- नेकी दीन - दुनियाँ की प्राप्त होगी,राह में जितनी सफाई हो उन्नति ही उन्नति पाये, धन मिलेगा, इरादा सफल होगा ।

राह टेढ़ी - मेढ़ी देखना :- बुरा परिणाम निकलेंगे, बदनामी, बीमारी, कोई भी सुख मिलेगा ।
रास्ता चलने में धूल देखना :- उद्देश्य प्राप्त होगा, लाभ होगा, दुःख दूर करना होगा, रास्ते में रेगिस्तान देखे तो कष्ट, असफलता व निराशा का सामना करना होगा ।
रान देखना :- पत्नी के रिश्तेदारों से आनन्द व सुख ।
राँग देखना :- बादशाह, मंत्री आदि से लाभ, साहुकार दोस्त बनेगा, कष्ट के बाद राहत मिलेगी ।
रस्सी या रस्सी के बल देखना :- यात्रा करनी पड़ेगी लेकिन राहत व सफलता मिलेगी, ऐसे काम करे जिससे दीन व दुनिया में नाम हो, दूसरों को सुख पहुँचेगा, अच्छा कहा जाएगा ।
रस्सी लपेटना स्वयं को देखना :- ऊँचा स्थान मिलेगा, दुःख मिटेगा, चिन्ता दूर होगी ।
रोटी देखना :- धन, सफलता मिलेगी, बीमारी से अच्छे होंगे, शुभ समाचार मिलेगा ।
रोशनी बिना आग देखना :- बड़ा स्थान मिलेगा, दुःख मिटेगा, चिन्ता दूर होगी
रोना आँसुओं के साथ :- खुशी से दुनियाँ, दीन को भूल जायें, बुरे काम से हाथ उठाये, मालिक के आज्ञाकारी रहे, संसार में इज्जत होगी ।
रोशनदान, झिरी, दीवार में देखना :- धन प्राप्त होगा लेकिन व्यापार या विदेशों की यात्रा से ।
रीछ देखना :- दुश्मन शक्तिशाली होगा, परेशानी होगी, चिंतित रहेंगे,अपने भी काम नहीं आयेंगे, बुरा समाचार मिलेगा ।
रंज दूर होते देखना :- चिन्ता और परेशानी से छुटकारा खुशी का समाचार मिलेगा, किसी प्रकार की चिन्ता नहीं रहेगी, बिगड़े काम बनेगें ।
राई देखना :- बुरी संगत में बदनामी, बुरा काम करना पड़ेगा ।
रिश्वत लेना :- संसार में बदनामी व अपमान होगा, हराम का माल खाने का अवसर मिलेगा खाने से पूर्व दण्ड मिलेगा ।
राग - रंक देखना :- दोस्ती बढ़ेगी और घटेगी, आनन्द का जीवन मिलेगा,

शुभ समाचार की प्रतीक्षा करें ।
रोगी देखना :- जिसे देखे वह तन्दुरुस्त होगा चिरायु होगा, दुःख दूर होंगे, चिन्ता मुक्त होकर आनन्द लें ।
राख देखना :- तबाही और बरबादी की निशानी है, दान करे शुभ कार्य करे संकट टलेगा ।
रिक्शा देखना, बैठना :- आराम मिलेगा लेकिन कम, खुशी मिलेगी पर रंज अधिक होगा ।
रात - दिन के समय सपने में देखना :- परेशानी आने वाली है लेकिन ज्यादा नहीं, जिस प्रकार रात के बाद दिन होता है जैसे ही परेशानी भी जल्दी ही टल जाएगी ।
राँपी चलाते देखना :- कोई काम ऐसा हुआ है या हो चुका है जो बदनामी का कारण बना हुआ है या बनने वाला है।
राकिट देखना :- काम में प्रगति, धन का लाभ, सुख, ऊँचा स्थान मिलेगा ।
रथ देखना :- यात्रा करनी पड़ेगी, यात्रा सफल होगी, मनोकामना पूर्ण होगी । दुःख मिट जायेगा ।
रेल देखना :- यात्रा होगी, कष्ट होगा लेकिन अन्त में राहत होगी, शुभ संदेश मिलेगा, सावधानी की आवश्यकता है।
रेडियो बजता देखना :- अच्छा है, कोई लाभ न कोई हानि, केवल आप समय का ध्यान नहीं दे रहे इसलिए प्रगति नहीं हो रही ।
रेफ्रिजरेटर देखना :- बड़ेपन का सूचक, धन का लाभ ।
रेल का स्टेशन देखना :- यात्रा होगी, लाभ होगा, सकुशल लौटना होगा, खुशी मिलेगी ।
रसभरी खाते देखना :- मन पसन्द स्त्री से विवाह, जो इरादा बहुत दिन से पूरा नहीं हो रहा वह पूरा होगा ।
रांग का सिक्का देखना :- कोई फल न मिले, दुःख भोगोगे, अपमानित होना पड़ेगा, बहुत जल्द बीमार पड़ेगा, दान करे तो संकट टलेगा ।
रद्दी का ढ़ेर देखना :- धन काठ - कबाड़ से प्राप्त होगा, रोकड़ हाथ आयेगा, व्यापार पुराने माल का शुभ है।

रसीद वही देखना :- साहुकार बन जाये । लेन - देन में सच्चा हो अतः साख **बनाये सब लोग आदर करेंगे, व्यापार में लाभ होगा ।**

रेत धूल बरसती देखना :- मुसीबतें टल जायेंगी, धन मिलेगा, दुश्मन दोस्त बनेगें ।

रोटी देखना :- मित्रों से मिलन होगा, धन और आराम का संकेत है, चिरायु हो, काम बनेंगे ।

(ल)

लब देखना (होट) :- यदि सुन्दर हो तो प्रियतम मिलेगा, पुत्र जन्म लेगा, प्रेमिका की निकटता होगी, यदि भद्दे काले हो तो दुःख, वियोग, कष्ट, निराशा का सामना करना पड़ेगा ।

लिवास मैला देखना :- रंज, परेशानी व बदहाली का संकेत है, ऐसे काम होंगे जिनसे लज्जित होना पड़ेगा, साफ सफेद है तो सुख होगा, पीला रंग छोड़कर हर रंग अच्छा है, काला हो तो राजा पर मुसीबत आयेगी, पीले वस्त्र देखने पर तबाही होगी व दुःखों की सम्भावना है।

लड़का छोटा देखना :- यदि जान पहचान का बच्चा है तो घर में भी पुत्र आने वाला है, लड़का गोदी में है तो धन की प्राप्ती होगी, लड़का अन्जान है तो दुःखों का सामना करना पड़ेगा, परेशानी होगी, दान करे, लड़का बड़ा देखे तो परेशानी दूर होगी, लड़की अंजान हो चाहे जान - पहचान की सुख शान्ति का संकेत है।

लड़ना विद्रोहियों के साथ देखना :- तबाही, बरबादी, महामारी दंगा फसाद फैलगा, शान्ति से जीना कठिन है। राजा को लड़ता देखे तो तबाही देश की, गांव या बस्ती में खून खराबा आवश्यक है।

लश्कर देखना :- वर्षा होगी, उपज खूब होगी, सुख जनता को मिलेगा ।

लक्ष्मी के दर्शन करना :- धन कुबेर का मिलेगा ।

लाल देखना :- शादी होगी, पुत्र जन्म होगा, धन - दौलत बढ़ेगी ।

लकड़ी जलाने की देखना :- ईमानदारी व अच्छे काम करके लोकप्रिय होंगे ।

लोहा देखना :- कार्य सफल होगा, कड़ी मेहनत करके लाभ उठाएं ।

लुहार देखना :- कड़ी मेहनत करनी होगी तब अपार सुख मिलेगा, शक्ति बढ़ेगी, शत्रु नीचा देखेगा, तेज व ख्याति मिलेगी ।

लोमड़ी देखना :- मक्कार निकटवर्ती लोगों से हानि होगी, पत्नी मन पसन्द की न होगी, घर में कलह, दुःखों का सकेंत है, खरीदते देखे तो लाभ होगा ।

लहसुन प्याज देखना :- लाभ होगा, हर प्रकार की खुशी होगी लेकिन अन्न, लकड़ी व खराब होने वाली वस्तु का व्यापार हानि का कारण बन सकता है।

लाल टीका देखना :- पुरुष के माथे पर हो तो सत्संग से लाभ होगा, ज्ञान बढ़ेगा, स्त्री के माथे पर देखे तो विवाह होगा या जिसके माथे पर देखे उसका विवाह शीघ्र होगा, प्रेमिका के माथे पर देखे तो शीघ्र पत्नी बनेगी ।

लौकी देखना :- धन, भोजन का लाभ, बीमार ठीक होगा, मुकदमा जीतेगा, पुत्र उत्पन्न होगा, कर्ज अदा होगा, शुभ समाचार मिलेगा ।

लाल रंग की नदी देखना :- महामारी, युद्ध, विवाद से बहुत लोगों की जान जाएगी, जनता पर मुसीबत आएगी, लाल नदी में तैरता देखे व पार उतर जाये तो संकटो पर विजय प्राप्त होगी, खुशहाली का युग आरम्भ होगा, दान करे ।

लाठी देखना :- सहयोगी या मददगार मिलेगा, दुश्मन परास्त होंगे, शान्ति मिलेगी ।

लंगोटी देखना :- आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा परदेश जाना पड़े तो भलाई की आशा है।

लंगूर देखना :- मुसीबतों का अन्त होने का समय आ गया है, लंगूर पेड़ पर है तो देर लगेगी, धरती पर है तो शीघ्र सारी उलझनों का अन्त होगा, आशा के विपरीत शुभ समाचार मिलेगा ।

लाट मीनार देखना :- लाट या मीनार देखना शुभ सपना है, चिरायु हो, मनोकामना पूरी होगी, सुख व चैन मिलेगा ।

लंगर डालते जहाज को देखना :- विदेशों की यात्रा करनी पड़ेगी, विदेशी व्यापार में लाभ, नौकरी समुद्रीतटीय नगर में ही प्रद होगी ।

लोविया की फली खाना :- भोजन में उन्नति, खाने, पहनने की तंगी दूर होगी, चिन्ता समाप्त होगी, नौकरी पैशा है तो वेतन में वृद्धि होगी, बेकार है तो

रोजगार मिलेगा, उत्तर क ओर लाभ होगा, पत्नी गर्भवती है तो पुत्र की आशा करे, शुभ समाचार पूर्व से आयेगा ।
लकड़बग्घा देखना :- दुःख और आतंक का लक्षण है। जिस रात देखे उस तिथि वाले दिन दान करे, उलझने दूर होंगी ।
लिंग देखना :- इस प्रकार के सपनों का कोई महत्व नहीं है जवान स्त्री - पुरुष सपनों में स्वयं को अकेले या किसी के साथ नग्न देखे तो वह स्वप्नदोष भी होता है। यह केवल शारीरिक व मानसिक कारणों से होता है, यदि कोई सपने में अपना लिंग कटा देखे तो उसकी पत्नी छिन जायेगी । बड़ा अधिकारी हो तो निलम्बित होगा, सुख न मिलेगा, पत्नी गर्भवती हो तो बच्चा पेट मे मर जायेगा या अन्य दुःख बीमारी घेर लेंगी, यदि देखने वाला पुरुष और वह स्वयं को स्त्री बना देखे तो बहुत दुःख पायेगा, स्त्री स्वयं को पुरुष लिंग के साथ देखे तो भी सुख पायेगी, संतान की प्राप्ति, धन की वृद्धि व संसार में सम्मान होगा ।
लम्बा ढीला कुर्ता पहनना :- विवाह होगा, खुशहाली होगी, इज्जत व स्नेह प्राप्त होगा, दुश्मन मित्र बनेंगे, शुभ समाचार मिलेगा ।

(व)

विलायती अंजीर खाना :- धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा, बिगड़े काम बनेंगे, इरादा पूरा होगा, हलाल के धन से सुख - शानित मिलेगी, किसी प्रकार

का कष्ट शेष न होगा, शुभ समाचार प्राप्त होगा, पत्नी गर्भवती हो तो पुत्र का जन्म होगा, चिन्ता मुक्त होगी ।
वाह - वाह करके हँसते जाना :- खुशी प्राप्त होगी ऐसा काम करें जिससे जग में नामवरी होगी, कवि या वक्ता बन जाऐं, खिलाड़ी बन जाऐं ।
वायदा करते देखना :- सपना देखने वाला झूठ बोलता है। यह आदत छोड़ दें और जिससे जो कहे वो पूरा करे वरना अशान्ति का शिकार होंगे ।
वसीयत करना :- समय कम है, जितने नेक काम कर सकते हो कर लो, दान दो और भगवान से प्रार्थना करो अंत अच्छा हो ।
वजीफा, वृत्ति पाना :- इस बात की निशानी सरकार दरबार में मान बढ़ेगा, ऐसा काम करे जिससे देश व कुल का नाम होगा, लाभ होगा, सर्वत्र नाम होगा
वकील देखना :- कोई सहायक या मित्र बने जो कठिनाइयों से निकलेगा, मुकदमा चल जाये लेकिन विजय उसी की होगी ।
वली को देखना :- वली साधु संतो को देखना अच्छा है, उन्हें प्रसन्न देखे तो सुख मिलेगा, क्रोध में देखे तो अच्छा कार्य करे संकट टलेगा ।

(श)

शंख देखना - सुनना :- शुभ सपना है, मनोकामना पूरी होगी, अच्छे कर्म करे, लाभ होगा ।
शामयाना पुराना देखना :- धन की प्राप्ती होगी, किसी स्त्री से प्रेम हो या उस

पर दीवानीगी के साथ आसक्त हो।
शराब देखना :- हराम की कमाई मिलेगी, इज्जत खराब होगी, दुश्मनी लड़ाई से कष्ट होने का संकेत है।
शरबत देखना :- चिरायु हो, बीमारी से स्वस्थ हो, परेशानी दूर होगी, मित्रों से प्यार बढ़ेगा, रंज दूर होगा।
शराब का नशा दूर होना :- मालदार व मुखिया व आफीसर या साहुकार बन जाओगे, बिना शराब के मस्ती का जीवन मिलेगा, एक फल यह भी है कि मेहनत व्यर्थ जाएगी व निराशा हाथ लगेगी।
शतरंज देखना :- वाहियात व व्यर्थ के कामों में समय बरबाद होगा, यदि किसी से लड़ाई होगी तो विजय प्राप्त होगी।
शकरकन्द देखना :- पुत्र की प्राप्ति होगी, धन हलाल की कमाई से मिलेगा, कोई अच्छा समाचार मिलेगा।
शलजम देखना :- स्त्री जटिल, फूहड़ मिलेगी, काम वासना का आनन्द लेना छोड़ दे, स्त्रियों की संगति से घबराये।
शमा या दीपक देखना :- नेता बन जाएँ, ऊँचा स्थान मिलेगा, उन्नति होगी, चाँद से चेहरे की मन पसन्द पत्नी मिलेगी, विद्या धन मिलेगा, नाम होगा।
शिकार करना :- मनोकामना सिद्ध होगी, स्त्री मन पसन्द मिलेगी, बिगड़े काम बनेंगे, अच्छा समाचार मिलेगें।
शहर वालों को बोलते देखना :- शहर पर अकाल पड़ेगा, दंगा फसाद होगा, कर्फ्यू लगेगा, गोलियाँ चलेगी, लूट - मार होगी।
शेर देखना :- बादशाह बनेगा या शक्तिशाली व सुविख्यात होगा, सेना का वीर, अधिकारी बन जाये या नामी पहलवान, शेर से लड़कर परास्त करना देखे तो दुश्मन से भी कभी न हारेगा, शेर को भागते देखे तो हर मनोकामना पूरी होगी, माँस खाता देखे तो धन स्वास्थय में तेजी से वृद्धि होगी।
शहद की मक्खी देखना :- माल हलाल की कमाई का धन हाथ आयेगा, प्रेमभाव बढ़ेगा, इज्जत बढ़ेगी, स्वास्थ्य मिलेगा, खुशी का समाचार मिलेगा।
शैतान पर क्रोधित होना :- धन - मान - मर्यादा की तबाही होगी, स्त्री से सुख मिलेगा, बदनामी होगी, अपमानित जीवन मिलेगा।

शीशा देखना :- शराब पीने की आदत होगी,बीमार हो तो ठीक हो जाये, सांसारिक सुख मिलेगा।
शोरबा पीना देखना :- लाभदायक है, खाने की तंगी न रहेगी, हलाल कमाई का धन मिलेगा।
शोला देखना :- मुसीबतों, उलझनों से दिल घबरायेगा, अच्छाई में नतीजा निकलेगा, इसलिए अच्छे काम करो।
शहद देखना :- शुभ कार्य से धन मिलेगा, हर तरह का सुख प्राप्त होगा।
शहतूत देखना :- भरपूर भोजन, स्वास्थ्य, पुत्र, धन, खुशी का समाचार मिलेगा
शरीफा खाना देखना :- दोनों में लाभ होगा, शुभ समाचार मिलेगा, मनोकामना पूरी होगी।

(स)

सरैया देखना :- तारों के जमघट को सरैया कहते है, सपनों में देखे तो कष्ट दूर होगा, मनोकामना पूरी होगी, शुभ समाचार मिलेगा।

सांप देखना :- सांप को मार दिया है या पकड़ लिया है तो दुश्मन पर विजय प्राप्त होगी, आशा के विपरीत लाभ होगा, सांप से डर गये तो दुश्मन से खतरा है, मित्र ही शत्रु का रूप धारण कर सकता है, सांप को घर में देखे तो बेवफाई का डर है, उसे पत्नी से लड़ना नहीं चाहिए, समझना चाहिए, सांप से बात करे तो शत्रु से लाभ होगा, सांप व न्योले की लड़ाई देखे तो लड़ाई होगी, सांप का मांस खाता देखे तो माल हाथ आएगा लेकिन खर्च बहुत होकर समाप्त हो जायेगा,दांत देखे तो रिश्तेदारों से सावधान रहे हानि पहुंचा सकते है, सांप को छत से गिरता देखे तो सरकार से परेशानी या घर में बीमारी आएगी ।

साड़ी देखना :- स्त्री, प्रेमिका की निकटता मिलेगी ।

सड़क देखना :- यात्रा होगी, सफलता मिलेगी ।

सारस देखना :- इरादा पूरा होगा, पत्नी से भरपूर प्रेम मिलेगा ।

सलाद खाते देखना :- हलाल की कमाई से सुख होगा ।

सुनार देखना :- विवाह होगा, साथी से दया मिलेगी ।

सरौता देखना :- लड़ाई झगड़ा, गृह क्लेश किन्तु अस्थायी ।

सोंटा देखना :- साथी शक्तिशाली मिलेगें, बडप्पन मिलेगा ।

सारन देखना :- स्त्री कुंवारी मिलेगी, संतान से कष्ट पाये ।

सरकस देखना :- बहुत कठिनाई से दुनियाँ को खुश कर सकते है।

सलाई देखना :- बुनने की हो तो इज्जत मिलेगी, सुर्मे की हो तो पत्नी से प्यार

साला - साली देखना :- पत्नी से प्यार, मन - मुटाव दूर होगा ।

सागर सूखता देखना :- अकाल, महामारी आएगी ।

सास - ससुर को देखना :- खुशी व स्नेह मिलेगा ।

सरसों का साग देखना :- बीमारी दूर होगी, राहत मिलेगी ।

सुथरे कपड़े पहनना :- खुशी मिलेगी, बड़प्पन हाथ मिलेगा ।

साथी को रोते देखना :- साथी की आयु बढ़ेगी, स्वस्थ होगा ।

सारंगी बजाना :- वेश्यागमन में समय, धन नष्ट होगा ।

सीमा पार करना :- विदेशी व्यापार में लाभ ।

सीसा देखना :- दुःख, बीमारी घेर लेगी ।

शील देखना :- जिसका देखे उसकी आयु बढ़ेगी ।

सौंफ देखना :- आशा के विरुद्ध सफलता, संसार में विख्यात व अच्छा स्थान मिलेगा ।

साग देखना :- पकाकर खायी जाने वाली पत्तियां जैसे चने का साग, पालक, चौलाई, पोदीना, हरा धनियां, मूली आदि के पत्ते हाथ में लिये देखे तो सावधान रहे, किसी से भी अकारण बैर हो सकता है, बुरी जगह नहीं जाना चाहिए ।

सितारे देखना :- राजा सरकारी अधिकारी की कृप रहेगी, विद्वान बने, तेजस्वी बने, संसार में नाम पाए लेकिन शर्त है सितारों को चमकता पाए, माल - दौलत हाथ आएगा, सरकार की ओर से ऊँची पदवी होगी, नौकरी में उन्नति वेतन में वृद्धि, हर तरह का सुख मिलेगा, सितारों को खाता देखे तो सावधान रहे गवन के अपराध में फंस सकता है, किसी से बेईमानी कर बदनामी हो सकती है।

सर देखना :- सुन्दर बालों से भरा देखना शुभ सपना है, खुशी व उन्नति मिलेगी, किसी का सर कटा देखने वालों का अपनों से जुदाई मिलेगी, दुःख व परेशानी में फँसना पड़ेगा, यदि अपना सर देखों तो दुःख मिलेगा, बिगाड़ होगा, हानि या बुरा समाचार मिलेगा, अपने सर के साथ पशु - पक्षी को देखे तो वैसी ही शक्ति मिलेगी, जैसे पशु - पक्षी को देखेंगे । किसी जानवर का सर कटा देखे तो काम सफल, मनोकामना सिद्ध होगी, किसी के सर पर बैठते देखे तो धर्म - कर्म और संसार दोनो में सफलता व समृद्धि होगी । सर में तेल डालते देखे तो यदि तेल कम है तो कोई बात नहीं ज्यादा है तो परेशानी होगी, सर के बाल झड़ते देखे तो कर्ज अदा हो जायेगा, दुःख जायगा, अपने बाल मुड़ते देखे तो कई तरह का खतरा हो सकता है, अपने बाल कटे देखे पति - पत्नी में तलाक होगा, अपना सर कटा देखे तो लाटरी या गढ़ा धन मिलेगा, यदि नाई से सर मुड़ाते देखे तो घर में लड़ाई होगी, अपना सर बहुत बड़ा देखे तो विद्वान बने या ख्याति पाए ।

सरसों देखना :- धन का लाभ होगा, व्यापार करने का लाभ, नौकरी में प्रगति, आशा के विपरीत लाभ होगा ।

सेम की फली देखना :- अच्छा भोजन पाए, किसी भी तरह की हानि हो सकती है।

सीता जी को देखना :- स्त्री देखे तो कठिन परीक्षा में पड़कर भी सम्मान मिलेगा, पुरुष देखे तो सुख शान्ति मिलेगी ।
स्वेटर बुनते देखना :- पति से प्रेम, पड़ौस में दोस्ती प्रेम, नाम पाए ।
सिनेमा देखना :- कोई बुरी आदत घेर लेगी, अकारण समय गवाएँ ।
सुतली कमर में बाँधना :- गरीबी आएगी, संघर्ष से खुशहाली आएगी ।
सूद देते लेते देखना :- देते देखे तो घर में गरीबी, लेते देखे तो अराम का धन मिलेगा ।
सिगरेट, बीड़ी, सिगार पीना :- हर तरह का सुख मिलेगा, पैसा वाहियात बातों में बरबाद होगा ।
सावन देखना :- बहार छा जायेगी, घर में पानी देखे तो दुःख खेतों में देखें तो खुशहाली होगी ।
सन्दल देखना :- धन, विद्या, स्वास्थ्य में लाभ, पुत्र का जन्म होगा ।
सर्दा खाना :- हलाल की कमाई का भोजन मिलेगा, खुशी मिलेगी ।
सेंध लगाना :- बुरा समाचार मिलेगा, कोई चीज खो जायेगी, सावधानी की आवश्यकता है।
सोना देखना :- अपने किसी भी निकटवर्ती का नुकसान होगा, परिवार में दुःख होगा, बीमारी होगी, या धन की हानि होगी ।
सोना का टुकड़ा या जेवर देखना :- अगर देखने वाला पहले से धनाढ्य है तो बहुत बड़ा पूंजीपति बनेगा, गरीब है तो नगर सेठ बनेगा ।
सोना अमानत देखना :- ईमानदार भी हो तो बेईमानी में किसी का माल हड़प करेगा और अपमानित होगा, दान दे तो संकट टलेगा ।
सोना ढेर सारा मिल जाना :- संसार में उन्नति होगी, ढेर सारा धन मिलेगा, सुख मिलेगा, ख्याति होगी, दानी व धर्मात्मा होकर नाम पाए ।
सुदर्शन चक्र देखना :- यदि कोई पाप या अधर्म करते है छोड़ दे ।
सोंठ खाना :- स्वास्थ्य की बेहतरी किन्तु धन का मिलना नहीं के बराबर ।
सुपारी देखना :- दोस्ती व भाईचार बढ़ेगा,खुशी होगी, व्याह होगा, पुत्र जन्म होगा ।
सिलाई मशीन देखना :- हर कार्य में सफलता किन्तु भय रहेगा, उन्नति शीघ्र

होगी ।
सुनहरा रंग देखना :- खुशी होगी, आशा के विपरीत लाभ होगा ।
सेमल का पेड़ देखना :- धन पाए किन्तु शीघ्र ही व्यय होगा, डर बना रहेगा ।
साईन बोर्ड देखना :- लाभ होगा, व्यापार में सुख, नौकरी करे तो कष्ट ।
स्टोव जलाना :- भोजन भरपूर, सुख, शान्ति, किन्तु हर दम चिन्ता अकारण रहेगी ।
सियार देखना :- बीमार व दुःख होगा, व्यापार में हानि, दिन में देखे तो मृत्यु का समाचार मिलेगा ।
सूली दिया जाना :- ऊँचा ओहदा पाने का संकेत है, चिन्ता से मुक्ति, शुभ समाचार मिलेगा ।
सुअर देखना :- बदमाशों, कमीनों का मुखिया बनोगे, बेशर्म व कर्मी बनकर बदनाम होगा, देखने वाला सावधान होकर ईश्वर की उपासना करे ।
सुअर का दूध पीना :- मुसीबत में फंसेगें, संसार में अपमानित होंगे, वेश्यागामी होंगे ।
सूर्य देखना :- तेज, ख्याति, धन, समृद्धि बढ़ेगी, यशस्वी पुत्र होगा, पत्नी का सुख मिलेगा ।
सुई, सुआ देखना :- रोटी मिले पर तंगी रहेगी, जो खाये तन न लगे, चिन्ता रहेगी ।
सीपी देखना :- पानी में देखे तो हानि रेत पर पाये तो लाभ होगा ।
सुलगती आग देखना :- दुःख, बीमारी, दुश्मन से चिन्ता, शोक समाचार मिलेगा ।
सुन्दर स्त्री अन्जान के साथ विषय करे :- कोई ऐसा कार्य करे जो लज्जा जनक होगा, अपमान होगा ।
सुन्दरी बिना योनि को देखना :- विवाह होगा किन्तु संतान सुख न मिलेगा, स्त्री बांझ होगी ।
सुन्दरी जान पहचान की नंगी देखना :- धन हाथ लगेगा, विवाह होगा, बदनामी का कोई कार्य करेगें ।
सुनहरी धूप देखना :- धन बहुत पाये, संसार में नाम व सरकार दरबार में

इज्जत होगी ।
स्त्री की छातियों से दूध बहता देखना :- काम सुख मिलेगा, पुत्र का जन्म होगा, ससुराल से माल मिलेगा ।
सोता हुआ शेर देखना :- दुश्मन से कोई डर नहीं है, सब काम पूरे हो जायेंगे
सरस्वती माँ के दर्शन करना :- बहुत बड़े विद्वान होगें, धन की तंगी बनी रहेगी ।
साधु महात्मा को देखना :- दीक्षा मिलेगी, मार्ग दर्शक से लाभ होगा, कुकर्म छूटेगें, खुशियां मिलेगी ।
संतोषी माँ के दर्शन करना :- सारे काम पूरे होंगे, हर इरादा सफल होगा, धन, स्वस्थ, संतान का लाभ होगा ।
सुदामा के दर्शन करना :- कोई बहुत बड़ा आदमी यहां बने और सारे दुःख हर ले ।
सान देखना :- बातों से दूसरों को वश में करले, नेता बनकर यश कमाए, हर व्यक्ति उसका आदर करेगा, बड़ा आदमी बनोगे ।
सीपी देखना :- पानी में देखे तो हानि, रेत पर पाये तो लाभ होगा ।
स्याही देखना :- अपने कुल का मुखिया बने, टोले, मोहल्ले के लोगों का अगवा बने, सरकार दरबार में सम्मान प्राप्त होगा ।
स्याही का धब्बा कपड़े पर देखना :- यदि वह व्यक्ति पढ़ा लिखा है तो सम्मान पायेगा, सुख मिलेगा यदि पढ़ा लिखा है तो उसे कोढ़ या कोई अन्श्य भंयकर रोग होने का खतरा है, दान करें ।
स्याह बाल सफेद देखना :- संतान सुशील पायेंगे, पत्नी से सुख मिलेगा, संसार में मान बढ़ेगा, व्यापारी है तो लाभ उठाए, नेता है तो बड़ा स्थान मिलेगा, लोकप्रियता का संकेत है।
सीना चौंड़ा देखना :- वीरता व साहस में नाम पाये लोकप्रियता प्राप्त होगी, हर व्यक्ति आदर करेगा ।
साईरन सुनना :- भय से चिन्ता होगी, शत्रु शक्तिशाली होगा, लेकिन शीघ्र ही चिन्ता से मुक्ति होगी ।
सन्दुक देखना :- पत्नी ऐसी मिलेगी जिससे खूब सेवा मिलेगी,दिल को चैन

होगा, खुशी का समाचार मिलेगा, आशा के विपरीत धन प्राप्त होगा ।
सोहबत बुढ़िया से करना :- धन का लाभ होगा, दुनिया में बड़ाई होगी, लेकिन साथ करते देखे उसका नाम किसी को न बताएं ।
सोहबत किसी प्रसिद्ध स्त्री के साथ करना :- सपना देखने वाले से उस स्त्री को लाभ होगा ।
कुंवारी लड़की से सोहबत करना :- सफलता व खुशी की निशानी है। मनोकामना पूरी होगी ।
सोहबत स्त्री को स्त्री से करते देखना :- अपनी स्त्री के चाल - चलन से सावधान रहना चाहिए, धन का लाभ होगा, सपना मनहूस नहीं है।
सोहबत पशु से करना :- सवारी मिलेगी, दुश्मन नीचा देखेगा, शक्तिशाली होगा ।
सुराही देखना :- पत्नी या प्रेमिका का चाल - चलन खराब होगा, सेविका या सेवक से लाभ होगा ।
साबुन देखना :- रोटी ठीक हो जायेगी, मन बुरी आदतों से साफ हो जायेगा ।
सुलह करना :- शान्ति चैन व आनन्द का जीवन मिलेगा, चिरायु हो ।
सूप देखना :- न्याय के कारण लोकप्रिय होंगे, किसी पर उपकार करें बड़ा स्थान मिलेगा, सुबिख्यात होंगे ।
स्नानागार को सूखा देखना :- गम, गुस्सा उठाना पड़ेगा, स्त्रियों से अशांति व कष्ट सहन करना पड़ेगा ।
स्वर्ण मुद्रा देखना :- विद्या धन, लोकोपकार, बन्दगी, सेवा, संसारिक हर प्रकार का धन मिलेगा,हर स्थान पर सम्मान पायेगा ।
शास्त्र देखना :- विद्वान बने, इज्जत पायेंगे, दीन दुनिया में भलाई होगी, किसी प्रकार का दुःख न होगा, खुशहाली होगी ।
शास्त्र का पन्ना खाना :- शीघ्र ही मृत्यु होगी, नेक काम करे, गनाहों की माफी मांगे ।
सिल बट्टा देखना :- सास - ननद से कलह होगी, दुःख होगा, अशांति रहेगी

(ह)

हलुआ खाना, हरीदा पीना :- आयु लम्बी होगी, स्वास्थ्य मिलेगा, कई प्रकार की मिठाइयों के बारे में भी यही फल बताया है, भोजन खूब मिलेगा, तंगी दूर रहेगी,चिन्ता दूर रहेगी, रूठा हुआ मीत मान जायेगा, खोया हुआ मिलेगा ।
हुक्का पीते देखना :- थोड़े दिन अकारण ही व्यर्थ होगा, बेकार की बाते करके बुराई उठानी पड़ेगी, थोड़ी बहुत बीमारी का भी सन्देह है।
हंसुली देखली :- कुंवारी पत्नी पाये, काम सुख का भरपूर आनन्द मिलेगा, जीवन खुशियों से भर जायेगा ।
हाथ देखना :- भाई, मित्र व प्रेमी मिल जायेंगे । जिससे किसी प्रकार की खुशी प्राप्त होगी ।
हाथ अपना कटा हुआ देखना :- आपस में लड़ाई, युद्ध या खून - खराबा
हाथ पर बैलबूटे देखना :- गुनाहों व बुरे कामों से तौबा करें, बुरी संगतों से बचे व भगवान् से भलाई की दुआ मांगे ।
हाथ धोना :- जिस काम के लिए प्रयास कर रहे है वह इरादा पूरा नहीं होगा, सारी मेहनत बेकार हो जायेगी, निराशा ही निराशा होगी ।
हाथ दुश्मन का चूमना :- लड़ाई समाप्त होगी, चैन व शान्ति मिलेगी, किसी प्रकार का भय हो तो वह समाप्त हो जायेगा ।
हाथ से आसमान छूना :- जनता में लोकप्रियता होगी, बातों में प्रभाव होगा, जिससे जो सुनेगा वह मोहित हो जायेगा,जो इरादा करे उससे सफलता मिलेगी
हाथी पर सवार होना :- स्वयं को हाथी पर सवार देखे तो दिन का समय हो तो कई प्रकार से अपमानित होना पड़ेगा, नौकरी से निकाला जायेगा, रात हो तो पत्नी से छुट - छुटायो होगा ।
हाथी को मस्त व हमलावर देखना :- सरकार विधनाढ्य लोगों से लाभ होगा, चिन्ता मुक्त होने का संकेत है।
हाथी सुन्दर देखना :- लड़की देखे तो सुन्दर वर मिलेगा, नव दम्पति हो तो पुत्र प्राप्ती होगी ।
हथौड़ा देखना :- परिश्रम से धन मिलेगा, गरीबी घेर लेगी, लेकिन दुश्मन दबेंगे, लोग आदर करेगें ।

हाथी की सवारी देखना :- राज दरबार में ऊँचा स्थान, सुख, धन, पुत्र शादी सफलता हर मैदान में पाए, योद्धा व सूरमा बने ।
हलवाई की दुकान देखना :- हर चीज को मन करेगा किन्तु प्राप्त न होने पर निराशा होगी ।
हवाई जहाज की उड़ान देखना :- विदेश जाए तो बहुत लाभ पाए, झूंठ बोलकर धन एकत्र करे ।
होटल देखना :- दूध खाना खाने को भी तरस जाये लेकिन काफल मेहनत से राहत मिलेगी, कुछ लोगों का अनुभव यह भी है कि हर प्रकार की खुशी होती है।
ध्यनी जनते देखना :- खतरा है, कोई ऐसा काम होगा, जिससे लज्जित होना पड़ेगा ।
हड्डी देखना :- शुभ समाचार पाए, चिरायु होगी, दुश्मन शांत होंगे, तंगी नहीं रहेगी ।
हरियाली देखना :- शुभ समाचार मिलेगा, धन का लाभ होगा ।
हल्दी देखना :- गांठ देखे तो सुख होगा, पिसी देखे तो रंज होगा ।
हार या माला देखना :- अन्य किसी के गले में देखे तो प्रेम होगा, अपने गले में देखे तो खुशी प्राप्त होगी।
हवा में उड़ते देखना :- ऊँचा स्थान मिलेगा, मुसीबते समाप्त होंगी, धरती से निकट उड़े तो यात्रा से लाभ उठाये, आकाश की ओर उड़ा हो तो मृत्यु का संदेश है, यात्रा में बहुत दुःख पाए ।
हवा तेज चलती देखना :- यदि हवा के जोर से मकान, छप्पर पड़े या गिरते देखे तो दुःख व शोक का संदेश है।
हैजा होते देखना :- पाप से मुक्ति, चिरायु हो, गम समाप्त होगा, दुश्मन का सामना होगा, किन्तु विजय प्राप्त होगी ।
हरा रंग देखना :- कपड़ा हो या कोई और वस्तु शांति का परिचायक है।
हीरा पाना या देखना :- धन का संदेश है, लेकिन बहुत दुःख उठाने पड़ेगे, जान मिल जाएगी, लेकिन शांति न होगी ।
हुक्का पीना :- प्रेम भाव व भाईचारा बढ़ेगा, समय बहुत नष्ट होगा ।

हाथ में घड़ी देखना :- समाज का स्नेह, समय का सदुपयोग करे, खुशहाली रहेगी।
हाथ में कंगना फूलों का देखना :- विवाह शीघ्र होगा, पत्नी मिलेगी, लड़की देखे तो वर मन पसन्द पायेंगे।
हथगोला फटता देखना :- युद्ध होगा लेकिन शत्रु ही पराजित होगा, देश का सम्मान होगा।
हाथ से सहवास करना :- बुरे काम करे व लज्जित होंगे, विवाह न होगा, लज्जित होना पड़ेगा।
हवा मध्यम चलती देखना :- राहत व ऐश मिलेगी,हर प्रकार का सुख - चैन मिलने की, ओर संकेत है, उलझने सुलझ जाएगी,चिन्तायें खत्म होंगी।
हंसते हुए देखना :- अकारण हंसी आये तो रंज पाए और जो कोई हंसाये तो हंसी की बात पर हंसी आये तो मनोकामना सिद्ध होंगी।
हिमपात देखना :- बिगड़े काम बन जायेगें, खुशी मिलेगी, धन आशा के विपरीत प्राप्त होगा, पुत्र की प्राप्ति होगी।
हिरण देखना :- कन्या क प्राप्ती होगी, शादी होने वाली हो तो पत्नी घर आकर जीवन को स्वर्ग बना देगी, कोई काम करने का इरादा है तो सफल होगा।
हथकड़ी देखना :- बुरे कार्मो से बचें, बहुत पायेंगे, शादी का भी संदेश है।
हॉकी देखना :- दुश्मन से सामना होगा, लेकिन अंत में विजय प्राप्त होगी।
हाथी पागल देखना :- दुश्मन तवाही मचायेंगे, महामारी आयेगी, अकाल पड़ेगी, बहुत लोग मरेंगे, दंगा - फसाद भी हो सकते हैं।
हकीम देखना :- दुःख बीमारी आएगी, लेकिन स्वस्थ हो जाएगें, सुख देर से मिलेगी।
हंसती हुई स्त्री देखना :- रण्डी बाजी करके पाप का भागीदार बनेगें, पत्नी बदचलन आएगी, घर में कलह रहेगी।
हंसिया, दरांती देखना :- दुश्मनी बढ़ेगी, अन्न, धन, पुत्र व व्यापार में लाभ होगा।
हत्या होते देखना :- जालिम से भय रहेगा, किन्तु परेशानी ज्यादा न होगी, चिरायु होगी, दुश्मन से सावधान रहना होगा।

होठ, लब, अधर देखना :- यदि सुन्दर हो तो प्रियतम मिलेगा, पुत्र जन्म लेगा, **प्रेमिका की निकटता प्राप्त होगी,यदि भद्दे काले हों तो दुःख, वियोग, कष्ट, निराशा का सामना करना पड़ेगा।**

तीर्थंकर की माता के स्वप्न

चन्द्रगुप्त मौर्य को पूर्णिमा की रात्रि को १६ दुःस्वप्न दिखाई पड़े थे जिनका फल उन्होंने आचार्य भद्रबाहु से ही पूछा था। आचार्य भद्रबाहु ने सम्राट के स्वप्नों का विश्लेषण करके भविष्यवाणी की थी।

१. हाथी के देखने से यह फलित होता है कि होने वाला पुत्र जगत हितकारी, देवों के द्वारा आराधनीय और समस्त राजाओं का शिरोमणि होगा।

२. उत्तम बैल के देखने से यह फलित होता है कि वह समस्त लोक में श्रेष्ठ होगा और इस जगत में धर्मरूपी महान रथ का प्रवर्तन करने वाला होगा।

३. सिंह के देखने से यह फलित होता है कि वह अपने कर्मरूपी हाथियों का घात करने वाला अनन्त बलशाली होगा।

४. मालाओं को देखने से यह फलित होता है कि वह समीचीन धर्म का प्रवर्तक होगा।

५. लक्ष्मी के देखने से यह फलित होता है कि वह सुमेरू पर्वत के मस्तक पर देवों के द्वारा अभिषेक को प्राप्त होगा।

६. पूर्ण चन्द्रमा को देखने से यह फलित होता है कि वह सद्धर्मरूपी अमृत की वृष्टि से समस्त जीवों को आनन्द देने वाला होगा।

७. सूर्य को देखने से यह फलित होता है कि वह आज्ञानान्धकार को नष्ट करने वाला और शरीर की कान्ति से आकाश को प्रकाशित करने वाला होगा।
८. कलशयुगल देखने से यह ज्ञात होता है कि वह नौ निधियों का भोक्ता होगा
९. मीनयुगल को देखने से यह होता है कि वह बालक मनुष्य और देवों के भोगों से सुखी होगा।
१०. सरोवर को देखने से यह फलित होता है कि बालक १००८ लक्षणों से पूर्ण एवं अवधिज्ञानधारी होगा।
११. समुद्र को देखने से यह फलित होता है कि वह बालक सम्यग्दर्शन तथा केवलज्ञान आदि रत्नों का सागर होगा।
१२. सिंहासन को देखने से यह ज्ञात होता है कि यह बालक जगदगुरु होकर साम्राजय प्राप्त होगा।
१३. स्वर्ग का विमान देखने से यह ज्ञात होता है कि बालक स्वर्ग से अवतीर्ण होगा।
१४. नागेन्द्र भवन के देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक अवधिज्ञान से युक्त होगा।
१५. रत्न राशि के देखने से यह ज्ञात होता है कि यह बालक दर्शन, ज्ञान आदि गुणों की खान होगा।
१६. निर्धूम अग्नि के देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक निश्चित ही शुक्लध्यानरूपी अग्नि के द्वारा समस्त कर्मराशि को भस्म करने वाला होगा।

भरत चक्रवर्ती के १६ स्वप्न

१. पर्वत पर २३ सिंह देखने से यह फलित होता है कि वीर के अतिरिक्त २३ तीर्थंकरों के समय दुष्टनयों की उत्पत्ति का अभाव होगा।
२.सिंह के साथ हिरणों का समूह देखने से यह फलित होता है कि वीर के तीर्थ में अनेक कुलिंगियों की उत्पत्ति होगी।
३. बड़े बोझ से झुकी पीठ वाला घोड़ों का समूह देखने से यह फलित होता है

कि पंचम काल में साधु तपश्चरण के समस्त गुणों से रहित होंगे।
४. शुष्क पत्ते खाने वाले बकरों का समूह देखने से यह फलित होता है कि आगामी काल में दुराचारी मनुष्यों की उत्पत्ति होगी।
५. हाथी के ऊपर बैठे वानर को देखने से यह फलित होता है कि क्षत्रिय वंश नष्ट हो जायेगा।
६. अन्य पक्षियों द्वारा घायल किया हुआ उलूक देखने से यह फलित होता है कि धर्म की इच्छा से मनुष्य अन्य मत के साधुओं के पास जायेंगे।
७. आनन्द करते भूत को देखने से यह ज्ञात होता है कि व्यन्तर देवों की पूजा होगी।
८. मध्य भाग में सूख हुआ तालाब देखने से यह ज्ञात होता है आर्य खण्ड का अभाव होगा।
९. मलिन रत्नराशि देखने से यह फलित होता है कि आगामी काल में ऋद्धिधारी मुनियों का अभाव होगा।
१०. कुत्ते का नैवेद्य आदि से सत्कार करना देखने से यह फलित होता है कि गुणी पात्रों के समान अव्रती ब्राह्मणों का सत्कार होगा।
११. जवान बैल देखने से यह ज्ञात होता है आगामी काल में श्रावक तरुण अवस्था में ही मुनिपाद ग्रहण करेंगे।
१२. मण्डल से युक्त चन्द्रमा देखने से यह ज्ञात होता है कि आगामी काल में अवधि व मनः पर्यय ज्ञान का अभाव होगा।
१३. शोभा नष्ट दो बैल देखने से यह ज्ञात होता है कि आगामी काल में एकाकी विहार का अभाव होगा।
१४. मेघों से आवृत सूर्य देखने से यह ज्ञात होता है कि आगमी काल में केवल ज्ञान का अभाव होगा।
१५. छाया रहित सूखा वृक्ष देखने से यह ज्ञात होता है कि आगामी काल में स्त्री - पुरुषों का चारित्र भ्रष्ट होगा।
१६. जीर्ण पत्तों का समूह देखने से यह ज्ञात होता है कि आगामी काल में महौषधियों का रस नष्ट होगा।

चन्द्रगुप्त के १६ स्वप्न

१. डूबते हुए सूर्य का दर्शन इस बात का संकेत है कि महावीर के मार्ग को प्रकाशित करने वाला आगम का ज्ञान उत्तरोत्तर अस्त होता हुआ समाप्त होगा

२. कल्पवृक्ष की शाखा का भंग होना बतलाता है कि भविष्य में राजपुरुष वैराग्य धारण नहीं करेंगे।

३. सछिद्र चन्द्रमण्डल का अर्थ यही है कि विधर्मियों और नास्तिकों द्वारा धर्म का मार्ग छिन्न - भिन्न किया जायेगा।

४. वारह फलवाला सर्प अपने अस्तित्व से स्वप्न में घोषित कर गया है कि इस उत्तरापथ में बारह वर्ष तक भयंकर काल भैषम्य होगा।

५. लौटता हुआ देव - विमान बतलाता है कि अब इस काल में देव, विद्याधर और ऋषिधारी सन्तों का अवतरण पृथ्वी पर नहीं होगा।

६. दूषित स्थान में खिले हुए कमल से फलित होता है कि कुलीन और प्रबद्ध जन भी अनीति और अधर्म की ओर आकर्षित होंगे।

७. भूत - प्रतों का बीभत्स नृत्य स्पष्ट करता है कि जनमानस पर अब प्रायः उनकी ही छाया रहेगी।

८. जुगनू चमकने का संकेत यह सन्देश देता है कि धर्म की ज्योति जिनके भीतर प्रज्वलित नहीं है, ऐसे पाखण्डी लोग भी धर्मोपदेशक बनकर, धर्म के नाम पर लोकरंजन और स्वार्थ साधन करेंगे।

९. क्वचित् किंचित् जलसहित शुष्क सरोवर देखकर यह समझना चाहिए कि धर्म की स्व - पर - कल्याणी वाणी का तीर्थ धीरे - धीरे शुष्क हो जायेगा। कहीं - कहीं क्वचित ही उसका अस्तित्व शेष बचेगा।

१०. स्वर्ण थाल में खीर खाता हुआ श्वान देखने से फलित होता है कि आगामी काल में नीच वृत्ति वाले चाटुकाल ही लक्ष्मी का उपभोग करेंगे। स्वाभिमानी जनों को वह प्रायः दुष्प्राय होगी।

११. स्वप्न में गजारुढ़ मर्कट इतनी ही घोषणा करने आया था कि भविष्य में राजतन्त्र, चंचल मतिवाले अनुकरण - पटु जनों के हाथों में पकड़कर विद्रूपित होगा।

१२. मर्यादा का उल्लघंन करते समुद्र की लहरों ने यह संकेत दिया है कि अब शासक और लोकपाल, न्याय - नीति की सीमाओं का उल्लघंन करेंगे। वे

उच्छृंखल होकर स्वयं अपनी प्रजा की लक्ष्मी, कीर्ति,स्वाधीनता आदि का हरण करेंगे और नारियों की लज्जा, सतीत्व आदि से खेलेंगे।
१३. बछड़ों के द्वारा रथ वहन इस बात का प्रतीक है कि अब लोगों में युवावस्था में ही, धर्म और संयम के रथ को खींचने की शक्ति पाई जायेगी।
१४. गज पर आरुढ़ होने वाले राजपुत्रों का ऊँट पर आसीन दिखाई देना संकेत देता है कि अब राजपुरुष, व्यवस्थित और शान्तिपूर्ण मार्गो में संयमरत्न के धारक, असन्तुलन और हिंसा से भरे मार्ग पर चलेंगे।
१५. धूल - धूसरित रत्नों का अवलोकन यह अप्रिय सन्देश देता है कि भविष्य में संयमरत्न के धारक, निर्ग्रंथ तपस्वी भी एक - दूसरे की निन्दा और अवर्णवाद करेंगे।
१६. काले हाथियों का द्वन्द्व - युद्ध बताता है कि गरजते हुए मेघ सानुपातिक जलवृष्टि अब प्रायः नहीं करेंगे। यत्र - तत्र अवर्षण और अतिवर्षण से प्रजा को कष्ट होगा।

चक्रवर्ती की माता के ६ स्वप्न

१. सुमेरु पर्वत देखने से यह ज्ञात होता है कि तेरे चक्रवर्ती पुत्र होगा।
२. सूर्य उसके प्रताप को और चन्द्रमा उसकी क्रान्ति को सूचित रह रहा है।
३. सरोवर के देखने से यह ज्ञात होता है कि वह पवित्र लक्षणों से युक्त शरीर वाला होकर अपने विस्तृत वक्षस्थल पर लक्ष्मी को धारण करेगा।
४. पृथ्वी का ग्रसा जाना देखने से यह ज्ञात होता है कि बालक चक्रवर्ती होकर समस्त पृथ्वी का पालन करेगा।
५. समुद्र देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक चरम शरीर होकर संसार समुद्र को पार करेगा।
६. इक्ष्वाकुवंश को आनन्द देने वाला वह पुत्र तेरे १०० पुत्रों में ज्येष्ठ होगा।

चक्रवर्ती श्रेयांस के सात स्वप्न

१. सुमेरु पर्वत
२. आभूषणों से सुशोभित कल्पवृक्ष
३. किनारा उखाड़ता हुआ बैल।
४. सूर्य
५. चन्द्रमा।
६. लहरों और रत्नों से सुशोभित समुद्र।
७. अष्ट गंगल द्रव्य लिये हुए व्यन्तर देवों की मूर्तियाँ।
सुमेरु पर्वत के देखने से यह फल प्रकट होता है कि जिसका सुमेरु पर अभिषेक हुआ है, ऐसे देव (ऋषभदेव मुनि) का आज हमारे घर में मंगल आगमन होगा अन्य स्वप्न भी उन्हीं के गुणों को सूचित करते हैं।

नारायण की माता के ७ स्वप्न

१. सूर्य देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक शत्रु विध्वंसक प्रताप से युक्त होगा।
२. चन्द्रमा को देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक सबका प्रिय होगा।
३. दिग्गजों द्वारा लक्ष्मी का अभिषेक देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक शौभाग्यशाली एवं राज्याभिषेक से युक्त होगा।
४. आकाश से नीचे आता विमान देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक स्वर्ग से अवतीर्ण होगा।
५. देदीप्यमान अग्नि देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक अत्यन्त कान्ति से युक्त होगा।
६. रत्नराशि की किरण से युक्त देवध्वजा देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक स्थिर प्रकृति का होगा।
७. मुख में प्रवेश करता सिंह देखने से यह ज्ञात होता है कि वह बालक निर्भीक होता है।